@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
सोमवार, 19 अक्टूबर 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 346 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

मुख्यमंत्री ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया

कौमी पत्रिका

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि विकसित भारत की नींव न्याय, अधिकार और कर्तव्य के सुदृढ़ ढांचे पर रखनी होगी। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प केवल सड़कों, कारखानों और एक्सप्रेसवे के निर्माण से पूरा नहीं होगा। वर्ष 2047 में भारत की स्वतंत्रता के 100 वर्ष पूरे होंगे। उस समय आज विधि की शिक्षा प्राप्त कर रहे युवा न्यायपालिका, विधायिका, कार्यपालिका, अधिवक्ता समुदाय और विभिन्न संस्थानों में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रहे होंगे। इसलिए उन्हें अभी से स्वयं को इस ऐतिहासिक दायित्व के लिए तैयार करना होगा। मुख्यमंत्री जी आज यहां डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने विश्वविद्यालय के मेधावी विद्यार्थियां को मेडल तथा प्रशस्ति पत्र प्रदान किये। इस अवसर पर उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री विक्रम नाथ तथा इलाहाबाद उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति श्री अरुण भंसाली की भी उपस्थिति रही। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि यदि विकसित भारत-2047 के संकल्प को एक मुकदमे के रूप में देखा जाए, तो इस मुकदमे का विषय 'विकसित भारत', याची देश के 140 करो? नागरिक और उनकी ओर से पैरवी करने वाले आज के युवा विधिवेत्ता हैं। किसी मुकदमे में दावे को सिद्ध करने के लिए तथ्य, साक्ष्य, तर्क और ईमानदार अधिवक्ता की आवश्यकता होती है। इसी प्रकार विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए भी ठोस उपलब्धियों, प्रमाणों, तर्कों और ईमानदार प्रयासों की आवश्यकता होगी। इस मुकदमे का प्रतिवादी कोई व्यक्ति अथवा राजनीतिक दल नहीं, बल्कि वह यथास्थितिवादी सोच है, जो यह मानकर चलती है कि परिवर्तन सम्भव नहीं है और किसी तर्क, तथ्य अथवा साक्ष्य को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं होती। युवा विधिवेत्ताओं को इस सोच के सामने अपने तर्कों और प्रमाणों के साथ मजबूती से ख ?ा होना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सामान्यत: दीक्षान्त समारोहों में लम्बे और गम्भीर भाषण होते हैं, लेकिन आज वह विद्यार्थियों के जीवन, उनके करियर और विधि के क्षेत्र में उनकी आगामी भूमिका से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों पर बात करना चाहते हैं। केशवानन्द भारती से लेकर पुट्टस्वामी तक अनेक महत्वपूर्ण न्यायिक प्रकरणों में जिन सिद्धान्तों और अधिकारों की चर्चा होती रही है, उन्हें समझना विधि के विद्यार्थियों के लिए अत्यन्त आवश्यक है। दीक्षान्त समारोह केवल उपाधि प्राप्त करने का अवसर नहीं, बल्कि एक नई यात्रा का आरम्भ है झ्र मुख्यमंत्री जी ने कहा कि कुलपति प्रो0 अमर पाल सिंह जी ने अपने दीक्षान्त उपदेश में कहा 'सत्यं वद, धर्मं चर, स्वाध्यायान्मा प्रमदः' अर्थात सत्य बोलो, धर्म का आचरण करो और स्वाध्याय में कभी प्रमाद अथवा आलस्य मत करो। किसी भी अधिवक्ता के लिए इससे अधिक संक्षिप्त और सार्थक कार्य-परिचय नहीं हो सकता। भारत की गुरुकुल और विश्वविद्यालय परम्परा में हजारों वर्षों से शिक्षा पूर्ण करने वाले विद्यार्थियों को यही सन्देश दिया जाता रहा है। विद्यार्थी आज नया गाउन पहनकर उपाधि प्राप्त कर रहे

हैं, लेकिन उनके जीवन का मार्गदर्शन करने वाला यह दीक्षान्त उपदेश हजारों वर्ष पुराना है। शिक्षा पूरी होने पर गुरु अपने शिष्य को जीवन की आगामी यात्रा के लिए यही सीख देते थे कि सत्य का पालन करना है, धर्म के अनुरूप आचरण करना है और अध्ययन में कभी आलस्य नहीं करना है। इन सिद्धांतों को केवल चैम्बर की दीवार पर लिखने के बजाय अपने हृदय में उतारना होगा। मुख्यमंत्री जी ने विकसित भारत-2047 के मुकदमे की ऐतिहासिक यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा कि इसकी पहली महत्वपूर्ण तारीख 15 अगस्त, 1947 है, जब भारत स्वतन्त्र हुआ। स्वतन्त्रता संग्राम और संविधान निर्माण में योगदान देने वाले अनेक सेनानी विधिवेत्ता भी थे। डॉ0 राजेन्द्र प्रसाद जी के नेतृत्व और अध्यक्षता में संविधान निर्माण की प्रक्रिया आगे बढ़ी, जिसमें सरदार वल्लभ भाई पटेल जी, बाबा साहेब डॉ0 भीमराव आम्बेडकर जी सहित अनेक विधिवेत्ताओं ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। स्वतंत्रता केवल राजनीतिक उपलब्धि नहीं थी, बल्कि एक ऐसे राष्ट्र के निर्माण की शुरुआत थी, जिसकी शासन व्यवस्था, संस्थाएं और न्याय प्रणाली संविधान के अनुरूप संचालित हों। वर्ष 2047 में स्वतन्त्रता के 100 वर्ष पूरे होने पर आज के युवा विधिवेत्ताओं को इसी राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी निभानी होगी। इस मुकदमे की दूसरी महत्वपूर्ण तारीख 26 जनवरी, 1950 है, जब भारत का संविधान लागू हुआ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि भारत का प्रत्येक नागरिक, प्रत्येक शासक और प्रत्येक संस्था संविधान से बंधी है। 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' और 'विकसित भारत' की परिकल्पना को साकार करने वाला सबसे महत्वपूर्ण दस्तावेज हमारा संविधान है। शासन, अधिकार, कर्तव्य और संस्थागत व्यवस्था का संचालन इसी के अनुरूप होना चाहिए। संविधान से इतर जाकर किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कार्य करने की स्वतंत्रता नहीं हो सकती। संविधान ही वह आधार है, जो राष्ट्र को एक सूत्र में बांधता है और सभी को कानून के दायरे में रखता है। मुख्यमंत्री जी ने तीसरी महत्वपूर्ण तारीख 25 जून, 1975 का उल्लेख करते हुए आपातकाल के दौर को याद किया। उत्तर प्रदेश के उच्च न्यायालय ने 12 जून को देश की सबसे ताकतवर कुर्सी पर बैठे व्यक्ति के चुनाव को निरस्त किया था और इसके ठीक 13 दिन बाद देश में आपातकाल लागू हुआ। उस समय सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति जस्टिस हंसराज खन्ना ने असहमति व्यक्त की और इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी। लेकिन इतिहास व्यर्थ नहीं जाता। वर्ष 2017 में सर्वोच्च न्यायालय ने जस्टिस हंसराज खन्ना की उस असहमति को सही माना। वर्ष 1975 ने देश को 'रूल ऑफ लॉ' और 'रूलर का लॉ' के बीच का अंतर समझाया। कानून का शासन सर्वोपरि होना चाहिए, न कि किसी शासक की इच्छा। न्यायपालिका की वास्तविक शक्ति इसी में है कि कानून सभी पर समान रूप से लागू हो और किसी भी परिस्थिति में न्याय के सिद्धांतों से समझौता न किया जाए। मुख्यमंत्री जी ने वर्ष 2006 का उल्लेख करते हुए डॉ. राम मनोहर लोहिया के विचारों को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि आज जिस विश्वविद्यालय का पांचवां दीक्षांत समारोह आयोजित हो रहा है, उसका नाम डॉ0 राम मनोहर लोहिया के नाम पर है। डॉ0 लोहिया ने 'राम, कृष्ण और शिव' विषय पर अपने आलेख में भारत के तीन महान स्वप्नों का उल्लेख किया था। वे मंदिर नहीं जाते थे और किसी एक विशिष्ट उपासना पद्धति में विश्वास नहीं करते थे, लेकिन उन्होंने भारत की पूर्णता के तीन महान स्वप्न राम, कृष्ण और शिव को माना। उत्तर प्रदेश में रामायण मेलों की शुरुआत भी डॉ0 राम मनोहर लोहिया ने की थी। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि डॉ0 लोहिया के विचार आज भी जीवन और विधि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण मार्गदर्शन देते हैं। मस्तिष्क शिव जैसा होना चाहिए, जिनमें हिमालय की सर्वोच्च चोटी पर बैठकर साधना करने और श्मशान की राख ओढ़कर भी साधना करने की सामर्थ्य है। शेष पृष्ठ 7 पर

मेरे सम्मानित प्रदेशवासियों,

आप सभी को शक्ति से सृजन के महापर्व शारदीय नवरात्र की महानवमी की हृदय से बधाई एवं विजयादशमी की अनंत शुभकामनाएं। मां दुर्गा का प्रबल पराक्रम और प्रभु श्रीराम का धर्मनिष्ठ जीवन हमें अन्याय के प्रतिकार, नारी-सम्मान तथा कर्तव्यपालन की प्रेरणा देता है। ***अन्यायी एवं अधर्मी चाहे कितने ही शक्तिशाली क्यों न हों, अंततः विजय सत्य और धर्म की ही होती है। विजयादशमी इसी शाश्वत सत्य का प्रतीक है।***

सनातन संस्कृति विजय के उल्लास में विनम्रता और ज्ञान के प्रति सम्मान का भाव भी सिखाती है। लंका विजय के पश्चात प्रभु श्रीराम ने अपने अनुज लक्ष्मण जी को मृत्यु शय्या पर पड़े रावण से ज्ञान प्राप्त करने के लिए भेजा। ***प्रभु श्रीराम ने स्वर्णमयी लंका के वैभव के बजाय जन्मभूमि अयोध्या को वरीयता दी और लंका का राजपाट उसके उत्तराधिकारी को सौंपा। उनके श्रीमुख से निकले शब्द, "जननी जन्मभूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी", मां और मातृभूमि के प्रति प्रेम और कर्तव्यनिष्ठा की प्रेरणा देते हैं।***

विजयादशमी के व्यापक संदेश में आत्मसंयम, समता, शौर्य और कर्तव्यनिष्ठा जैसे मूल्य हमारी विविध धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं में अलग-अलग रूपों में अभिव्यक्त होते हैं। ***प्रभु श्रीराम का जीवन समरसता और सामाजिक एकात्मता का प्रतीक है।*** *रामलीला का मंचन हो या इसे देखने के लिए आने वाले दर्शक, सब बिना किसी भेदभाव के उत्साह के साथ इन उत्सवों में हिस्सा लेते हैं। प्रभु श्रीराम कथा के आदर्श भारतवर्ष तक ही सीमित नहीं हैं, अपितु विश्व के अनेक देशों की सांस्कृतिक परंपराओं में घुलमिल गए हैं। इन आदर्शों की सार्थकता तभी है, जब वे हमारे आचरण और शासन-व्यवस्था में भी प्रतिबिंबित हों।*

मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्रीराम के आदर्शों के अनुरूप हमारी सरकार ने प्रदेश में कानून के शासन और नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। माफिया और संगठित अपराध के विरुद्ध कठोर कार्रवाई कर भयमुक्त वातावरण बनाने की दिशा में निर्णायक कदम उठाए गए हैं। *माफिया के कब्जे से मुक्त कराई गई भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनाए गए हैं। मुझे संतोष है कि इसी क्रम में* ***प्रयागराज के कसारी-मसारी में माफिया के कब्जे से मुक्त भूमि पर गरीबों के लिए आवास बनेंगे। यह क्षेत्र 'श्रीकृष्णपुरी' के रूप में विकसित होगा।*** *अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस की नीति ने कानून के प्रति विश्वास सुदृढ़ करने और निवेश, उद्योग एवं विकास के लिए अनुकूल वातावरण बनाने में योगदान दिया है।*

सुरक्षित एवं समरस समाज के निर्माण के लिए शासन के प्रयासों के साथ जनभागीदारी भी आवश्यक है। ***मेरा आपसे विशेष आग्रह है कि इस विजयादशमी पर अहंकार, अन्याय, भेदभाव और नकारात्मकता रूपी रावण के दहन के साथ नशे की लत, पारिवारिक कलह, जातीय भेदभाव और दहेज-प्रथा जैसी सामाजिक कुरीतियों से मुक्ति का संकल्प भी लें।*** *यदि हमारे आसपास कोई व्यक्ति किसी व्यसन से पीड़ित है, तो उसे तिरस्कार नहीं, सहयोग और संवेदना देते हुए स्वस्थ जीवन अपनाने के लिए प्रेरित करें। सामूहिक संकल्प और जनभागीदारी से ही स्वस्थ परिवार, सशक्त समाज और समृद्ध उत्तर प्रदेश का स्वप्न साकार होगा।*

आपका
योगी आदित्यनाथ

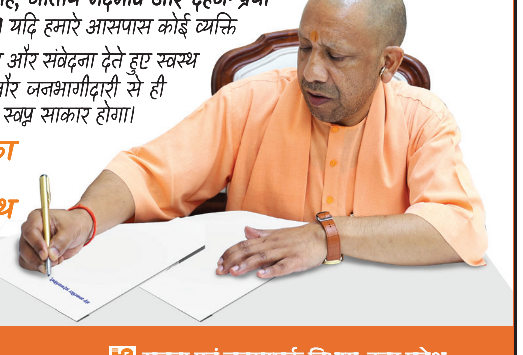

सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उत्तर प्रदेश
UPGovtOfficial CMOUttarpradesh CMOfficeUP
शक्ति से सृजन

•ग्वालियर में बड़ा हादसा

शीतला माता मंदिर जा रहे श्रद्धालुओं को ट्रक ने कुचला, 15 की मौत, 27 घायल

एजेंसी

ग्वालियर। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर में दर्शन के लिए जा रहे श्रद्धालुओं पर शनिवार और रविवार की दरमियानी रात मौत बनकर एक तेज रफ्तार ट्रक टूट पड़ा। चीनौर रोड पर ढलान के पास अनियंत्रित हुए धान से भरे ट्रक ने सड़क किनारे मौजूद श्रद्धालुओं और दुकानों को कुचल दिया। इसके बाद ट्रक मंदिर के प्रवेश द्वार और बाहरी दीवार से जा टकराया। हादसे में 15 लोगों की मौत हो गई, जबकि 26 लोग घायल हुए हैं। मृतकों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल हैं। घायलों में दो पुलिसकर्मी भी हैं। कई घायलों की हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे के बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। पुलिस और प्रशासन की टीमें राहत-बचाव कार्य में जुट गईं। घायलों को अलग-अलग अस्पतालों में भर्ती कराया गया है।

ग्वालियर हादसे पर गृह मंत्रालय ने जताया दुख

नई दिल्ली। मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुए सड़क हादसे पर केंद्रीय गृह मंत्रालय समेत अन्य लोगों ने दुख जताया है। इस घटना में मृतकों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है और 27 लोग घायल हुए हैं, जिनका अस्पताल में इलाज जारी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि ग्वालियर में शीतला माता मंदिर के पास हुआ हादसा अत्यंत दुखद है। इस हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के प्रति उन्होंने संवेदना व्यक्त की। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति और शोकाकुल परिवारों को दुख सहने की शक्ति देने की प्रार्थना की। साथ ही, घायलों को हर संभव चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने और उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों का व्यापार पर असर: 10 दिन में 4400 करोड़ का कारोबार होगा प्रभावित

•कैट का अनुमान

एजेंसी

नई दिल्ली। दिल्ली में विरोध प्रदर्शनों के चलते व्यापारिक गतिविधियों में लंबे समय तक व्यवधान रहा तो रोजाना 440 करोड़ रुपये तक का कारोबार प्रभावित हो सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के मुताबिक, दिल्ली में रोजाना करीब 2,200 करोड़ रुपये का औसत कारोबार होता है। प्रदर्शन के कारण कारोबार में 10 से 20 फीसदी तक व्यवधान आ रहा है इससे 10 दिन में संभावित प्रभावित कारोबार का आंकड़ा 2,200 करोड़ से 4,400 करोड़ रुपये तक पहुंच सकता है।

रोजाना दिल्ली का औसर कारोबार 2200 करोड़

कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीण खंडेलवाल ने स्पष्ट किया है कि ये आंकड़े प्रभावित हो रहे कारोबार के अनुमान हैं। उन्होंने कहा कि त्योहार और शादी के सीजन में बाजारों तक ग्राहकों की आवाजाही प्रभावित होने से बिक्री के साथ माल की आपूर्ति पर भी असर पड़ रहा है। दिल्ली का अनुमानित औसत दैनिक कारोबार लगभग 2,200 करोड़ रुपये का है। उनके अनुसार प्रदर्शनों के कारण यह प्रभाव 10 दिन में चार हजार करोड़ रुपये तक पहुंचेगा। इस लिए प्रदर्शनों का आयोजन निर्धारित जगहों पर ही होना चाहिए ताकि व्यापारिक घाटा न हो। चांदनी चौक के व्यापारी नेता योगेश सिंघल ने बताया कि अक्टूबर से जनवरी तक का समय कारोबारियों के लिए अहम माना जाता है। दशहरा, दिवाली और शादी के सीजन में ज्वेलरी, कपड़े, इलेक्ट्रॉनिक्स और घरेलू सामान की मांग बढ़ती है। ऐसे में जाम, रास्तों में बदलाव और बाजारों तक पहुंचने में परेशानी के कारण ग्राहक खरीदारी टालते हैं तो दुकानदारों की बिक्री प्रभावित हो सकती है।

बिक्री घटने के बावजूद किराया, कर्मचारियों का वेतन, बिजली बिल और अन्य खर्च जारी रहते हैं।

प्रदर्शन, जाम और बदले रास्ते

दिल्ली के कारोबार पर रोजाना 440 करोड़ का असर

सीआईएसएफ का ऐतिहासिक पुनर्गठन: देश के क्रिटिकल इंफ्रास्ट्रक्चर की सुरक्षा को मिलेगी नई धार

नई दिल्ली। देश के अति-संवेदनशील और रणनीतिक प्रतिष्ठानों की सुरक्षा को और अभेद्य बनाने के लिए केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) अपनी प्रशासनिक और ऑपरेशनल व्यवस्था में एक बड़ा और ऐतिहासिक बदलाव करने जा रहा है। गृह मंत्रालय (एमएचए) की मंजूरी के बाद यह नया ढांचा 1 नवंबर 2026 से पूरे देश में लागू हो जाएगा। इस पुनर्गठन का मुख्य उद्देश्य सीआईएसएफ की कमान और निगरानी व्यवस्था को अलग-अलग सेक्टर (जैसे- बिजली, कोयला, स्टील, पेट्रोलियम व प्राकृतिक गैस, बंदरगाह, सरकारी इमारतें, संग्रहालय, स्मारक और मेट्रो) की विशिष्ट सुरक्षा जरूरतों के हिसाब से ढालना है। इससे सुरक्षा तंत्र में विशेषज्ञता आएगी।

'भारत न तो बांग्लादेश, न फ्रांस': एसआईआर पर रिजिजू ने विपक्ष पर साधा निशाना, बोले- हिंसा भड़काने की थी साजिश

एजेंसी

ग्वालियर। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों को लेकर विपक्ष पर गंभीर आरोप लगाए हैं। उन्होंने दावा किया कि भारत में हिंसा भड़काने और युवाओं को उकसाने की साजिश रची गई थी।

रिजिजू ने बांग्लादेश में हुई हिंसक घटनाओं और फ्रांस में दंगों, आगजनी तथा लूटपाट का जिक्र करते हुए कहा कि भारत न तो बांग्लादेश है और न ही फ्रांस। उनके बयान से एसआईआर और सत्ता परिवर्तन को लेकर चल रहा राजनीतिक विवाद फिर चर्चा में

आ गया है। रिजिजू ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में आरोप लगाया कि कुछ नेताओं और भारत विरोधी समूहों ने मिलकर युवाओं को भड़काने तथा सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। उन्होंने कहा कि भारत में सत्ता परिवर्तन संभव है, लेकिन यह चुनाव के जरिए ही हो सकता है।

उन्होंने अपने बयान में जॉर्ज सोरोस का भी जिक्र किया। रिजिजू ने एक वीडियो भी साझा किया, जिसमें ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन (आइसा) की अध्यक्ष नेहा बोरा और वरिष्ठ अधिवक्ता प्रशांत भूषण सत्ता परिवर्तन की बात करते दिखाई देते हैं।

रिजिजू ने बांग्लादेश और फ्रांस का उदाहरण क्यों दिया?

रिजिजू ने अपने बयान में बांग्लादेश में हुई हिंसक घटना और फ्रांस में दंगों, आगजनी तथा लूटपाट का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इसी तरह की स्थिति भारत में पैदा करने की साजिश रची गई थी। उनके मुताबिक, कुछ समूहों और नेताओं ने युवाओं को उकसाकर सड़कों पर हिंसा फैलाने की कोशिश की। हालांकि, ये आरोप रिजिजू ने लगाए हैं। दिए गए विवरण में इन आरोपों के समर्थन में कोई अलग प्रमाण नहीं बताया गया है। मंत्री ने कहा कि भारत में सरकार बदलने का रास्ता चुनाव है, न कि हिंसा या किसी बाहरी व्यक्ति के जरिए सत्ता परिवर्तन। यह विवाद दिल्ली में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शनों के बीच सामने आया है।

नवरात्रि पर गुजरात के श्रीमद राजचंद्र आश्रम पहुंचे गौतम अदाणी, कहा- 'समाज सेवा ही जीवन का मार्गदर्शक सिद्धांत'

एजेंसी

अहमदाबाद। अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी और अदाणी फाउंडेशन की अध्यक्ष डॉ. प्रीति अदाणी ने रविवार को नवरात्रि के अवसर पर दक्षिण गुजरात में श्रीमद राजचंद्र मिशन धरमपुर (एसआरएमडी) का दौरा किया और पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी का आशीर्वाद लिया। इस दौरान, गौतम अदाणी ने कहा कि समाज की सेवा उनके जीवन का एक मार्गदर्शक सिद्धांत है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट में गौतम अदाणी ने लिखा, 'प्रीति और मैंने धर्मपुर के श्रीमद राजचंद्र आश्रम में पूज्य गुरुदेवश्री राकेशजी के साथ कुछ आत्मीय पल बिताए और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान, श्रीमद राजचंद्रजी की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा के चरणों को धोने (चरण प्रक्षालन) का अनुभव अत्यंत भावपूर्ण था।' आगे अदाणी ग्रुप के चेयरमैन ने लिखा कि मुलाकात के दौरान, पूज्य गुरुदेवश्री ने इस बात पर जोर दिया कि साधना (आध्यात्मिक अभ्यास) और सेवा (निस्वार्थ सेवा) साथ-साथ चलते हैं। उन्होंने अपने जीवन, संसाधनों और अवसरों का उपयोग व्यापक भलाई के लिए करने के बारे में भी बात की। गौतम अदाणी और डॉ. प्रीति अदाणी एसआरएमडी के ध्यान और आध्यात्मिक प्रवचन परिसर, 'राज सभागृह' में आयोजित एक सत्संग (सत्य के साथ संगति) में शामिल हुए, जहां पूज्य गुरुदेवश्री ने मानव जीवन के उद्देश्य और आध्यात्मिक साधना के महत्व पर चर्चा की। गौतम अदाणी ने मिशन के युवा सदस्यों से भी बातचीत की, जिनमें विभिन्न शैक्षणिक पृष्ठभूमि वाले पेशेवर और छात्र शामिल थे, जो सामाजिक कार्यों में अपना योगदान दे रहे हैं।

केंद्रीय गृह मंत्री शाह 20 अक्टूबर को पंजाब दौरे पर, नशा पीड़ितों के परिवारों से मिलने का कार्यक्रम

भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने पोस्ट कर बताया

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह 20 अक्टूबर को चुनावी राज्य पंजाब का दौरा करने वाले है। इस दौरान वे राज्य में नशे की समस्या से जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों से मिल सकते हैं। भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने घोषणा कर कहा कि केंद्रीय मंत्री शाह के मानसा और संगरूर जाने की संभावना है।

भाजपा नेता बिट्टू ने एक्स पर शाह के दौरे की जानकारी साझा कर पंजाब में नशे के गंभीर खतरे पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने राज्य को नशे की समस्या से निकालने के लिए निर्णायक कार्रवाई, मजबूत नेतृत्व और दृढ़ संकल्प की आवश्यकता पर जोर दिया। बीजेपी नेता बिट्टू ने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी (आप) की सरकार अपना जनादेश खो चुकी है और लोगों से भाजपा के नशामुक्त पंजाब अभियान का समर्थन करने की अपील की।

पार्टी सूत्रों के अनुसार, केंद्रीय गृहमंत्री शाह मानसा में नशा विरोधी कार्यकर्ता परविंदर सिंह झोटा के परिजनो से मुलाकात करने वाले हैं। जिनकी 13 अक्टूबर को एक मेडिकल स्टोर मालिक ने गोली मारकर हत्या कर दी थी। आरोप है कि झोटा ने एक बुजुर्ग को मादक पदार्थ बेचने पर सवाल उठाया था। झोटा के परिजन अभी भी न्याय की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रहे हैं और उनके शव का अंतिम संस्कार नहीं हुआ है।

इस तरह, केंद्रीय मंत्री शाह संगरूर जिले के दिड़बा में गुलजार सिंह के परिवार से भी मिलने वाले हैं। जिन्होंने 7 सितंबर को आत्महत्या की थी। परिवार ने आरोप लगाया है कि उन्हें इलाके में नशीले पदार्थों की आपूर्ति को लेकर पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा से सवाल करने पर परेशान किया और जातिसूचक टिप्पणियां की गईं।

केंद्रीय मंत्री शाह ने 16 अक्टूबर को कहा था कि केंद्र इन दोनों घटनाओं को लेकर राज्य सरकार से जवाब मांगेगी। यह 20 दिन के भीतर शाह का पंजाब का दूसरा दौरा होगा। इसके पहले, 30 सितंबर को उन्होंने जालंधर में भाजपा की नशा मुक्त पंजाब यात्रा के समापन पर रैली को संबोधित किया था। उस दौरान उन्होंने आप सरकार पर चिट्टा (सिंथेटिक नशीले पदार्थ) के कारोबार को बढ़ावा देने का आरोप लगाया था। शाह ने वादा किया था कि यदि भाजपा 2027 के विधानसभा चुनाव में सत्ता में आती है, तब दिसंबर 2029 तक पंजाब को नशामुक्त बना दिया जाएगा। उन्होंने जालंधर दौरे में भी नशे से प्रभावित कुछ परिवारों से मुलाकात की थी। पंजाब में अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव होने हैं, इसके बाद भाजपा सहित विभिन्न राजनीतिक दल नशे की समस्या को लगातार प्रमुखता से उठा रहे हैं।

अभिजीत अड़िग हैं सीईसी के इस्तीफे की मांग पर, कहा– न डरेंगे, न पीछे हटेंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दीपके मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आंदोलन जारी रखने पर अड़िग हैं। उन्होंने कहा है, कि दोनों साथी न्यायिक हिरासत से वापस आ जाएं उसके बाद सभी लोग एक साथ बैठकर आगे की रणनीति तय करेंगे। दीपके ने आरोप लगाया कि गिरफ्तारियों और हिरासत के जरिए आंदोलन से जुड़े लोगों को डराने की कोशिश की जा रही है, लेकिन इससे उनका हौसला कम नहीं होगा। सीजेपी नेता आशुतोष रांका और सौरव दास की रिहाई पर फैसला आने से पहले अभिजीत दीपके ने हाल के घटनाक्रम पर चिंता जताई। उन्होंने कहा कि आंदोलन से जुड़े लोगों की गिरफ्तारी और हिरासत जैसे मामले गंभीर हैं। उनके मुताबिक, इन कार्रवाइयों का उद्देश्य आंदोलनकारियों पर दबाव बनाना है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि इस तरह की कार्रवाई से वे अपने कदम पीछे नहीं खींचेंगे। दीपके ने कहा, 'हम न तो डरेंगे और न ही पीछे हटेंगे। यह एक लंबी लड़ाई है और हम इसके लिए पूरी तरह तैयार हैं।' उनके बयान से संकेत मिलता है कि मौजूदा घटनाक्रम के बावजूद सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त के इस्तीफे की मांग को लेकर अपना अभियान जारी रखने के पक्ष में है।

गोवा में सीजेपी के प्रदर्शन में हिंदुत्व मुर्दाबाद नारों पर एफआईआर

पणजी (एजेंसी)। गोवा में विपक्षी कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के विरोध प्रदर्शन के दौरान मुर्दाबाद, मुर्दाबाद, हिंदुत्व मुर्दाबाद जैसे कथित हिंदू विरोधी नारे लगाने के आरोप में 300 प्रदर्शनकारियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। पणजी पुलिस ने 11 अक्टूबर को हुए प्रदर्शन को लेकर भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 की धारा 196 और 299 के तहत मामला दर्ज किया है। पणजी के पुलिस इंस्पेक्टर विजयकुमार चोडनकर ने इसकी पुष्टि कर बताया कि इन नारों से धार्मिक असंतोष फैला और जानबूझकर हिंदू समुदाय की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाई गई। सीजेपी मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर प्रदर्शन कर रही थी। उनका आरोप है कि एसआईआर (एसआईआर) में हेराफेरी की गई है और देश की मतदाता सूची से नाम हटाए गए हैं। इस घटना पर गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कड़ी प्रतिक्रिया देकर कहा है कि राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव बिगाड़ने की किसी भी कोशिश को बर्दाश्त नहीं होगी और इसकी जांच की जा रही है। तलेइगाओ निवासी रामप्रसाद केलकर ने सोशल मीडिया पर वायरल हुए 11 अक्टूबर के विरोध प्रदर्शन के एक वीडियो के आधार पर एफआईआर दर्ज कराई। केलकर ने अपनी शिकायत में कहा कि सीजेपी को प्रदर्शन की अनुमति नॉर्थ गोवा कलेक्टर द्वारा खारिज कर दी गई थी, लेकिन इसके बावजूद प्रदर्शनकारियों ने हिंदू विरोधी नारे लगाए, जिससे समाज में शांति और सद्भाव भंग करने की कोशिश की गई। इसी प्रदर्शन के दौरान जिला प्रशासन की अनुमति न होने के बावजूद आजाद मैदान में घुसने पर पुलिस ने सात प्रदर्शनकारियों को हिरासत में लिया था, जिन्हें बाद में बॉम्बे हाईकोर्ट में एक याचिका पर सुनवाई के बाद देर शाम रिहा कर दिया गया था।

राखी सावंत के खिलाफ गैर-जमानती वारंट: 16 साल पुराने मामले में मुश्किल बढ़ी

झांसी (एजेंसी)। बॉलीवुड अभिनेत्री राखी सावंत के लिए एक पुरानी मुश्किल फिर खड़ी हो गई है। झांसी की एक जिला अदालत ने उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी किया है। यह मामला 16 साल पुराना है और एक इसतरह के व्यक्ति की कथित आत्महत्या से जुड़ा है, जो नवंबर 2010 में राखी सावंत के टीवी शो राखी का इंसाफ में शामिल हुआ था। अदालत ने राखी के कई बार बुलाने के बावजूद पेश न होने पर यह वारंट जारी किया है।

प्रेम नगर, झांसी निवासी लक्ष्मण अहिरवार नामक यह व्यक्ति अपनी पत्नी के साथ वैवाहिक विवाद सुलझाने के लिए शो में आया था। आरोप है कि शो के दौरान राखी ने लक्ष्मण को नामर्द कहकर संबोधित किया था। इस घटना के बाद लक्ष्मण ने कथित तौर पर आत्महत्या कर ली थी। जिला सरकारी वकील (अपराध) मृदुल कांत श्रीवास्तव ने बताया कि फास्ट ट्रैक कोर्ट के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश ने वारंट जारी किया है। इस मामले की अगली सुनवाई 1 दिसंबर को निर्धारित की गई है।

मधेपुरा गांव का बड़ा फैसला: नशा बेचा या किया तो लगेगा 25 हजार रुपये का जुर्माना

मधेपुरा, एजेंसी। बिहार के मधेपुरा गांव वालों ने सिर्फ नशा बेचने वालों को ही नहीं, नशा करने वालों को भी चेतावनी दी है। पंचायत की बैठक में तय हुआ कि अगर कोई नशा करते या बेचते पाया गया तो उस पर 25 हजार रुपए का सामाजिक जुर्माना लगाया जाएगा। इसके बाद प्रशासन को सूचना दी जाएगी, ताकि कानून के मुताबिक कार्रवाई हो सके। ग्रामीणों ने यह संकल्प भी लिया कि अगर कोई नशे के मामले में जेल जाता है, तो उसके परिवार वाले उसकी जमानत नहीं कराएंगे। यह फैसला मधेपुरा सदर प्रखंड की सहुगढ़ पंचायत में लिया है।

जानकारी के मुताबिक सहुगढ़ के स्कूल परिसर में पंचायत प्रतिनिधियों और ग्रामीणों की बैठक हुई। बैठक की अध्यक्षता मुखिया मुकेश कुमार ने की। इसमें वर्तमान और पूर्व मुखिया समेत दोनों पंचायतों के प्रतिनिधि और ग्रामीण शामिल हुए। सभी ने मिलकर सहुगढ़ को नशामुक्त बनाने का संकल्प लिया। अब सवाल है कि पंचायत ने ऐसा फैसला क्यों लिया? इसे लागू कैसे किया जाएगा? और 25 हजार रुपए का जुर्माना लगाने या जमानत नहीं कराने का फैसला कितना कानूनी है?

ग्रामीणों का कहना है कि नशे के खिलाफ सिर्फ चर्चा करने से काम नहीं चलेगा, बल्कि गांव के लोगों को मिलकर इस पर रोक लगाने की कोशिश करनी होगी! बैठक में मौजूद ग्रामीण प्रतिनिधि ने कहा कि वर्तमान मुखिया, पूर्व मुखिया और गांव के लोगों ने साथ बैठकर यह फैसला लिया गया है उनका कहना था कि आज से सहुगढ़ में नशा बंद कराने की दिशा में सामूहिक कोशिश की जाएगी। नियम तोड़ने वालों पर जुर्माना लगेगा।

इस फैसले का दूसरा हिस्सा और भी खास है। ग्रामीणों ने कहा है कि अगर नशे के मामले में पकड़ा गया कोई व्यक्ति जेल जाता है, तो उसके परिजन उसकी जमानत कराने के लिए आगे नहीं आएंगे। पंचायत के लोगों को उम्मीद है कि जुर्माने और सामाजिक बहिष्कार जैसी चेतावनी से नशे के खिलाफ माहौल बनाया जा सकेगा।

कांग्रेस ने सीईसी ज्ञानेश कुमार को हटाने और एसआईआर को रोकने की मांग की

नई दिल्ली, एजेंसी। निर्वाचन आयोग द्वारा राजनीतिक दलों को 'पढ़ने योग्य' प्रारूप में मतदाता सूची उपलब्ध कराने के फैसले के बीच कांग्रेस ने मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को तत्काल रोकने की अपनी मांग को दोहराया। कांग्रेस ने 'वोट चोरी' के खिलाफ देश भर में हुए विरोध प्रदर्शनों का परिणाम बताया है।

पार्टी महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस पार्टी बीते दो वर्ष से निर्वाचन आयोग से डिजिटल प्रारूप में मतदाता सूचियां उपलब्ध करने की मांग कर रहे थे, हमारी इस सही मांग को आयोग हर बार ठुकराता रहा। कांग्रेस नेता रमेश ने बताया कि 2018 में जब कांग्रेस ने मध्य प्रदेश में लाखों फर्जी मतदाता पकड़े थे, तभी चुनाव आयोग ने 'डिजिटल' मतदाता सूचियां देना बंद किया था, जिससे 'वोट चोरी' को संभव बनाया जा सके। उन्होंने मौजूदा फैसले को वोट चोरों के खिलाफ सड़कों पर उतरे पूरे देश की जीत बताया।

रमेश ने आरोप लगाया कि सीईसी ज्ञानेश कुमार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के निर्देशों पर काम कर रहे हैं, जिससे निर्वाचन आयोग पर जनता का भरोसा पूरी तरह खत्म हुआ है। उन्होंने कहा कि ज्ञानेश कुमार को पद छोड़ना होगा, लेकिन यह पर्याप्त नहीं होगा, बल्कि निर्वाचन आयोग और उसकी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) प्रणाली में पूर्ण बदलाव आवश्यक है। कांग्रेस ने एसआईआर को तुरंत रोकने की मांग की, यह चेतावनी देकर कि यह 13 करोड़ से अधिक भारतीयों के मतदान के संवैधानिक अधिकार को खतरे में डाल सकता है।

ज्ञात हो कि निर्वाचन आयोग ने अगले साल की शुरुआत में विधानसभा चुनाव वाले राज्यों सहित 17 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में मतदाता सूचियों के वार्षिक विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) का आदेश दिया है, जिसकी अंतिम सूचियां 4 जनवरी को प्रकाशित की जाएंगी।

दुशांबे में एससीओ बैठक: राजनाथ सिंह करेंगे भारत का प्रतिनिधित्व

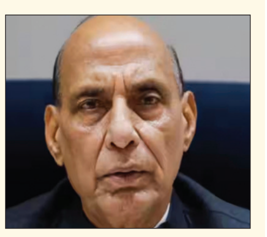

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह 19-20 अक्टूबर को ताजिकिस्तान के दुशांबे में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की शासनाध्यक्ष परिषद की 25वीं बैठक में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाले है। मोदी सरकार द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, महत्वपूर्ण बैठक का मुख्य उद्देश्य एससीओ सदस्य देशों के बीच बहुपक्षीय सहयोग को बेहतर करना है। विशेष रूप से व्यापार, अर्थव्यवस्था, निवेश, संपर्क, नवाचार और संस्कृति जैसे क्षेत्रों में गहन चर्चा होगी। रक्षा मंत्रालय ने बताया कि भारत एससीओ की विभिन्न व्यवस्थाओं में सक्रिय रूप से भाग ले रहा है और क्षेत्रीय सहयोग में लगातार योगदान दे रहा है। भारत विशेषकर स्टार्टअप और नवाचार, डिजिटल सार्वजनिक बुनियादी ढांचे तथा लोगों के बीच आपसी संपर्क जैसे क्षेत्रों में पहल के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा दे रहा है। बैठक में जारी सहयोग पहलों की प्रगति की समीक्षा होगी और संगठन के वित्तीय व संस्थागत कामकाज से जुड़े निर्णयों पर विचार होगा।

पंजाब के किसानों ने 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का किया ऐलान

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में किसान फिर आंदोलन की तैयारी में है। किसानों की ओर से 7 दिसंबर को चंडीगढ़ में पक्का मोर्चा लगाने का ऐलान किया है। किसान नेता सरवन सिंह पंधेर के संगठन ने चंडीगढ़ कूच करने का ऐलान किया है। पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई दौर की बैठकें होने के बावजूद उनकी मांगें नहीं मानी गई हैं। किसानों के इस ऐलान के बाद अब सबकी नजर 7 दिसंबर पर टिकी है। देखना होगा कि इससे पहले सरकार और किसान संगठनों के बीच कोई सहमति बनती है या किसान चंडीगढ़ में अपना मोर्चा खोलते हैं। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक किसान नेता पंधेर का कहना है कि सरकार के साथ कई बैठकें होने के बावजूद उनकी मांगें अभी तक पूरी नहीं हुई हैं। इसी के विरोध में किसानों ने चंडीगढ़ में धरना लगाने का फैसला किया है। किसानों की प्रमुख मांगों में 5 फसलों पर न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी देना शामिल है। किसान संगठनों का कहना है कि फसलों के उचित दाम और अन्य मांगों को लेकर वे लंबे समय से सरकार के सामने आवाज उठा रहे हैं, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है।

बाजा कैलिफोर्निया तट पर नौका हादसा: 11 लापता, 16 बचाए गए

बाजा (एजेंसी)। बाजा कैलिफोर्निया तट के पास समुद्र में एक नौका पलटने से 11 लोग लापता हो गए हैं। इस हादसे में शुक्रवार को 16 लोगों को बचाया गया, जिसमें मैक्सिको के नागरिक शामिल हैं। बचाए गए लोगों में एक व्यक्ति शार्क के काटने से घायल हो गया था, जिसका इलाज जारी है। जीवित बचे लोगों ने अधिकारियों को बताया कि नौका पर कुल 27 लोग सवार थे। अमेरिकी तटरक्षक बल, नौसेना और मैक्सिको की नौसेना लापता लोगों की तलाश में जुट गई है। कई विमानों और नौकाओं से समुद्र में व्यापक तलाशी अभियान चलाया जा रहा है। तटरक्षक बल के अनुसार, यह घटना तस्करों के अक्सर सक्रिय रहने वाले क्षेत्र में हुई, लेकिन अमेरिकी जलक्षेत्र में नहीं। तटरक्षक बल के चार्ली वैलोर ने शनिवार को कहा, हम मदद कर सकते थे और इसी वजह से हमने अपने संसाधनों को इस अभियान में लगाया। शनिवार को एक अतिरिक्त हेलीकॉप्टर भी अभियान में लगाया जाएगा।

कोलकाता के चोरबागान में भगदड़ के बाद कड़े कदम: 19 मौतों पर प्रशासन अलर्ट

मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की राजधानी कोलकाता के चोरबागान में दुर्गा पूजा पंडाल में हुई भीषण भगदड़ के बाद प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड में है, जिसमें 19 लोगों की दर्दनाक मौत हुई है। मरने वालों में 13 महिलाएं शामिल हैं, और हादसे ने कई परिवारों को गहरे सदमे में डाल दिया है। भगदड़ के मद्देनजर, कोलकाता पुलिस ने चोरबागान पंडाल के आसपास और उत्तर व मध्य कोलकाता के कुछ सटे इलाकों में बीएनएसएस की धारा 163 लागू कर दी है। इसके तहत कार्यक्रम स्थल के पास सड़कों पर लोगों के एकत्रित होने पर पूरी तरह से रोक है। यह प्रतिबंध 20 अक्टूबर तक प्रभावी रहेगा।

पश्चिम बंगाल के अग्निशमन मंत्री कौशिक चौधरी ने घटनास्थल का दौरा कर स्थिति का जायजा लेकर बताया कि हालात पर नजर रखने के लिए एक कंट्रोल रूम भी स्थापित किया है। स्वयं मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी भी स्थिति पर बारीकी से नजर रखे हुए हैं और जल्द ही उच्चस्तरीय बैठक करने वाले हैं। हादसे के तुरंत बाद घटनास्थल को सील किया गया है, जहां फोरेंसिक टीम, पुलिस और दमकल विभाग के अधिकारी जांच कर रहे हैं। पुलिस और अग्निशमन अधिकारी अब दूसरे दुर्गा पूजा पंडालों में भी सुरक्षा-व्यवस्था की जांच कर रहे हैं ताकि ऐसी घटना फिर न हो।

मामले में अब तक सात लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है, जिनसे घटना के कारणों का पता लगाने के लिए पूछताछ जारी है। एक अधिकारी ने बताया कि लापरवाही सामने आने पर कानून के मुताबिक कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने इस दर्दनाक घटना पर सख्त से सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। हादसे में जान गंवाने वाले 19 लोगों में महिलाओं और बच्चों की संख्या सबसे अधिक है, जो घटना की भयावहता को दिखाता है। सुवेंदु सरकार ने मृतकों के परिजनों के लिए 25 लाख रुपये के मुआवजे और एक सरकारी नौकरी का ऐलान किया है। वहीं, घायलों को मुफ्त इलाज के साथ 5-5 लाख रुपये का मुआवजा देने की घोषणा की गई है। प्रधानमंत्री ने भी मृतकों के परिवारों के लिए आर्थिक मुआवजे का ऐलान किया है, जिससे पीड़ित परिवारों को कुछ राहत मिल सके।

छेड़खानी पर पप्पू यादव का बड़ा ऐलान: हाथ काटो, 2 लाख पाओ

मधेपुरा, एजेंसी। बिहार में महिलाओं के खिलाफ बढ़ती घिनौनी वारदातों के बीच, पूर्णिया के निर्दलीय सांसद और जन अधिकार पार्टी (लोकतांत्रिक) के प्रमुख पप्पू यादव ने एक बड़ा और विवादास्पद ऐलान कर दिया है। उन्होंने कहा है कि लड़कियों से छेड़छाड़ करने वाले किसी भी व्यक्ति का हाथ काट कर लाने वाले को वे 2 लाख रुपये का इनाम दूंगा। यह घोषणा उन्होंने दुर्गा पूजा के मौके पर मधेपुरा में आयोजित खुद़ी महोत्सव के मंच से की।

सांसद यादव ने कहा, बेटी की तरफ हाथ उठाने वालों के हाथ को काट कर लाइए और पप्पू यादव से 2 लाख रुपया इनाम लीजिए। मैं आपको वादा करता हूं कि जो भी बेटी को छेड़ता है उस दंड दीजिए और आकर पप्पू यादव से तुरंत 2 लाख रुपया लीजिए। उन्होंने कहा कि बेटी और मां के सवाल पर कोई समझौता नहीं होगा, चाहे अपराधी किसी भी विचार या धर्म का क्यों न हो। उन्होंने स्पष्ट किया कि महिलाओं की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं होगा और प्रभावशाली आरोपियों को भी बख्शा नहीं जाएगा। हालांकि, उन्होंने जोड़ा कि छेड़खानी करने वालों पर कानून के तहत कार्रवाई होनी ही चाहिए।

यह बयान बिहार के जमुई, बांका, समस्तीपुर और मुजफ्फरपुर जैसे जिलों में युवतियों से हैवानियत के कई वीडियो वायरल होने के बाद आया है, जिन्होंने राज्य की छवि को नुकसान पहुंचाया था। पुलिस ने इन मामलों में कई आरोपियों को गिरफ्तार किया था, और जमुई कांड के एक आरोपी का हाफ एनकाउंटर भी किया था। इन घटनाओं पर सभी राजनीतिक दलों ने चिंता व्यक्त करते हुए अपराधियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की थी। पप्पू यादव खुद़ी महोत्सव का उद्घाटन करने पहुंचे थे, इस इंसानियत, सामाजिक सद्भाव और आपसी भाईचारे का प्रतीक बताया जाता है। उन्होंने मंच से देश की अर्थव्यवस्था और लोकतंत्र पर भी केंद्र सरकार की आलोचना की, लेकिन उनके मुख्य संदेश का केंद्रबिंदु महिलाओं की सुरक्षा और छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ उनकी कड़ी चेतावनी थी।

महाराष्ट्र सूखा संकट: अधिकारी, नेता और सरकार बने किसानों का सहारा

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र के कई हिस्से इस समय गंभीर जल संकट और भीषण सूखे की मार झेल रहे हैं, इससे राज्य के किसानों की आर्थिक स्थिति बेहद दयनीय हो गई है। इस विकट स्थिति में किसानों को राहत पहुंचाने के लिए प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि और राज्य सरकार, सभी एकजुट होकर सामने आए हैं।

राज्य के वरिष्ठ आईएएस और आईपीएस अधिकारियों ने संकट से जूझ रहे किसानों की सहायता करने का संकल्प लिया है। इसके तहत, सभी अधिकारी अक्टूबर 2026 के अपने एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में दान करने वाले हैं। इस संबंध में अधिकारियों के संगठन की ओर से राज्य सरकार को आधिकारिक पत्र भी सौंपा जा चुका है, जो उनके एकजुट समर्थन को दर्शाता है। जनप्रतिनिधि भी इस राहत कार्य में अपना योगदान दे रहे हैं। चिपलून-संगमेश्वर विधानसभा क्षेत्र के विधायक शेखर निकम ने अपने एक महीने के मूल वेतन का चेक उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को सौंप दिया है। वहीं, विधायक रोहित पवार ने महायुति सरकार से यह मांग की है कि सूखा प्रभावित किसानों को प्रति हेक्टेयर कम से कम 50,000 रुपये और कृषि मजदूरों को तत्काल प्रभाव से 25,000 रुपये की सीधी वित्तीय सहायता प्रदान करें, ताकि वे इस मुश्किल समय में कुछ राहत पा सकें।

महाराष्ट्र सरकार के राहत और पुनर्वास विभाग ने 14 अक्टूबर, 2026 को राज्य के 305 तालुकों को आधिकारिक तौर पर सूखा प्रभावित घोषित किया है। प्रभावित किसानों को राहत पहुंचाने के लिए महायुति सरकार ने कई महत्वपूर्ण रियायतों का ऐलान किया है। इसमें सूखा प्रभावित क्षेत्रों के किसानों को भू-राजस्व से पूरी तरह से छूट, फसल ऋणों का पुनर्गठन और सभी प्रकार के कृषि ऋणों की वसूली पर तत्काल रोक शामिल है। इसके अतिरिक्त, कृषि पंपों के मौजूदा बिजली बिलों पर विशेष छूट दी जाएगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि सूखा प्रभावित क्षेत्रों के छात्रों की परीक्षा फीस भी माफ की गई है, ताकि आर्थिक तंगी के कारण किसी भी बच्चे की पढ़ाई प्रभावित न हो। यह सामूहिक प्रयास संकटग्रस्त किसानों और उनके परिवारों को उम्मीद और समर्थन प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

हथियारबंद बदमाशों ने घर में घुसकर दंपती को बंधक बनाकर की डकैती

हथीन। शहर के खारिया कॉलोनी में हथियारबंद बदमाशों ने एक घर में घुसकर दंपती को बंधक बनाकर डकैती को अंजाम दिया। बदमाश नकदी व जेवरात लूटकर फरार हो गए। पीड़ित सन्नी निवासी वार्ड नंबर 10, खारिया कॉलोनी ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि 21 अप्रैल को उसके परिवार के अन्य सदस्य मनोना धाम, बरेली (उत्तर प्रदेश) गए हुए थे। घर पर वह और उसकी पत्नी हेमलता ही मौजूद थे। पीड़ित के अनुसार 22 और 23 अप्रैल की दरम्यानी रात करीब दो बजे 8–10 अज्ञात बदमाश लाठी–डंडों व हथियारों के साथ जबरन घर में घुस आए। बदमाशों ने दंपती को बंधक बना लिया और घर में रखे करीब 8 हजार रुपये नकद, सोने का मंगलसूत्र, कानों के टॉप्स और चांदी की पाजेब लूट ली। जाते समय आरोपियों ने किसी को जानकारी देने पर जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद पीड़ित किसी तरह कमरे से बाहर निकला और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया। पुलिस ने सन्नी की शिकायत पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता तथा आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी नरेश ने बताया कि आरोपियों की पहचान के प्रयास किए जा रहे हैं और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है।

PUBLIC NOTICE

GENERAL PUBLIC IS HEREBY INFORMED THAT BACK CHAIN OF "PLOT AREA MEASURING 200 SQ. YARDS, I.E, 167.22 SQ. METERS, OUT OF KHASRA NO. 205, SITUATED IN VILLAGE DEVLA, PARGANA & TEHSIL DADRI DISTRICT GAURAM BUDH NAGAR, U.P" I.E. ORIGINAL SALE DEED DATED 08.06.2017 EXECUTED BY MR. SHIV KUMAR SHARMA IN FAVOUR OF MRS. KUSUM DEVI IN RESPECT OF THE SAID PROPERTY (DOC NO 7657, BOOK NO.1, VOL NO 10558, PAGES 101-130 DATED 08.06.2017.SR DADRI) HAS BEEN LOST BY THE CURRENT OWNER MR. DINESH SINGH AND IN THIS REGARD MR. DINESH SINGH HAD LODGED ONLINE LOST REPORT VIDE LR NO. 720812/2026 ON DT. 14.10.2026 AND SAID OWNER MR. DINESH SINGH PURCHASED THE SAID PROPERTY VIDE GIFT DEED DT. 31.05.2024 EXECUTED BY MRS. KUSUM DEVI. NOW MR. DINESH SINGH WANTS TO TAKE LOAN AGAINST THE SAID PROPERTY FROM TRU HOME FINANCE LIMITED. PLEASE SUBMIT THE SAID ORIGINAL SALE DEED IF FIND BY ANY PERSON. ALSO PLEASE CONTACT WITH WRITTEN OBJECTION LETTER WITH RELEVANT DOCUMENTS WITH UNDERSIGNED IF HAVING ANY OBJECTION IN RESPECT OF SAID PROPERTY/SALE DEED WITHIN 10 DAYS OF THIS PUBLICATION. ITS USE BY ANYONE IS ILLEGAL.

ADITYA VERMA, ADVOCATE
E-16, 1ST & 2ND FLOOR, E-BLOCK, MANSAROVAR PARK, SHAHDARA, DELHI-110032.
MOBILE NO. 9999042521 / 9958996685.

NAME CHANGE

I, PALLA ALAYA, Spouse of No-8039468F Rank Pnr (GD) Name MOREPPAGARI NARENDAR REDDY presently residing at VILL-TALAMARLA, POST- TALAMARLA, TEH-KOTHACHERUVU, DIST- ANANTAPUR (AP) have changed my Name from PALLA ALAYA to MOREPPAGARI ALAYA REDDY vide Affidavit No IN-AP95844530399780Y dated 18 Jun 2026.

NAME CHANGE

I Narendera Kumar S/o Shri Pal Singh R/o 630, BLOCK-C-1, HARSH VIHAR, NAND NAGRI, NCT OF DELHI, 110093 have changed my name to Narendra Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Mansi Gandhi W/O Prateek Oberoi R/O Flat No-2203 Tower A-2 Cleo County,plot No-Gh-05, Sector121, Noida, Gautam Budh Nagar, 201309 Have Changed My Name to Mansi Oberoi for All Future Purposes.

NAME CHANGE

I, RAMESH, is legally father of Army No. JC 461546K, Rank - SUB, Name - CHAVAN UMESH RAMESH, presently residing at Vill - Ambewadi, Post - Shirashi, Tal - Shirala, Dist - Sangli, State - Maharashtra, Pin - 415408, have changed my name from RAMESH to RAMESH DHONDIBA CHAVAN and date of birth from 12/07/1949 to 01/06/1949 for all future purposes. Vide affidavit dated 17/10/2026 before Public Notary, Delhi.

NAME CHANGE

I RATAN PRABHA, LEGALLY MOTHER OF ARMY NO JC 294009P, RANK NB/SUB, NAME GHADAGE VIJAYAKUMAR PRALHAD, PRESENTLY RESIDING AT SIRASAVADI, POST. - SIRASAVADI, TEH - KHATAV, DIST. - SATARA STATE. MAHARASHTRA, PIN - 415506.HAVE CHANGED MY NAME FROM RATAN PRABHA TO RATNABAI PRALHAD GHADGE FOR ALL FUTURE PURPOSES, VIDE AFFIDAVIT DATED 17/10/2026 BEFORE NOTARY DELHI.

NAME CHANGE

I, Tabassum Rehman R/o H.No.B-220/11, Street No.19, Subhash Mohalla, North Ghonda, Delhi-110053 have changed my name to Tabassum.

NAME CHANGE

I, Anupam Kumar S/o Subhash Chand Sharma R/o E-223, Gali No.9, Block-E, Khajoori Khas, Delhi-110094 have changed my name to Anupam Sharma.

कौमी पत्रिका

संपादक–गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए–4/ए–144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011–41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No.
UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

NAME CHANGE

I, Mohit, S/O Yaduvansh Mathur, R/O 57 D PD Block 3rd Floor, Near N D Market, Pitampura, Delhi- 110034 have changed my name to Mohit Mathur for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्रीमती सरिता चौधरी (पत्नी श्री सतीश पाल सिंह), खेत नंबर 118 में से 119.16 वर्ग गज (Sq. Yds.) क्षेत्रफल वाले आवासीय भूखंड (प्लॉट) की मालकिन हैं। यह अधिकार उन्हें 03.04.1999 की सेल डीड (बिक्री विलेख) से प्राप्त हुआ है, जो SRO– बुलंदशहर कार्यालय में दस्तावेज़ संख्या 1227 (बुक नंबर 1, वॉल्यूम नंबर 2697, पृष्ठ 395–398) के रूप में 03.04.1999 को पंजीकृत की गई थी। संपत्ति की इस श्रृंखला में, 03.04.1999 की मूल सेल डीड खो गई है, जिसके संबंध में 16.10.2026 को एक ऑनलाइन FIR (LR नंबर- 725632/2026) दर्ज कराई गई है। इसके बाद चकबंदी (भूमि चकबंदी) की प्रक्रिया हुई, जिसके तहत पुराना खसरा नंबर 118 मिन (Min) बदलकर नया खसरा नंबर 247 क (Ka) हो गया। तत्पश्चात, श्रीमती सरिता चोधरी (पत्नी श्री सतीश पाल सिंह) ने श्रीमती शशि और श्रीमती उमेश सिंह के माध्यम से M/s UDS कंस्ट्रक्शन के पक्ष में 22.10.2021 को एक सेल डीड निष्पादित की, जो दस्तावेज़ संख्या 7091 के रूप में पंजीकृत है। इसके बाद, M/s UDS कंस्ट्रक्शन ने (श्रीमती शशि और श्रीमती उमेश सिंह के माध्यम से) श्री ललित कुमार (पुत्र श्री फकीरचंद) के पक्ष में 24.03.2023 को एक सेल डीट निष्पादित की, जो दस्तावेज़ संख्या 2260 के रूप में पंजीकृत है। इस प्रकार, श्री ललित कुमार 119.16 वर्ग गज क्षेत्रफल वाले उस भूखंड पर बने आवासीय मकान (जिस पर G+1 संरचना मौजूद है) के मालिक बन गए हैं। उत्तर प्रदेश के जिला बुलंदशहर (तहसील बुलंदशहर, परगना बरन) के गाँव गौखेरा में स्थित, पुराने खेत नंबर 118 और नए खेत नंबर 24–7 क की संपत्ति, जिसे कैप्रि ग्लोबल कैपिटल लिमिटेड (CGCL) द्वारा फाइनेंस किया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि इस संपत्ति पर किसी का कोई दावा, अधिकार, हक या किसी प्रकार का विवाद है, तो कृपया इस सूचना के जारी होने के 07 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।

Rahul Raj, Advocate,
SGRR Associates LLP
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL: sgrrassociatesllp@gmail.com
Ph: 8130309204

NAME CHANGE

I SANDHYA BHARAT KALE, LEGALLY WIFE of ARMY NO JC 294009P, RANK NB/SUB, NAME GHADAGE VIJAYAKUMAR PRALHAD, PRESENTLY RESIDING AT SIRASAVADI, POST. - SIRASAVADI, TEH - KHATAV, DIST. - SATARA, STATE. MAHARASHTRA, PIN - 415506 HAVE CHANGED MY NAME FROM SANDHYA BHARAT KALE TO SANDHYA VIJAY GHADGE FOR ALL FUTURE PURPOSES, VIDE AFFIDAVIT DATED 17/10/2026 BEFORE NOTARY DELHI.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANISH KUMAR GARG S/O MANGERAM GARG R/O 197, A.G.C.R Enclave, Delhi, Dist: East Delhi, Delhi-110092 declare that name of mine has been wrongly written as MANISH GARG in my minor daughter namely VANSHIKA GARG aged 14 years in her School Records and Birth Certificate No-MCDOLIR-0112-005082447. The actual name of mine is MANISH KUMAR GARG which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as Hemlata Devi W/O: Bijendra, R/O 126, Sirsali, Baghpat, Uttar Pradesh, 250645, have changed my name and shall hereafter be known as OMLATA .

NAME CHANGE

I WAZEER AHMED S/O AMEER AHMED R/O V-120 STREET NO-21 B VIJAY PARK MOUJPUR NORTH EAST DELHI 110053 HAVE CHANGED NAME TO MY MINOR SON MOHD SAAD AHMED AND HE SHALL HERE AFTER BE KNOW AS MOHD SAAD

NAME CHANGE

I SWETA VIJAY GHADAGE, LEGALLY DAUGHTER OF ARMY NO JC 294009P, RANK NB/SUB, NAME GHADAGE VIJAYAKUMAR PRALHAD, PRESENTLY RESIDING AT SIRASAVADI, POST. - SIRASAVADI, TEH - KHATAV, DIST. - SATARA STATE. MAHARASHTRA, PIN - 415506.HAVE CHANGED MY NAME FROM SWETA VIJAY GHADAGE TO SHWETA VIJAY GHADAGE FOR ALL FUTURE PURPOSES, VIDE AFFIDAVIT DATED 17/10/2026 BEFORE NOTARY DELHI.

DATE OF BIRTH CHANGE

I RATNABAI PRALHAD GHADGE, LEGALLY MOTHER OF ARMY NO JC 294009P, RANK NB/SUB, NAME GHADAGE VIJAYAKUMAR PRALHAD, PRESENTLY RESIDING AT SIRASAVADI, POST. - SIRASAVADI, TEH - KHATAV, DIST. - SATARA, STATE. MAHARASHTRA, PIN - 415506, IN MY SON'S SERVICE RECORD MY DATE OF BIRTH WRONGLY MENTIONED AS 01/07/1956 Instead Of My Correct Date Of Birth As Of My Correct Date Of Birth As 08/07/1959 VIDE AFFIDAVIT DATED 17/10/2026 BEFORE NOTARY DELHI.

PUBLIC NOTICE

Mr. Pravesh Singh and Mr. Harbir Singh Owner of the Residential Sub-Leasehold Flat/Dwelling Unite No. 1101 on 11th Floor in Block/Tower-D3, , "NIRALA ASPIRE" situated at Plot No. GH-03, Sector-16, Greater Noida, G.B. Nagar, U.P Mr. Pravesh Singh and Mr. Harbir Singh have lost Original GPA executed by Mr. Ahmad Sharique in favour of Mr. Iqbal Akhtar duly regd. vide doc no 635 , vol no 552 ,page no 71-90 dated 22.06.2018 of said property , for which complaint lodged to the police. Therefore, by way of this Public Notice it is hereby notified that any person, Attorney and/or entity, firm/company, society and/or member of the Society, Bank, HUF/member of HUF, Financial Institution having any claim, charge, interest, or lien whatsoever with respect to the Said house/plot or otherwise, may notify to undersigned only on his rahulkumargupta281401@gmail.com with documentary proof within 15 days from the date of this publication of notice, failing which any such claim etc. shall be deemed to be null and void, whereas title shall be deemed to be clear, and marketable without any defect or encumbrance and free to create equitable mortgage

RAHUL KUMAR GUPTA
(ADVOCATE)
Off. 43B, Third Floor,
Patparganj Village,
Mayur Vihar, Phase-I,
Delhi-1, M-NO- 7252922875

पत्नी के सिर पर कैंची से किए कई वार, गंभीर हालत में मेडिकल रेफर, फरार आरोपी की तलाश जारी

अलीगढ़। अलीगढ़ में देहली गेट थाना क्षेत्र के प्रेमनगर में एक पति ने अपनी पत्नी के सिर पर कैंची से हमला कर दिया। इस हमले में पत्नी गंभीर रूप से घायल हो गई, जिसे जेएन मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। आरोपी पति शोभित गुप्ता घटना के बाद से फरार बताया जा रहा है। पुलिस को कल देर रात्रि सूचना मिली कि शोभित गुप्ता ने अपनी पत्नी पर कैंची से वार किया है। सूचना मिलते ही पुलिस तत्काल मौके पर पहुंची और घायल को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा। डॉक्टरों ने बताया कि महिला की स्थिति अब खतरे से बाहर है। बताया जा रहा है कि पति पत्नी के काम करने से नाराज था। वह उसे मायके से ससुराल बुलाकर लाया था। पुलिस ने तहरीर प्राप्त कर सुसंगत धाराओं में अभियोग पंजीकृत करना शुरू कर दिया है। आरोपी पति की गिरफ्तारी के लिए टीमें दबिश दे रही हैं। क्षेत्राधिकारी नगर प्रथम कमलेश कुमार ने बताया कि पुलिस को देर रात हमले की सूचना मिली थी। घायल महिला को अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी हालत स्थिर है। पति की तलाश जारी है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

NAME CHANGE

I, Deavenden Singh Batia S/O Raj Singh R/O House No B-202 S/F, MIN B Block, Vasant Kunj, Delhi 110070 have changed my name to Devender Singh for all future purposes.

PUBLIC NOTICE

My clients RAJU MASSEY S/O Lt. SH. DANIEL MASSEY and Mrs. ROJLIN MASSEY W/o Sh. RAJU MASSEY R/O EE-2264, JAHAGIR PURI, NORTH WEST DELHI, NEW DELHI-110033, has disowned/debarred his son namely Robin Massey from all his moveable and immovable properties/ assets and severed all his relations with him due to his continuous disobedience, misbehavior, indiscipline and misconduct towards my client. If anybody dealing with him in any manner will do so at his/her/their own risk and responsibility and we will not be liable for the same in any manner.

Naved Khan, Advocate
Ch.no.403, Patiala House Court,
New Delhi-110001

NAME CHANGE

I, Raghveer Kaur, W/O Pardeep Kumar, R/O RZE-246, Nihal Vihar, Nangloi, Delhi- 110041 have changed my name to Raghubir Kaur for all future purposes.

NAME CHANGE

I, Amit Gupta, S/O Ved Prakash Gupta, R/O 605, Chawalian Gali, Nawada Bazar Najafgarh, Delhi- 110043 have changed my name to Amit Kumar Gupta for all future purposes.

RAMGARHIA CO-OPERATIVE BANK LTD.,
1/4, Desh Bandhu Gupta Road, Pahar Ganj, New Delhi - 110 055.

SYMBOLIC POSSESSION NOTICE [SECTION 13(4)
(For Immovable property)

Whereas :

The undersigned being the Authorised Officer of the **Ramgarhia Co-operative Bank Ltd.** under Securitization And Reconstruction of Financial Assets and Enforcement of Security Interest Act, 2002 (Act 54 of 2002 (hereinafter referred to as "the Act") and in exercise of powers conferred under Section 13(2) read with Rule 3 of the Security Interest (Enforcement) Rules 2002, issued a Demand Notice details given as below we had pasted the same notice on the property calling upon the Borrower/Guarantor Borrower/ Co Borrower to repay the amount mentioned in the notice, respectively within 60 days from the date of receipt of the said notice.

The borrower having failed to repay the amount, notice is hereby given to the borrower and the public in general that the undersigned has taken possession of the property described herein below in exercise of powers conferred on him / her under section 13(4) of the said Act, read with Rule 8 & 9 of the said Rule on this **15th day of October of the year 2026.**

S. No	Name of the Borrower/ Guarantor/ Borrower/Co-Borrower	Property Details	Date of issuing 13(2)	Date of issuing 13(4)	Amount
1.	**Rajesh Verma (Guarantor) Mr. Anil Kumar Mr. Parveen Masson**	**The details of Immovable property is Property, Builtup Second Floor portion, Land Measuring 32 Sq. yds. ,i.e. 26.75 Sq. Mtrs., out of Khasra no. 41, Bearing portion of Property No.1449, Consisting Whatever Thereon and Without roof right, Situated at Village Jafrabad, in the Abadi of Gali no.51, Jafrabad, Illaqa Shahdara, Delhi-110053**	31/01/2026	22/05/2026	**Rs.57,49,965.00 (Rupees Fifty Seven Lakh, Forty Nine Thousand Nine Hundred and Sixty Five Only) as on 15/10/2026 + further interest and legal charges**

The borrower's attention is invited to the provisions of Section 13(8) of the Act, in respect of time available, to redeem the secured assets.

Authorized Representative
Phone : 011- 40192447, 011- 45595302
E-mail : rcbl_ho@ramgarhiabank.com

रजिस्ट्री सं० डी० एल०–33004/99 REGD.NO. D.L.-33004/99

सत्यमेव जयते

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

सी.जी.–डी.एल.–अ.–14102026–277148
CG-DL-E-14102026-277148

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग–II–खण्ड 3–उप–खण्ड (ii)
PART II-Section 3-Sub-section (ii)
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5373] नई दिल्ली, सोमवार, अक्तूबर 12, 2026/आश्विन 20, 1948
No. 5373] NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 12, 2026/ASVINA 20, 1948

रेल मंत्रालय
[उत्तर रेलवे (निर्माण संगठन)]
अधिसूचना
नई दिल्ली, 12 अक्तूबर, 2026

का.आ. 5587 (अ). – केन्द्रीय सरकार, रेल अधिनियम, 1989 (1989 का 24) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है) की धारा 20क की उप–धारा (1) द्वारा प्रदत शक्तियों का प्रयोग करते हुए, यह समाधान हो जाने के पश्चात् कि लोक प्रयोजन के लिए, ऐसी भूमि का, जिसका संक्षिप्त विवरण इससे उपाबद्ध अनुसूची में दिया गया है, उत्तर प्रदेश राज्य के गाजियाबाद जिले में ''विशेष रेल परियोजना'', अर्थात् **''गाजियाबाद–मुरादाबाद, मुरादाबाद–रोजा और रोजा–सीतापुर (402.78 किमी0) के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन निर्माण''** के निष्पादन, अनुरक्षण, प्रबंधन और प्रचालन के प्रयोजन के लिए अपेक्षित है, ऐसी भूमि का अर्जन करने के लिए अपने आशय की घोषणा करती हैं;

उक्त भूमि में हितबद्ध कोई भी व्यक्ति, इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 30 (तीस) दिन की अवधि के भीतर, उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उपधारा (1) के अधीन उपरोक्त प्रयोजन के लिए ऐसी भूमि के अर्जन और उपयोग के संबंध में आक्षेप कर सकेगा;

प्रत्येक ऐसा आक्षेप **सक्षम प्राधिकारी,** अर्थात् **अपर जिलाधिकारी (भू०अ०), गाजियाबाद** को लिखित में किया जाएगा और उसमें उसके आधार उपवर्णित किए जाएंगे और सक्षम प्राधिकारी, आक्षेपकर्ता को या तो व्यक्तिगत रूप से या विधिव्यवसायी के माध्यम से सुनवाई का अवसर प्रदान करेगा और सभी ऐसे आक्षेपों की सुनवाई करने तथा ऐसी और जांच, यदि कोई हो, करने के पश्चात, जिसे सक्षम प्राधिकारी आवश्यक समझे, आदेश द्वारा, या तो आक्षेपों को अनुज्ञात या अननुज्ञात कर सकेगा;

उक्त अधिनियम की धारा 20घ की उप–धारा (2) के अधीन सक्षम प्राधिकारी द्वारा किया गया कोई आदेश अंतिम होगा।

इस अधिसूचना के अधीन आनेवाली भूमि का रेखांकन और अन्य ब्योरे उपलब्ध हैं और उनका हितबद्ध व्यक्ति द्वारा सक्षम प्राधिकारी के उपयुक्त कार्यालय में निरीक्षण किया जा सकता है।

अनूसूची

उत्तर प्रदेश राज्य के गाजियाबाद जनपद में विशेष रेल परियोजना अर्थात **''गाजियाबाद–मुरादाबाद, मुरादाबाद–रोजा और रोजा–सीतापुर (402.78 किमी0) के बीच तीसरी और चौथी रेल लाइन निर्माण''** के लिए अधिग्रहण की जाने वाली भूमि का अवसंरचना सहित अथवा उसके रहित संक्षिप्त विवरण।

जिला – गाजियाबाद | तहसील – गाजियाबाद | राज्य – उत्तर प्रदेश

क्र सं0	तहसील	गांव का नाम	गाटा/खसरा संख्या	अधिग्रहण के लिए प्रस्तावित क्षेत्रफल हे0में
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1	गाजियाबाद	महमासराय उर्फ कोट	151/2	0.2831
2			152	0.0715
		योग		**0.3546**
1	गाजियाबाद	डूंडाहेड़ा	1324	0.0182
2			1326	0.0608
3			1344	0.0345
4			1360	0.0441
5			1361	0.0413
6			1362	0.0338
7			1363	0.0286
8			1364	0.0475
9			1388	0.0091
10			1390	0.0076
11			1396	0.0101
12			1560	0.0308
13			1561	0.0208
14			1562	0.0630
15			1563	0.0432
16			1564	0.0399
		योग		**0.5333**
1	गाजियाबाद	रज़ापुर	1591	0.0690
2			2092	0.0481
		योग		**0.1171**
1	गाजियाबाद	महरौली	202	0.0145
2			208	0.0303
3			209	0.0197
4			210	0.0055
5			211	0.0224
6			246	0.0052
7			256	0.0159
8			258	0.0025
9			259	0.0123
10			260	0.0154
11			261	0.0384
12			262	0.0156
13			264	0.0890
14			266	0.0236
15			267	0.0130
16			303	0.0175
17			304	0.0312
18			305	0.0206
19			324	0.0198
20			325	0.0234
21			867	0.0022
22			868	0.0109
23			869	0.0380
24			883	0.0146
25			884	0.0224
26			885	0.0250
27			886	0.0145
28			887	0.0139
29			888	0.0191
30			889	0.0239
31			890	0.0583
32			899	0.0283
33			900	0.0070
34			901	0.0685
35			902	0.0007
36			903	0.0544
37			904	0.0011
38			905	0.0667
39			927	0.0551
40			928	0.0250
41			929	0.0910
42			942	0.0050
43			943	0.0282
44			945	0.0619
45			946	0.0959
46			947	0.0293
47			948	0.0100
48			951	0.0016
		योग		**1.3083**
1	गाजियाबाद	मसौता	463	0.0577
2			464	0.2374
3			468	0.0385
4			490	0.0155
5			491	0.0017
6			492	0.0009
7			493	0.0042
8			494	0.0025
9			496	0.0075
10			497	0.0077
11			498	0.0141
12			499	0.0055
13			504	0.1430
14			505	0.0803
		योग		**0.6165**
1	गाजियाबाद	डासना	609	0.0638
2			615	0.0500
3			619	0.0255
4			620	0.0156
5			628	0.0167
6			629	0.0488
7			634	0.0049
8			638	0.0699
9			639	0.0123
10			646	0.0248
11			647	0.0136
12			652	0.0115
13			655	0.0290
14			661	0.0187
15			662	0.1424
16			666	0.0066
17			684	0.2279
18			685	0.1543
19			689	0.0588
20			690	0.0937
21			691	0.0712
22			716	0.0187
23			717	0.1582
24			720	0.0559
25			728	0.0569
26			1218	0.0160
27			1221	0.1661
28			1225	0.3246
29			1244	0.0358
30			1246	0.0127
31			1248	0.1060
32			1252	0.0508
33			1265	0.0001
34			1270	0.0287
35			1271	0.1261
36			1274	0.0769
37			1275	0.0411
38			1876	0.1627
39			1877	0.0085
40			1878	0.0455
41			1879	0.0572
42			1888	0.0096
43			1889	0.0220
44			1890	0.0618
45			1893	0.0687
46			1937	0.1344
47			1941	0.1864
48			1942	0.0072
49			1943	0.0130
50			1972	0.0005
51			1973	0.0399
52			2010	0.0424
53			2013	0.0733
54			2509	0.0843
55			2510	0.0020
56			2514	0.0030
57			2519	0.0034
		योग		**3.4605**
1	गाजियाबाद	मसूरी	600	0.0430
2			629	0.0847
3			656	0.0006
4			658	0.0701
5			664	0.0064
6			690	0.0764
		योग		**0.2812**
		कुल योग		**6.6715**

[फा.सं. 190-W/Land/MB/GZB-SPC]

3623/2026 श्याम सिंह, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी / निर्माण–द्वितीय

हरियाणा सरकार के नायाब 2 साल

विकसित हरियाणा के संकल्प को मिली नई गति

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा में जनविश्वास की शक्ति, सुशासन के संकल्प और जनकल्याण की प्रतिबद्धता के साथ राज्य सरकार ने अपने लगातार तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे कर लिए है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने इस अवसर पर प्रदेशवासियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि जनता ने जिस विश्वास के साथ सरकार को सेवा का दायित्व सौंपा है, सरकार उसे पूरी निष्ठा, पारदर्शिता, संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ निभा रही है। उन्होंने कहा कि हमारी राजनीति सत्ता के लिए नहीं, बल्कि सेवा के लिए है। प्रदेश के 2 करोड़ 80 लाख नागरिकों की आकांक्षाएं हमारी प्राथमिकता हैं और हरियाणा को विकास, समान अवसर तथा जनकल्याण के नए आयामों तक पहुंचाना हमारा संकल्प है। मुख्यमंत्री ने चंडीगढ़ में राज्य सरकार के तीसरे कार्यकाल के 2 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री

महीपाल ढांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने सरकार की दो वर्षों की उपलब्धियों पर आधारित पुस्तिका का विमोचन भी किया।

विपक्ष पर निशाना साधते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने कार्यकाल में हरियाणा को नंबर वन बताने वाले लोगों को आज प्रदेश की वास्तविक प्रगति और बदलती तस्वीर हजम नहीं हो रही है। उनके समय में हरियाणा नंबर वन तो था, लेकिन पर्ची-खर्ची, भाई-भतीजावाद, भय, भ्रष्टाचार और क्षेत्रवाद के मामले में नंबर वन था। नौकरियों में योग्यता के बजाय सिफारिश और पर्ची-खर्ची का बोलबाला था। पाताल से लेकर आकाश तक घोटाले थे। ऐसे शासन ने प्रदेश के विकास को पीछे धकेला और प्रदेशवासियों के साथ धोखा किया। उनके सरकार के 10 सालों में प्रदेश के एक ही क्षेत्र का विकास किया गया, बाकी हरियाणा की अनदेखी की गई। उनके कार्यकाल में तीन – तीन दिन में गैस का सिलेंडर मिलता था, उस मामले में हरियाणा नंबर वन था। झूठे वादों में नंबर वन था। ये कहते थे कि 24 घंटे बिजली देंगे लेकिन हरियाणा 4 से 5 घंटे बिजली मिलने के मामले में नंबर वन था। यही कारण है कि जागरूक हरियाणावासियों ने बदलाव का निर्णय लेते हुए उन्हें सत्ता से बाहर का रास्ता दिखाया।

सत्ता में रहते हुए, जनता से मिलते तक नहीं थे, आज सड़कों पर घूम रहे कांग्रेस नेता

मुख्यमंत्री ने कांग्रेस नेताओं पर कटाक्ष करते हुए कहा कि आज कुछ लोग सड़कों पर घूमकर जनता के बीच जाने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन जब उनके हाथ में सत्ता थी, तब वे आम लोगों से मिलना तक पसंद नहीं करते थे। उन्होंने कहा कि उस समय उन्हें जनता के पसीने की बदबू आती थी। मुख्यमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस की गलत नीतियों के कारण लोगों को प्रताड़ना झेलनी पड़ी, जनता ने इसका जवाब दिया है।

आयु सीमा पूर्ण कर चुके डीजल व पेट्रोल वाहनों के विरूद्ध की जाएगी सख्त कार्रवाई:- जिला परिवहन अधिकारी वीरेंद्र सिंह ढुल

एजेंसी

रोहतक: जिला परिवहन अधिकारी वीरेंद्र सिंह ढुल ने कहा कि जिला में आयु सीमा पूर्ण कर चुके डीजल व पेट्रोल के वाहनों के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी। माननीय सर्वोच्च न्यायालय व वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग द्वारा पेट्रोल वाहनों के लिए 15 वर्ष तथा डीजल वाहनों के लिए 10 वर्ष आयु सीमा निर्धारित की गई है। वीरेंद्र सिंह ढुल ने कहा कि ऐसे वाहनों के खिलाफ सख्त कार्रवाई के लिए पुलिस एवं परिवहन प्राधिकरण की विशेष टीमें गठित की गई हैं। जिला में आयु सीमा पूर्ण कर चुके विभिन्न श्रेणियों के 7667 वाहन चिन्हित किए गए हैं। चिन्हित किए गए वाहनों में से वाणिज्य वाहन मालिकों को एक माह पूर्व नोटिस देकर अपना वाहन खुद एनडीसी या स्क्रैप द्वारा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से बाहर भेजने का समय दिया गया था, जो अब समाप्त हो चुका है। पेट्रोल के ऐसे 1256 वाहन चिन्हित किए गए हैं, जबकि डीजल के 6411 वाहन चिन्हित किए गए हैं। वीरेंद्र सिंह ढुल ने कहा कि उपरोक्त वाहन मालिकों को दी गई समय सीमा समाप्त हो चुकी है।

सेवा संकल्प अभियान के तहत पीएचसी दड़बा कलां में रक्तदान शिविर आयोजित, 31 यूनिट रक्त एकत्रित

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत जिला रेडक्रॉस सोसायटी, सिरसा की ओर से स्वास्थ्य विभाग की ब्लड बैंक टीम के सहयोग से प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र दड़बा कलां में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और कुल 31 यूनिट रक्त एकत्रित किया गया। जिला रेडक्रॉस सोसायटी के सहायक सचिव गुरमीत सिंह ने बताया कि रक्तदान एक पुनीत कार्य है, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध करवाकर उनकी जान बचाई जा सकती है। रक्त की आवश्यकता दुर्घटनाओं, गंभीर बीमारियों, ऑपरेशन तथा अन्य आपातकालीन परिस्थितियों में पड़ती है। ऐसे में स्वैच्छिक रक्तदान शिविरों का विशेष महत्व है। उन्होंने कहा कि जिला रेडक्रॉस सोसायटी की ओर से समय-समय पर रक्तदान शिविर आयोजित कर लोगों को इस नेक कार्य के प्रति जागरूक किया जाता है। सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य सामाजिक सरोकारों से जुड़ी गतिविधियों को बढ़ावा देना और लोगों को जनकल्याण के कार्यों में भागीदारी के लिए प्रेरित करना है।

राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रिसालियाखेड़ा में नशा मुक्ति पर नुक्कड़ नाटक का मंचन

डबवाली। सेवा संकल्प अभियान के अंतर्गत नशा मुक्त भारत अभियान के तहत गांव रिसालियाखेड़ा स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में कर्ण लढ़ा की टीम ने नशा मुक्ति पर आधारित नाटक का मंचन कर युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर अंकुश लगाने और विद्यार्थियों को नशे के दुष्प्रभावों पर जागरूक करने का संदेश दिया। नाटक के माध्यम से कलाकारों ने नशे के कारण व्यक्ति के स्वास्थ्य, परिवार और सामाजिक जीवन पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को प्रस्तुत किया। विद्यार्थियों को नशे से दूर रहने, स्वस्थ जीवनशैली अपनाने तथा अपने आसपास के लोगों को भी नशामुक्ति के प्रति जागरूक करने के लिए प्रेरित किया गया। टीम ने कई भावुक सीन प्रस्तुत किए कि सभी बच्चे और स्टाफ देखते ही रह गए और प्रसन्नतापूर्वक स्कूल स्टाफ ने 1100 नगद राशि देकर टीम को सम्मानित किया।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रोहतक के विशेष संस्थानों का किया दौरा

रोहतक: हरियाणा के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री कृष्ण कुमार बेदी ने रोहतक स्थित अर्पण बौद्धिक बाल संस्थान एवं श्रवण मानसिक विकलांग वयस्क केंद्र का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने संस्थानों में उपलब्ध सुविधाओं, प्रशिक्षण व्यवस्थाओं तथा विशेष जरूरतों वाले बच्चों एवं वयस्कों को दी जा रही सेवाओं का निरीक्षण किया। उनके साथ विभाग की अतिरिक्त मुख्य सचिव डॉ. जी. अनुपमा तथा निदेशक मुकुल कुमार भी उपस्थित रहे। संस्थान पहुंचने पर अर्पण संस्थान की प्रभारी श्रीमती नीलम कटारिया, जिला कल्याण अधिकारी श्रीमती रेणु सिसोदिया, जिला समाज कल्याण अधिकारी महावीर गोदारा तथा कोर्स कोऑर्डिनेटर डॉ. सुमन मदान ने मुख्य अतिथि एवं अधिकारियों का स्वागत किया। इस अवसर पर विशेष बच्चों ज्योति, रुमन, नूर और विन्नी ने गुलदस्ते भेंट कर तथा तिलक लगाकर अतिथियों का अभिनंदन किया।

'दिव्यांगजनों' के जीवन में आत्मनिर्भरता की नई रोशनी लेकर आया 'सेवा संकल्प अभियान'

एजेंसी

पलवल। दिव्यांगजनों को जब आधुनिक सहायक उपकरण, विशेष ई-स्कूटर और सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिलता है, तो उनके जीवन में नई संभावनाओं और आत्मनिर्भर बनने के नए द्वार खुलते हैं। इसी उद्देश्य को साकार करने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत पलवल में विशेष ई-स्कूटर वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया।जिला प्रशासन की ओर से पलवल स्थित नेताजी सुभाष चंद्र बोस स्टेडियम में उपायुक्त एवं अध्यक्ष जिला रेडक्रॉस सोसाइटी पलवल डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के मार्गदर्शन में आयोजित विशेष ई-स्कूटर वितरण कार्यक्रम में केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बतौर मुख्य अतिथि

कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ करने उपरांत 150 पात्र दिव्यांग लाभार्थियों को एलिम्को और विभिन्न कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) संस्थाओं के सहयोग से विशेष इलेक्ट्रिक स्कूटर वितरित किए। इलेक्ट्रिक स्कूटर पाने की खुशी दिव्यांगजनों के चेहरे और आंखों में साफ दिखाई दे रही थी। इस पहल का उद्देश्य दिव्यांगजनों की आवागमन संबंधी कठिनाइयों को कम करना, उनकी दूसरों पर निर्भरता घटाना और उन्हें आत्मविश्वास के साथ जीवन में आगे बढ़ने के अवसर उपलब्ध कराना है। इस अभियान के तहत पूरे लोकसभा क्षेत्र में अब तक 500 दिव्यांगजनों को सहायक उपकरण वितरित किए जा चुके है। केंद्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि दिव्यांगजन समाज का अभिन्न अंग हैं और वे दया नहीं, बल्कि प्यार, सम्मान, सहयोग तथा समान अवसर के अधिकारी हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार दिव्यांगजनों को आत्मनिर्भर बनाने, उनके अधिकारों को मजबूत करने और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य दिव्यांगजनों को केवल आर्थिक या भौतिक सहायता उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें ऐसा वातावरण प्रदान करना है।

रोहतक में 19 अक्टूबर को लगेगा रोजगार मेला, युवाओं को मिलेगा नौकरी पाने का अवसर: उपायुक्त सतबीर सिंह

एजेंसी

रोहतक। उपायुक्त सतबीर सिंह ने बताया कि हरियाणा सरकार के निर्देशानुसार मंडल रोजगार कार्यालय, रोहतक द्वारा 19 अक्टूबर 2026 को रोजगार मेले का आयोजन किया जाएगा। यह रोजगार मेला प्रातः 9:30 बजे लघु सचिवालय भवन, रोहतक के हॉल नंबर 301 में आयोजित होगा।

रोजगार मेले में 2 से 3 नियोजक संस्थानों के भाग लेने की संभावना है, जो योग्य अभ्यर्थियों को रोजगार के अवसर प्रदान करेंगे।सतबीर सिंह ने बताया कि इस रोजगार मेले में रोहतक सहित आसपास के जिलों के कॉलेजों, पॉलिटेक्निक संस्थानों तथा आईटीआई से डिप्लोमा प्राप्त, स्नातक, स्नातकोत्तर, 12वीं पास एवं अन्य योग्यताधारी नौकरी के इच्छुक युवा भाग ले सकते हैं। रोजगार मेले में डिप्लोमा, स्नातक और स्नातकोत्तर सहित विभिन्न शैक्षणिक योग्यताओं के आधार पर रिक्त पदों के लिए अभ्यर्थियों को अवसर मिलेगा। उपायुक्त सतबीर सिंह ने युवाओं से आह्वान किया कि वे इस रोजगार मेले का अधिक से अधिक लाभ उठाएं और अपनी योग्यता के अनुसार रोजगार पाने के लिए इसमें भाग लें।

उन्होंने बताया कि रोजगार मेले में शामिल होने के इच्छुक बेरोजगार अभ्यर्थी हरियाणा रोजगार विभाग की वेबसाइट www.hre&.gov.in पर अपना पंजीकरण अवश्य करवाएं, ताकि उन्हें भविष्य में आयोजित होने वाले रोजगार मेलों की जानकारी एवं उनका लाभ मिल सके।

अधिवक्ताओं की सुविधाओं के विस्तार के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा : न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी

न्यायिक परिसर नूंह में 115 नए अधिवक्ता चैंबरों के निर्माण की रखी आधारशिला, दोनों ब्लॉकों में 230 चैंबरों से 460 वकीलों को मिलेगी बैठने की सुविधा

एजेंसी

नूंह। पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश एवं हरियाणा बिल्डिंग कमेटी के चेयरमैन न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी ने कहा कि अधिवक्ताओं की सुविधाओं का विस्तार न्यायिक व्यवस्था को मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। न्यायिक परिसर में सभी आवश्यक सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध होने से अधिवक्ताओं के साथ-साथ न्यायालय में आने वाले वादकारियों को भी लाभ मिलता है। उन्होंने अधिवक्ताओं को आश्वस्त किया कि उनकी आवश्यकताओं और सुविधाओं से जुड़े कार्यों के लिए हरसंभव सहयोग किया जाएगा। न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी जिला न्यायिक परिसर नूंह में लॉयर्स चैंबर्स ब्लॉक-बी के तहत बनने वाले 115 नए अधिवक्ता चैंबरों की आधारशिला रखने के उपरांत उपस्थित अधिवक्ताओं को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट के न्यायाधीश एवं नूंह सत्र मंडल के प्रशासनिक न्यायाधीश न्यायमूर्ति हरप्रीत सिंह बराड़ भी मौजूद रहे। न्यायमूर्ति सेठी ने कहा कि न्यायिक परिसर में सुविधाओं के विकास के लिए न्यायपालिका, जिला प्रशासन और बार एसोसिएशन के बीच बेहतर समन्वय और आपसी सहयोग आवश्यक है। जब

सभी पक्ष मिलकर अपनी जिम्मेदारी निभाते हैं, तभी विकास कार्यों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाया जा सकता है। उन्होंने अधिवक्ताओं से अपील की कि वे न्यायिक परिसर को बेहतर बनाने के लिए प्रशासन और संबंधित अधिकारियों के साथ सहयोग बनाए रखें। न्यायमूर्ति हरसिमरन सिंह सेठी ने अधिवक्ताओं के लिए चैंबरों की उपलब्धता बढ़ाने के विषय पर चर्चा करते हुए कहा कि न्यायिक परिसर में आवश्यक सुविधाओं का विकास निरंतर चलने वाली प्रक्रिया है।

पलवल में 28 अक्टूबर को लगेगा मेगा विधिक सेवा एवं जागरूकता शिविर : मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी हरीश गोयल

एक ही छत के नीचे मिलेगी सरकारी योजनाओं और कानूनी सहायता की जानकारी

एजेंसी

पलवल। आमजन को सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ दिलाने और कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पलवल की ओर से अक्टूबर को प्रातः 11 बजे पंचायत भवन, पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस के निकट, कैंप कॉलोनी, पलवल में मेगा विधिक सेवा-सह-जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। इसमें विभिन्न सरकारी विभागों के प्रतिनिधि एक ही स्थान पर लोगों को जनकल्याणकारी योजनाओं, उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और निःशुल्क विधिक सहायता की जानकारी देंगे। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता भी उपलब्ध करवाई जाएगी।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, पलवल के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) हरीश गोयल ने बताया कि जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा शिविर के माध्यम से आमजन को विभिन्न सरकारी जनकल्याणकारी योजनाओं, उनकी पात्रता, आवेदन प्रक्रिया तथा निःशुल्क विधिक सहायता से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां उपलब्ध करवाई जाएंगी। साथ ही, पात्र लाभार्थियों को सरकारी योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के लिए आवश्यक मार्गदर्शन एवं सहायता भी प्रदान की जाएगी। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) हरीश गोयल ने बताया कि शिविर में सूचना, जनसंपर्क एवं भाषा विभाग, शिक्षा विभाग, विकास एवं पंचायत विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, बैंकिंग क्षेत्र, समाज कल्याण विभाग, बाल संरक्षण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, पशुपालन विभाग, कृषि विभाग, मत्स्य पालन विभाग, बागवानी विभाग, अग्निशमन विभाग, रोजगार विभाग, आयुष विभाग, श्रम कल्याण विभाग, दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम (डीएचबीवीएन), खाद्य एवं आपूर्ति विभाग, रेडक्रॉस सोसायटी, भारत स्काउट्स एवं गाइड्स, कॉमन सर्विस सेंटर (सीएससी), साइबर अपराध प्रकोष्ठ, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) तथा वन स्टॉप सेंटर सहित विभिन्न सरकारी विभागों एवं संस्थाओं के प्रतिनिधि भाग लेंगे।

अन्नदाता से लेकर आमजन तक कर रहे उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर की प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना

किसानों की परेशानी दूर करने के लिए पलवल अनाज मंडी में स्वयं जलभराव में उतर गए थे उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर

एजेंसी

पलवल। जनसेवा का वास्तविक अर्थ केवल निर्देश देना नहीं, बल्कि जरूरत के समय स्वयं आगे आकर समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना है। पलवल के उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने इस भावना को उस समय साकार किया, जब गत बृहस्पतिवार को हुई भारी बारिश के कारण पलवल अनाज मंडी में जलभराव की समस्या उत्पन्न हो गई। किसानों और आढ़तियों की परेशानी को गंभीरता से लेते हुए उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने न केवल संबंधित विभागों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए, बल्कि स्वयं अनाज मंडी पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए वे स्वयं अपने जूते उतारकर पानी में उतर गए और पानी की निकासी के

लिए किए जा रहे कार्यों का निरीक्षण किया। इतना ही नहीं उन्होंने रातों-रात टीम लगाकर पलवल अनाज मंडी से जल भराव की शत प्रतिशत निवासी सुनिश्चित करवाई। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर के इस कदम और त्वरित कार्रवाई के परिणामस्वरूप अनाज मंडी परिसर में जमा पानी की शत-प्रतिशत निकासी सुनिश्चित की गई। इससे किसानों और आढ़तियों को राहत मिली और अनाज मंडी में फसलों की खरीद व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने में सहूलियत।भारी बारिश के बाद अनाज मंडी में जलभराव किसानों के लिए चिंता का विषय बन गया था। ऐसी स्थिति में अनाज मंडी में अपनी उपज लेकर पहुंचने वाले किसानों के लिए परेशानी बढ़ना स्वाभाविक थी। किसानों की समस्या को प्राथमिकता देते हुए उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और संबंधित विभागों के अधिकारियों को शीघ्र पानी की निकासी के लिए आवश्यक प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उपायुक्त डा. जयेन्द्र सिंह छिल्लर ने मौके पर मौजूद रहकर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उनका स्वयं पानी में उतरकर स्थिति का जायजा लेना इस बात का संकेत था कि जिला प्रशासन किसानों की समस्याओं के समाधान के लिए केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि जमीनी स्तर पर भी सक्रिय है।

सड़क, पेयजल, उद्योग और निवेश से हरियाणा के विकास को गति देने पर जोर- मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी

बुनियादी ढांचे के साथ सांस्कृतिक विरासत, शहीद परिवारों और जनकल्याण से जुड़े निर्णयों का ब्यौरा

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने सरकार के लगातार तीसरे कार्यकाल के दो वर्ष पूरे होने पर आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में बुनियादी ढांचे, औद्योगिक निवेश, पेयजल और परिवहन से जुड़े कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने औद्योगिक नीतियों के लक्ष्य बताते हुए सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण तथा शहीद परिवारों के कल्याण के लिए किए गए निर्णयों का भी उल्लेख किया। इस अवसर पर शिक्षा मंत्री श्री महीपाल ढांडा और कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री श्याम सिंह राणा भी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि हांसी को प्रदेश का 23वां जिला बनाया

गया है। प्रादेशिक सड़क उत्थान परियोजना के तहत 4 हजार 827 करोड़ रुपये की लागत से 9 हजार 410 किलोमीटर लंबी 4 हजार 227 सड़कों की मरम्मत की गई है। उन्होंने कहा कि सरकार ने 1 हजार 70 करोड़ रुपये की लागत से रेवाड़ी बाइपास और 170 करोड़ रुपये की लागत से पिंजौर बाइपास का निर्माण कराया है। सरकार ने विधानसभा चुनाव-2024 के दौरान अपने घोषणापत्र में प्रदेश में 10 नए ट्रक्स स्थापित करने का संकल्प लिया था। उन्होंने कहा कि ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों में 102 करोड़ रुपये की लागत से 40 नहर आधारित और आठ नलकूप आधारित जलघर स्थापित किए गए। इसी प्रकार, 184 करोड़ रुपये की लागत से 537 नलकूप और 188 बूस्टिंग स्टेशन स्थापित किये गये। उन्होंने कहा कि घरों तक स्वच्छ पेयजल पहुंचाने के लिए 1 हजार 167 करोड़ रुपये की लागत से 6 हजार 718 किलोमीटर लंबी पाइपलाइनें बिछाई गई। सरकार ने गांवों के विकास में पंचायतों को मजबूत किया है। विभिन्न योजनाओं और वित्त आयोगों के तहत पंचायती राज संस्थाओं के विकास कार्यों के लिए 3 हजार 919 करोड़ रुपये दिये हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण ने 71 शहरों में 849 नए सेक्टर विकसित करने के लिए 1 लाख 67 हजार एकड़ भूमि की खरीद प्रक्रिया शुरू की है। मुख्यमंत्री ने बताया कि एक जून 2026 को मेक इन हरियाणा औद्योगिक नीति-2026 सहित 10 सेक्टोरल नीतियां लागू की गई। इनके तहत अगले पांच वर्षों में 5 लाख करोड़ रुपये निवेश और 10 लाख रोजगार अवसर सृजित करने का लक्ष्य है। नीति लॉन्च कार्यक्रम में 1 लाख 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश के 123 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर हुए। मुंबई निवेश रोड शो में भी 66 हजार 821 करोड़ रुपये के निवेश से संबंधित 17 समझौते किए गए।

सेवा संकल्प अभियान के तहत ग्रामीणों को औषधीय पौधों के बारे में किया जागरूक

एजेंसी

सिरसा। सेवा संकल्प अभियान के तहत आयुष विभाग, सिरसा की ओर से गांव धोलपालिया, भरोखां और शेखुपुरिया में ग्रामीणों को औषधीय पौधों के महत्व के प्रति जागरूक किया गया और पौधारोपण किया। जिला आयुष अधिकारी डॉ. आशु शर्मा ने बताया कि सेवा संकल्प अभियान का उद्देश्य जनकल्याण से जुड़ी गतिविधियों के माध्यम से लोगों को स्वास्थ्य, पर्यावरण संरक्षण और प्राकृतिक संसाधनों के महत्व के प्रति जागरूक करना है। औषधीय पौधे हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। इन पौधों के प्रति जागरूकता बढ़ाकर लोगों को आयुष पद्धति और प्राकृतिक चिकित्सा से जुड़ी

उपयोगी जानकारी उपलब्ध करवाई जा सकती है। कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को अपने घरों और आसपास के क्षेत्रों में औषधीय पौधे लगाने तथा उनकी देखभाल करने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही, औषधीय पौधों के संरक्षण और पर्यावरण को स्वच्छ एवं हरा-भरा बनाए रखने में जनभागीदारी का महत्व भी बताया गया। इसके अलावा ग्रामीणों को अच्छे स्वास्थ्य के लिए नियमित योग, व्यायाम और आयुर्वेद को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया। उन्हें बताया गया कि नियमित योगाभ्यास और शारीरिक व्यायाम से शरीर को स्वस्थ रखने में मदद मिलती है, जबकि आयुर्वेदिक जीवनशैली अपनाकर स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाई जा सकती है। लोगों से अपील की गई कि वे स्वस्थ जीवनशैली अपनाएं और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहकर अपने परिवार एवं समाज को भी इसके लिए प्रेरित करें।

शीर्ष नौ कंपनियों की संपत्ति में 3.65 लाख करोड़ की बढ़ोतरी

टीसीएस, भारती एयरटेल और इन्फोसिस सबसे अधिक लाभ में

मुंबई।

बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में शानदार उछाल दर्ज की गई, जिसका सीधा फायदा सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ को मिला। इन कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में सामूहिक रूप से 3.65 लाख करोड़ रुपये की भारी बढ़ोतरी हुई, जिससे निवेशकों में उत्साह का माहौल है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), भारती एयरटेल और इन्फोसिस इस तेजी से सबसे अधिक लाभान्वित होने वाली कंपनियां रहीं। पिछले सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 2,256.94 अंक यह चढ़ गया, जबकि एनएसई निफ्टी भी 2.77 प्रतिशत के लाभ में रहा। इस अवधि में रिलायंस इंडस्ट्रीज, भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टीसीएस, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई), बजाज फाइनेंस, भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) और इन्फोसिस के बाजार पूंजीकरण में वृद्धि हुई। वहीं, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) एकमात्र ऐसी कंपनी रही, जिसके बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। सबसे अधिक लाभ टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ, जिसका बाजार पूंजीकरण 1,08,542.63 करोड़ रुपये बढ़कर 8,91,134.96 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। इसके बाद भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 61,406.53 करोड़ रुपये बढ़कर 11,88,815.45 करोड़ रुपये हो गया। इन्फोसिस की बाजार हैसियत में भी 55,893.05 करोड़ रुपये का इजाफा हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज ने भी अपने बाजार पूंजीकरण में 53,047.56 करोड़ रुपये की वृद्धि दर्ज की और वह 16,37,437.19 करोड़ रुपये के साथ शीर्ष स्थान पर बरकरार है। एचडीएफसी बैंक और आईसीआईसीआई बैंक के बाजार पूंजीकरण में भी क्रमशः 32,379.05 करोड़ रुपये और 30,769.95 करोड़ रुपये की वृद्धि हुई। इस सकारात्मक रुझान के विपरीत, लार्सन एंड टुब्रो का बाजार पूंजीकरण 9,232.26 करोड़ रुपये घटकर 4,99,725.06 करोड़ रुपये पर आ गया।

मनरेगा की जगह नया ग्रामीण रोजगार कानून लागू

रोजगार के दिन बढ़े, आदिवासियों के 50 अतिरिक्त दिनों पर असमंजस

नई दिल्ली ।

ग्रामीण भारत में रोजगार की गारंटी देने वाले कानून में एक बड़ा बदलाव आया है। मनरेगा की जगह अब विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 1 जुलाई 2026 से लागू हो गया है, जिसके तहत पात्र ग्रामीण परिवारों को एक वित्तीय वर्ष में 125 दिनों के रोजगार की गारंटी दी गई है। यह पहले से चली आ रही 100 दिनों की सीमा में 25 दिनों की बढ़ोतरी है। हालांकि, इस नए कानून के लागू होने के बाद कई क्षेत्रों में रहने वाले कुछ पात्र आदिवासी परिवारों को मिलने वाले अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार को लेकर असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है, जिससे उनकी आजीविका प्रभावित होने की आशंका है। दरअसल, जनवरी 2014 में ग्रामीण विकास मंत्रालय ने एक महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया था। इसके तहत, वन अधिकार अधिनियम (एफआरए) के अंतर्गत जमीन का अधिकार प्राप्त करने वाले उन अनुसूचित जनजाति परिवारों को मनरेगा के 100 दिनों के अतिरिक्त 50 दिन का मजदूरी रोजगार देने का प्रावधान था, जिनके पास एफआरए के तहत मिली जमीन के अलावा कोई अन्य निजी जमीन नहीं थी। इस सुविधा से ऐसे परिवारों को कुल 150 दिन का रोजगार मिल पाता था, जो उनकी आजीविका का एक महत्वपूर्ण आधार था। अब नए विकसित भारत-रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) अधिनियम 2025 की धारा 5 में पात्र ग्रामीण परिवारों को 125 दिनों के रोजगार की गारंटी तो दी गई है, लेकिन इसमें अतिरिक्त 50 दिनों के रोजगार का कोई स्पष्ट उल्लेख नहीं है।

एचडीएफसी बैंक में नेतृत्व बदलाव, कैजाद भरूचा 31 साल बाद छोड़ेंगे पद

नई दिल्ली ।

एचडीएफसी बैंक में एक महत्वपूर्ण नेतृत्व परिवर्तन देखने को मिल रहा है। बैंक के उप प्रबंध निदेशक कैजाद भरूचा ने लगभग 31 वर्षों की उल्लेखनीय सेवा के बाद अपने पद से हटने का फैसला किया है। बैंक ने बताया कि भरूचा ने 31 दिसंबर से अपनी सेवाएं समाप्त करने का अनुरोध किया है। उनका यह कदम ऐसे समय में आया है जब वह बैंक के अगले प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी पद के प्रमुख दावेदारों में गिने जा रहे थे। साठ वर्षीय कैजाद भरूचा ने 1986 में अपना बैंकिंग करियर शुरू किया और अक्टूबर 1995 में एचडीएफसी बैंक से जुड़े।

जियो प्लेटफॉर्म्स का आईपीओ, कच्चे तेल के दाम तय करेंगे शेयर बाजार की चाल

पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुपए-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की नजर रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह स्थानीय शेयर बाजार में कंपनियों के तिमाही नतीजे, रिलायंस जियो प्लेटफॉर्म्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) और कच्चे तेल की कीमतें दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों का मानना है कि इसके साथ ही पश्चिम एशिया के भू-राजनीतिक घटनाक्रम और रुपये-डॉलर विनिमय दर पर भी निवेशकों की कड़ी नजर रहेगी। दशहरा के अवसर पर मंगलवार को बाजार बंद रहेगा, जिससे कारोबारी सप्ताह छोटा होगा। चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के नतीजों का सिलसिला तेज होने से शेयर और क्षेत्र विशेष में गतिविधियां बढ़ने की उम्मीद है। आगामी सप्ताह बजाज फाइनेंस, अल्ट्राटेक सीमेंट, हिंदुस्तान जिंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, इन्फोसिस, कोफोर्ज और क्रिसिल जैसी प्रमुख कंपनियां अपने तिमाही नतीजे घोषित करेंगी। इन नतीजों का बाजार की चाल पर सीधा असर देखने को मिलेगा। इस बीच रिलायंस इंडस्ट्रीज की डिजिटल और दूरसंचार इकाई जियो प्लेटफॉर्म्स का बहुप्रतीक्षित आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को बंद होगा। बैंकिंग शेयरों में उत्साह, वैश्विक कारकों पर पैनी निगाह हाल ही में एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक और एक्सिस बैंक जैसे बड़े बैंकों द्वारा मजबूत तिमाही नतीजे घोषित किए जाने के बाद बैंकिंग शेयरों में निवेशकों की विशेष दिलचस्पी बनी रहने की उम्मीद है। इन बैंकों ने सितंबर तिमाही में बेहतर एकीकृत शुद्ध लाभ दर्ज किया है, जिससे बैंकिंग क्षेत्र में सकारात्मक माहौल बना हुआ है। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि लगातार दो सप्ताह की बढ़त के बाद घरेलू शेयर बाजार में तेजी का रुख बना है, लेकिन इस तेजी को बरकरार रखना बाजार के लिए चुनौती होगी। कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, भू-राजनीतिक अनिश्चितता, वैश्विक बॉण्ड बाजार में उतार-चढ़ाव निवेशकों को सतर्क रहने का संकेत दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि निवेशक यह देखना चाहेंगे कि हालिया तेजी सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) शेयरों से आगे अन्य क्षेत्रों तक फैलती है या नहीं। वहीं वैश्विक बाजारों में अमेरिकी बॉण्ड प्रतिफल, कच्चे तेल की कीमतें और भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर भी निवेशकों की नजर रहेगी। इन कारकों का असर आयातित महंगाई, रुपये की विनिमय दर और कंपनियों की लाभप्रदता पर पड़ सकता है।

घरेलू और कमर्शियल एलपीजी के दाम में स्थिरता

अक्टूबर की शुरुआत में बढ़े कमर्शियल सिलेंडर के दाम होटल-रेस्तरां के लिए चुनौती बने

नई दिल्ली।

आम जनता और कारोबारियों की नजर एलपीजी गैस सिलेंडर की कीमतों पर टिकी हुई है। इस महीने की समीक्षा के बाद, घरेलू रसोई गैस उपभोक्ताओं को थोड़ी राहत मिली है क्योंकि उनकी कीमतों में कोई नया बदलाव नहीं किया गया है। हालांकि, होटल, रेस्तरां और अन्य व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए कमर्शियल गैस सिलेंडर के दाम अक्टूबर की शुरुआत में ही बढ़ा दिए गए थे, जिससे उनके मासिक बजट पर सीधा असर पड़ रहा है। आज भी, 14.2 किलोग्राम वाले घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतें स्थिर बनी हुई हैं। दिल्ली में यह सिलेंडर 942 रुपये में उपलब्ध है, जबकि मुंबई में इसकी कीमत 941.50 रुपये, कोलकाता में 968 रुपये और चेन्नई में 957.50 रुपये है। यह स्थिरता लाखों परिवारों के लिए एक राहत की खबर है, जो अपने मासिक खर्चों को लेकर चिंतित रहते हैं। इसके विपरीत, 19 किलोग्राम वाले कमर्शियल गैस सिलेंडर दिल्ली में अब 2,810 रुपये में मिल रहा है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल और गैस की कीमतों के साथ-साथ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये की स्थिति एलपीजी के दामों को निर्धारित करती है। तेल विपणन कंपनियां हर महीने की शुरुआत में कीमतों की समीक्षा करती हैं।

आईसीआईसीआई बैंक का मुनाफा दूसरी तिमाही में बढ़कर 16,333 करोड़ पहुंचा

ऋण वितरण, ब्याज आय और जमा में मजबूत वृद्धि से बैंक ने दर्ज किया शानदार वित्तीय प्रदर्शन

नई दिल्ली ।

निजी क्षेत्र के प्रमुख ऋणदाता आईसीआईसीआई बैंक ने वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (जुलाई-सितंबर) में रिकॉर्ड तोड़ वित्तीय नतीजे घोषित किए हैं।

बैंक का समेकित मुनाफा 22.3 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि के साथ 16,333.18 करोड़ रुपये पर पहुंच गया है, जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में 13,357.06 करोड़ रुपये था। यह शानदार प्रदर्शन मुख्य रूप से ऋण वितरण में जबरदस्त उछाल, शुद्ध ब्याज आय में वृद्धि और ग्राहकों की जमा राशि में उल्लेखनीय बढ़ोतरी के कारण संभव हुआ है।

इस तिमाही में बैंक की कुल आमदनी भी 15.8 फीसदी बढ़कर 88,161.18 करोड़ रुपये रही, जिसमें ब्याज से होने वाली आय 55,991.91 करोड़ रुपये थी। बैंक के परिचालन खर्च बढ़ने के बावजूद, उसके प्रावधानों में कमी आई। टैक्स को छोड़कर यह राशि 909.31 करोड़ रुपये से घटकर 895.21 करोड़ रुपये रह गई, जो बैंक की संपत्ति की गुणवत्ता में सुधार का सकारात्मक संकेत है। 30 सितंबर 2026 तक बैंक के दिए गए कर्ज (एडवांस) में मजबूत वृद्धि दर्ज हुई, जो 14,92,161.12 करोड़ रुपये से बढ़कर 19,35,385.44 करोड़ रुपये पर पहुंच गए। वहीं ग्राहकों की जमा रकम भी बढ़कर 20,91,538.51 करोड़ रुपये हो गई, जो बैंक में बढ़ते विश्वास को दर्शाता है।

भारत ने घटाया रूसी कच्चे तेल का आयात,वाडिनार बना सबसे बड़ा खरीदार

सितंबर में निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो तक पहुंचा

नई दिल्ली ।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच रूसी कच्चे तेल पर पश्चिमी देशों द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों में एक बड़ी खामी सामने आई है। सेंटर फॉर रिसर्च ऑन एनर्जी एंड क्लीन एयर (सीआरईए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत, तुर्किये और ब्रुनेई जैसे देशों की रिफाइनरियां रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण कर उससे बने ईंधन उत्पादों को पश्चिमी देशों को निर्यात कर रही हैं। सितंबर में यह निर्यात 43 प्रतिशत बढ़कर एक अरब यूरो (लगभग 1.2 अरब अमेरिकी डॉलर) तक पहुंच गया, जबकि इन पश्चिमी देशों ने रूसी कच्चे तेल से बने ईंधन पर प्रतिबंध लगाया हुआ है। सीआरईए की रिपोर्ट बताती है कि इन रिफाइनरियों से यूरोपीय संघ ने 66.7 करोड़ यूरो, ऑस्ट्रेलिया ने 16.8 करोड़ यूरो, अमेरिका ने 15.4 करोड़ यूरो और न्यूजीलैंड ने 1.9 करोड़ यूरो के तेल उत्पाद खरीदे। अनुमान है कि इन उत्पादों में 29.5 करोड़ यूरो मूल्य के उत्पाद सीधे रूसी कच्चे तेल से तैयार किए गए थे। गुजरात स्थित रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड की जामनगर रिफाइनरी इस व्यापार में एक प्रमुख खिलाड़ी है। इसने सितंबर में यूरोपीय संघ के बंदरगाहों पर पहुंचने वाले सात में से छह ईंधन शिपमेंट की आपूर्ति की। जामनगर रिफाइनरी ने अमेरिका को भी 12.2 करोड़ यूरो मूल्य का सर्वाधिक निर्यात किया। जुलाई से सितंबर के दौरान, जामनगर के कुल कच्चे तेल आयात में रूसी तेल की हिस्सेदारी 32 प्रतिशत रही। सीआरईए ने इस स्थिति को प्रतिबंधों में एक

खामी बताया है। संगठन का कहना है कि यूरोपीय संघ का प्रतिबंध केवल शुद्ध कच्चा तेल निर्यातक देशों को छूट देता है, जिससे उन देशों की रिफाइनरियों को रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने की अनुमति मिल जाती है, जो बाद में अपने उत्पादों को प्रतिबंध लगाने वाले देशों को बेचते हैं।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि प्रतिबंध देश के बजाय रिफाइनरी के स्तर पर लागू किए जाने चाहिए, ताकि पिछले छह महीनों में रूसी कच्चे तेल का प्रसंस्करण करने वाली किसी भी रिफाइनरी से बने तेल उत्पादों के आयात पर रोक लगाई जा सके।

हालांकि, सितंबर में भारत का रूसी कच्चे तेल का आयात 13 प्रतिशत घट गया, जो अप्रैल के बाद सबसे निचला स्तर था। जामनगर में 27 प्रतिशत, इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन की पारादीप रिफाइनरी में 21 प्रतिशत और नायरा एनर्जी की वाडिनार रिफाइनरी में आठ प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई।

टाटा ट्रस्ट देश में स्थापित करेगा 40-50 गैर-लाभकारी अस्पताल

वित्त वर्ष 2025-26 में 1,556 करोड़ परोपकार पर किया खर्च

मुंबई ।

देश के प्रमुख परमार्थ संगठनों में शुमार टाटा ट्रस्ट ने बीते वित्त वर्ष (2025-26) में परोपकारी कार्यों पर 1,556.31 करोड़ रुपए का वितरण किया है। ट्रस्ट अब देश भर में 40 से 50 गैर-लाभकारी सामान्य अस्पतालों का एक विशाल नेटवर्क स्थापित करने की दिशा में काम कर रहा है। चेयरमैन नोएल टाटा ने वार्षिक रिपोर्ट में यह बात कही। न प्रस्तावित अस्पतालों में सक्षम मरीज आर्थिक रूप से कमजोर लोगों के उपचार में सहायक होंगे। नोएल टाटा ने बल दिया कि परमार्थ का आकलन केवल खर्च या पहुंच से नहीं, बल्कि लोगों के जीवन में आए दीर्घकालिक बदलाव से होना चाहिए। वित्त वर्ष 2025-26 में कुल व्यय में ग्रामीण विकास को सर्वाधिक 457.62 करोड़ रुपए मिले, इसके बाद शिक्षा और कैंसर उपचार प्रमुख क्षेत्र रहे। व्यक्तिगत अनुदान में चिकित्सा सहायता सबसे ऊपर रही। ट्रस्ट की 2026-31 की स्वास्थ्य रणनीति का लक्ष्य 75 विकास खंडों और 100 से अधिक सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त कर 25 लाख लोगों तक पहुंचना और 20 हजार स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशिक्षित करना है। टाटा ट्रस्ट के कैंसर उपचार कार्यक्रम के तहत 1 लाख से अधिक बाह्य रोगी परामर्श दिए गए। नोएल टाटा ने भारतीय

प्रतिभा पलायन और परोपकार के बदलते स्वरूप पर भी प्रकाश डालते हुए, सबसे बड़ा बनने के बजाय सबसे बेहतर बनने की महत्ता पर जोर दिया।

महंगाई भत्ते पर टिकी नजरें, 21 अक्टूबर को अहम बैठक संभव

14 अक्टूबर की कैबिनेट में नहीं हुआ ऐलान, अब 3-4 फीसदी बढ़ोतरी की उम्मीद

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार के लाखों कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को जुलाई 2026 से प्रभावी होने वाले महंगाई भत्ते (डीए) और महंगाई राहत (डीआर) में बढ़ोतरी का बेसब्री से इंतजार है। 14 अक्टूबर की कैबिनेट बैठक में डीए वृद्धि पर कोई फैसला न होने से उनका इंतजार और बढ़ गया है, अब सबकी निगाहें 21 अक्टूबर को होने वाली अगली बैठक पर हैं।

जहां रेलवे कर्मचारियों को हाल ही में परफॉर्मेंस-लिंक्ड बोनस का तोहफा मिला है, वहीं केंद्रीय कर्मचारियों को अभी भी डीए वृद्धि का बेसब्री से इंतजार है। कर्मचारियों को दशहरे के बाद इस संबंध में कोई अच्छी खबर मिलने की उम्मीद है। 21 अक्टूबर को कैबिनेट की अगली बैठक निर्धारित है, और ऐसी प्रबल संभावना है कि इस बैठक में सरकार डीए बढ़ोतरी को आधिकारिक मंजूरी दे सकती है। हालांकि, सरकार ने अभी तक इस पर आधिकारिक तौर पर किसी तारीख की पुष्टि नहीं की है, और अतीत में भी घोषणाएं अलग-अलग समय पर हुई हैं।

सैटेलाइट इंटरनेट पर बढ़ा विवाद, स्टारलिंक और रिलायंस आमने-सामने

स्टारलिंक ने तैयारियों का किया दावा; रिलायंस ने प्रतिस्पर्धा और नियमों के पालन पर दिया जोर

मुंबई ।

भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवा के आगमन से पहले ही एलन मस्क की कंपनी स्टारलिंक और मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज के बीच जुबानी जंग तेज हो गई है। स्टारलिंक ने जहां अपनी सेवाएं शुरू करने की तैयारियों का दावा किया है, वहीं रिलायंस ने भारतीय नियमों के पालन और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा पर जोर दिया है। इस विवाद में सरकार ने भी सभी कंपनियों के लिए समान नियमों का हवाला दिया है। भारत में सैटेलाइट इंटरनेट सेवाओं के बाजार में प्रवेश को लेकर स्टारलिंक और रिलायंस के बीच बयानबाजी अब गरमा गई है। मस्क ने भारत में स्टारलिंक की एंट्री में रुकावटों पर सवाल उठाए थे, जिसके बाद रिलायंस ने साफ किया कि वह किसी भी प्रतिस्पर्धा से नहीं डरती। अब स्टारलिंक ने भी अपना पक्ष रखते हुए भारत में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने की अपनी तैयारियों पर जोर दिया है।

स्टारलिंक ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी स्थिति स्पष्ट करते हुए कहा कि वह पांच साल से अधिक समय से भारत में काम कर रही है और देश में हाई-स्पीड इंटरनेट उपलब्ध कराने के लिए पूरी तरह तैयार है। कंपनी ने इंफ्रास्ट्रक्चर और सुरक्षा व्यवस्था तैयार कर ली है, हालांकि, सेवा शुरू करने के लिए सभी सरकारी शर्तों को पूरा करना अनिवार्य है। दूसरी ओर, रिलायंस ने स्पष्ट किया है कि उसे प्रतिस्पर्धा से कोई डर नहीं, बल्कि वह ग्राहकों को बेहतर सेवाएं देने में विश्वास रखती है। कंपनी ने जियो के उदाहरण से अपनी क्षमता का प्रदर्शन किया। रिलायंस ने सभी कंपनियों का स्वागत करते हुए भारतीय कानूनों और नीतियों के पालन पर जोर दिया।

सॉफ्टबैंक की निकासी के बावजूद लेंसकार्ट में निवेशकों का बढ़ता भरोसा

भारतीय म्यूचुअल फंड और एफपीआई ने हाथों-हाथ खरीदे बेचे गए शेयर

नई दिल्ली ।

जापानी निवेश फर्म सॉफ्टबैंक द्वारा अपनी हिस्सेदारी घटाने के बावजूद भारतीय म्युचुअल फंडों और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने आईवियर रिटेलर लेंसकार्ट सॉल्यूशंस के सभी बेचे गए शेयरों को तत्काल खरीद लिया है। यह घटनाक्रम कंपनी के मजबूत वित्तीय प्रदर्शन और मुनाफे में लगातार बढ़ोतरी पर निवेशकों के गहरे भरोसे को दर्शाता है। हाल ही में लॉक-इन अवधि समाप्त होने के बाद सॉफ्टबैंक ने इस साल दो ब्लॉक डील्स के जरिए लेंसकार्ट में अपनी हिस्सेदारी मार्च के 13.13 फीसदी से घटाकर अब 7.27 फीसदी कर दी है।

इसके बावजूद, निवेशकों का यह मजबूत विश्वास कंपनी के दमदार वित्तीय नतीजों और मुनाफे में तेज बढ़ोतरी के कारण कायम है।

हालिया आंकड़ों के अनुसार, लेंसकार्ट में सबसे बड़ा फंड एसबीआई म्यूचुअल फंड ग्रोथ फंड है, जिसकी हिस्सेदारी 3 फीसदी है, जिसके बाद कोटक टेक्नोलॉजी फंड (1.76 फीसदी) और एचएसबीसी मल्टी कैप फंड (1.34 फीसदी) का स्थान आता है। बीते एक साल में लेंसकार्ट के शेयर ने बाजार के मुकाबले बेहतरीन प्रदर्शन किया है, जिसमें 43.4 फीसदी की तेजी देखी गई है, जबकि निफ्टी 50 में इसी अवधि में 11.7 फीसदी की गिरावट आई है। विश्लेषकों का मानना है कि यह वृद्धि केवल अल्पकालिक उत्साह का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कंपनी की कमाई में मजबूत बढ़ोतरी का सीधा नतीजा है।

विदेशी निवेशकों ने अक्टूबर में बाजार से 52,100 करोड़ निकाले

- कच्चे तेल की ऊंची कीमतें, अमेरिकी बॉन्ड यील्ड और डॉलर की मजबूती बनी वजह

नई दिल्ली।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने अक्टूबर माह में अब तक भारतीय शेयर बाजार से बड़े पैमाने पर 52,100 करोड़ रुपए की निकासी की है। यह लगातार दूसरा महीना है जब विदेशी पूंजी भारत से बाहर निकली है, जिससे घरेलू शेयर बाजारों पर दबाव बढ़ गया है। कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें, अमेरिका में बॉन्ड पर बढ़ता प्रतिफल और डॉलर की मजबूती इस निकासी के प्रमुख कारण बताए जा रहे हैं। सेंट्रल डिपॉजिटरी सर्विसेज लिमिटेड (सीडीएसएल) के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर में भी एफपीआई ने भारतीय शेयरों से 35,861 करोड़ रुपये निकाले थे। इस ताजा निकासी के साथ, चालू वर्ष 2023 में अब तक विदेशी निवेशक भारतीय शेयर बाजार से कुल 3.12 लाख करोड़ रुपये निकाल चुके हैं, जो पिछले वर्ष 2022 में हुई कुल 1.66 लाख करोड़ रुपये की निकासी से कहीं अधिक है। इससे पहले, जुलाई में 20,200 करोड़ रुपए और अगस्त में 29,631 करोड़ रुपए का निवेश देखा गया था। जॉइस वेल्थ के एक निवेश रणनीतिकार ने इस निरंतर बिकवाली के पीछे कई कारणों का उल्लेख किया। उनके अनुसार, अमेरिका में सरकारी बॉन्ड पर ऊंचे प्रतिफल, डॉलर की मजबूती और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें मुख्य वजहें हैं। अमेरिका में बढ़ती महंगाई से ब्याज दरों में और वृद्धि की आशंका है, जिससे अमेरिकी परिसंपत्तियां विदेशी निवेशकों के लिए अधिक आकर्षक हो गई हैं। उन्होंने यह भी बताया कि महंगा कच्चा तेल भारतीय अर्थव्यवस्था पर अतिरिक्त दबाव डाल रहा है और उत्तर एशियाई बाजारों में कृत्रिम मेधा (एआई) से जुड़ी कंपनियों के शेयरों में तेजी के कारण भी पूंजी उन बाजारों की ओर आकर्षित हो रही है। हालांकि, 16 अक्टूबर को विदेशी निवेशकों ने कुछ लिवाली भी की थी। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के निवेश रणनीतिकार ने इसे अमेरिका में 10-वर्षीय बॉन्ड प्रतिफल में गिरावट और डॉलर के मुकाबले रुपये के मजबूत होने का अस्थायी परिणाम बताया।

एनटीपीसी परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में करेगी विस्तार, 30 गीगावाट का लक्ष्य

उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में नए स्थलों की तलाश

नई दिल्ली ।

देश की सबसे बड़ी बिजली उत्पादक कंपनी एनटीपीसी अब परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में अपनी मौजूदगी का व्यापक विस्तार करने की तैयारी में है। कंपनी ने वर्ष 2047 तक देश में 30 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता स्थापित करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया है, जिसके लिए उत्तर प्रदेश सहित कई राज्यों में संभावित स्थलों की तलाश की जाएगी। यह पहल देश में गैर-जीवाश्म ऊर्जा स्रोतों से बिजली उत्पादन बढ़ाने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। एनटीपीसी 2032 तक कम से कम 2 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता विकसित करने पर काम कर रहा है।

यह केंद्र सरकार के 2047 तक 100 गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता के महत्वाकांक्षी राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में भी सहायक होगा। सार्वजनिक क्षेत्र की यह कंपनी बिहार, मध्य प्रदेश और ओडिशा में परमाणु बिजली परियोजनाओं के लिए व्यवहार्यता अध्ययन पूरा कर चुकी है, जिसमें बांका (बिहार), बसई (मध्य प्रदेश) और नबरंगपुर (ओडिशा) को संभावित स्थल के रूप में चिह्नित किया गया है। अब कंपनी उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों में भी उपयुक्त स्थानों की तलाश करेगी।

हालांकि, संभावित स्थल के चयन के बाद भी तकनीकी और नियामक प्रक्रियाओं की लंबी श्रृंखला पूरी करनी होगी। एनटीपीसी औसतन 1,400 मेगावाट क्षमता वाली परमाणु परियोजनाएं स्थापित करने की योजना बना रही है, जिसमें 700-700 मेगावाट की दो इकाइयां होंगी।

उद्योग के अनुमान के अनुसार, प्रति गीगावाट क्षमता के लिए लगभग 15,000 से 20,000 करोड़ रुपये का निवेश अपेक्षित है। इन परियोजनाओं के लिए पर्याप्त भूमि, निरंतर जलापूर्ति और मजबूत सुरक्षा व्यवस्था आवश्यक होगी।

आस्था के उत्सव में मौत

कुमार कृष्णन

उत्सव की सफलता भीड़ की विशालता से नहीं, लोगों की सुरक्षा से तय होती है। मां के दर्शन के लिए निकला कोई श्रद्धालु अपने घर लौटते समय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी लेकर न लौटे–यही किसी भी सभ्य समाज, संवेदनशील प्रशासन और जिम्मेदार आयोजन व्यवस्था की असली कसौटी है।

दुर्गा पूजा के पंडाल में मां के दर्शन की प्रतीक्षा कर रहे लोगों को शायद अंदाजा भी नहीं रहा होगा कि जिस उत्सव में वे अपने परिवार के साथ खुशियां बांटने आए हैं, वही उनके जीवन की सबसे भयावह स्मृति बन जाएगा। कोलकाता के चोरबागान सार्वजनिक दुर्गा पूजा पंडाल में 17 अक्टूबर की शाम भगदड़ ने आस्था, उल्लास और उत्सव के वातावरण को चीख-पुकार में बदल दिया। जिन हाथों में पूजा की थालियां थीं, वे अपनों को बचाने के लिए बेचैन थे। जिन आंखों में मां दुर्गा के दर्शन की उम्मीद थी, उनके सामने अपनों को खोने का असहनीय दृश्य था। यह केवल एक दुर्घटना नहीं, बल्कि हमारे सार्वजनिक आयोजनों की सुरक्षा व्यवस्था के सामने खड़ा एक गंभीर प्रश्न है।

दुर्गा पूजा बंगाल की सांस्कृतिक पहचान का अभिन्न हिस्सा है। कोलकाता में पूजा पंडाल केवल धार्मिक अनुष्ठान के केंद्र नहीं होते, बल्कि कला, शिल्प, सामाजिक सहभागिता और सामुदायिक जीवन के जीवंत प्रतीक भी हैं। हर साल लाखों लोग पंडालों में दर्शन करने और उनकी कलात्मक सजावट देखने पहुंचते हैं। इस व्यापक जनभागीदारी के कारण पूजा आयोजनों की जिम्मेदारी भी सामान्य धार्मिक आयोजन से कहीं अधिक हो जाती है। जब किसी पंडाल में बड़ी संख्या में लोग जुटते हैं, तो आयोजकों, पुलिस, प्रशासन और आपदा प्रबंधन से जुड़े विभागों को संभावित जोखिमों का पूवार्नुमान लगाकर तैयारी करनी चाहिए।

चोरबागान की घटना के बाद सामने आई शुरूआती खबरों में भारी बारिश, भीड़ के दबाव और प्रवेश-निकास की व्यवस्था को लेकर सवाल उठे। पुलिस ने बताया कि शाम लगभग 7 बजकर 40 मिनट पर गिरिश पार्क थाना क्षेत्र के अंतर्गत शारदा पार्क स्थित चोरबागान पूजा पंडाल के निकास द्वार पर भीड़ के कारण भगदड़ की स्थिति बनी। लोगों को अस्पताल पहुंचाया गया और पंडाल में दर्शन रोक दिए गए। इन शुरूआती जानकारियों के आधार पर दुर्घटना के प्रत्येक कारण का अंतिम निष्कर्ष निकालना उचित नहीं होगा। इसके लिए निष्पक्ष जांच जरूरी है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि घटना ने भीड़ प्रबंधन और सार्वजनिक सुरक्षा की तैयारियों की समीक्षा को अनिवार्य बना दिया है।

सबसे बड़ा सवाल है कि जब मौसम खराब हो रहा था और पंडाल में श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ रही थी, तब लोगों की आवाजाही को नियंत्रित करने के लिए क्या व्यवस्था थी? क्या प्रवेश और निकास के रास्ते पर्याप्त चौड़े थे? क्या आपातकालीन निकास की व्यवस्था थी? क्या भीड़ की अधिकतम सीमा तय की गई थी? क्या पुलिस और स्वयंसेवकों के पास भीड़ को अलग-अलग दिशाओं में व्यवस्थित करने की योजना थी? क्या किसी अप्रत्याशित परिस्थिति में लोगों को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाने का अभ्यास किया गया था? इन सवालों के जवाब केवल चोरबागान की घटना के लिए नहीं, बल्कि देशभर में आयोजित होने वाले बड़े धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए जरूरी हैं।

भारत में धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ से जुड़ी दुर्घटनाएं बार-बार होती रही हैं। कभी मंदिरों में, कभी तीर्थस्थलों पर, कभी धार्मिक जुलूसों में और कभी बड़े सार्वजनिक समारोहों में। हर ऐसी घटना के बाद शोक व्यक्त किया जाता है, मुआवजे की घोषणा होती है, जांच के आदेश दिए जाते हैं और कुछ समय तक सुरक्षा व्यवस्था पर चर्चा चलती है। फिर धीरे-धीरे सब कुछ सामान्य हो जाता है। अगला उत्सव आता है, भीड़ जुटती है और वही पुरानी कमजोरियां नए हादसे की आशंका पैदा करने लगती हैं। यह सिलसिला बताता है कि समस्या केवल किसी एक अधिकारी की लापरवाही या किसी एक आयोजन की अव्यवस्था तक सीमित नहीं है। इसके पीछे सुरक्षा को लेकर हमारी संस्थागत सोच की कमियां भी हैं।

भीड़ अपने आप में दुर्घटना का कारण नहीं होती। समस्या तब पैदा होती है जब लोगों की संख्या उपलब्ध स्थान की क्षमता से अधिक हो जाती है, आवाजाही के रास्ते अवरुद्ध होते हैं, प्रवेश और निकास का प्रवाह बिगड़ता है या किसी अफवाह, अचानक हुई बारिश अथवा अप्रत्याशित घटना से लोग एक साथ आगे बढ़ने लगते हैं। भीड़ के दबाव में गिरा हुआ व्यक्ति दूसरों के लिए भी खतरा बन सकता है। ऐसे समय में कुछ क्षणों की अव्यवस्था जानलेवा साबित हो सकती है। इसलिए भीड़ प्रबंधन का अर्थ केवल पुलिसकर्मियों की तैनाती या बैरिकेड लगाने तक सीमित नहीं है। इसके लिए वैज्ञानिक आकलन, प्रशिक्षित कर्मियों, स्पष्ट संचार और आपातकालीन निकासी की समन्वित व्यवस्था जरूरी है।

धार्मिक आयोजनों की सुरक्षा में मौसम संबंधी जोखिमों को भी गंभीरता से लिया जाना चाहिए। बारिश, बिजली गिरने की आशंका, तेज हवा और जलभराव जैसी परिस्थितियां किसी आयोजन की व्यवस्था को अचानक प्रभावित कर सकती हैं। ऐसे में आयोजकों के पास वैकल्पिक योजना होनी चाहिए। भीड़ को सुरक्षित स्थानों पर रोकने, प्रवेश अस्थायी रूप से बंद करने, लाउडस्पीकर के माध्यम से स्पष्ट निर्देश देने और जरूरत पड़ने पर आयोजन स्थगित करने का निर्णय समय रहते लिया जाना चाहिए। श्रद्धालुओं को दर्शन से रोकना कुछ समय के लिए अप्रिय लग सकता है, लेकिन लोगों की जान बचाने के सामने ऐसी असुविधा का महत्व बहुत कम है।

दुर्घटना के बाद मुआवजा देना मानवीय सहायता का जरूरी हिस्सा है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें तत्काल आर्थिक सहायता, कानूनी मदद और प्रशासनिक सहयोग मिलना चाहिए। घायलों के उपचार में किसी प्रकार की कमी नहीं रहनी चाहिए। लेकिन मुआवजा किसी व्यक्ति की जिंदगी का विकल्प नहीं हो सकता। एक परिवार का कमाने वाला सदस्य चला जाए, किसी मां की गोद उजड़ जाए या किसी बच्चे के सिर से माता-पिता का साया उठ जाए, तो आर्थिक सहायता उस क्षति को पूरा नहीं कर सकती। इसलिए सरकार और प्रशासन की प्राथमिकता केवल हादसे के बाद राहत देने की नहीं, बल्कि हादसे से पहले उसे रोकने की होनी चाहिए।

जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है। किसी दुर्घटना के बाद केवल पूजा समिति या किसी एक कर्मचारी को दोषी ठहरा देना पर्याप्त नहीं होगा। यह पता लगाना जरूरी है कि आयोजन की अनुमति किन शर्तों पर दी गई थी, सुरक्षा संबंधी निदेर्शों का पालन हुआ या नहीं, स्थल की क्षमता का आकलन किसने किया, पुलिस और प्रशासन की तैनाती कैसी थी तथा जोखिम बढ़ने पर समय रहते क्या कदम उठाए गए। यदि आयोजकों, सुरक्षा एजेंसी या संबंधित अधिकारियों की लापरवाही सामने आती है, तो कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। लेकिन जांच निष्पक्ष होनी चाहिए और जिम्मेदारी का निर्धारण प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए, न कि राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप के आधार पर। कोलकाता की इस त्रासदी से देश के दूसरे शहरों को भी सीख लेनी चाहिए। दुर्गा पूजा, गणेशोत्सव, छठ, कांवड़ यात्रा, धार्मिक मेले, मंदिरों के वार्षिक उत्सव और बड़े सांस्कृतिक समारोहों में लाखों लोग शामिल होते हैं। प्रत्येक आयोजन की प्रकृति अलग हो सकती है, लेकिन सुरक्षा के बुनियादी सिद्धांत समान हैं। भीड़ की क्षमता के अनुसार प्रवेश-पत्र या समय-आधारित दर्शन की व्यवस्था, अलग प्रवेश और निकास मार्ग, प्रशिक्षित स्वयंसेवक, पर्याप्त प्रकाश, सीसीटीवी निगरानी, चिकित्सा सहायता केंद्र, एंबुलेंस के लिए निर्बाध रास्ता और आपातकालीन निकासी की पूर्वनिर्धारित योजना अनिवार्य होनी चाहिए। केवल कागज पर योजना बना देना पर्याप्त नहीं है; उसका अभ्यास और नियमित निरीक्षण भी जरूरी है।

आयोजन समितियों को भी यह समझना होगा कि लोकप्रियता और भीड़ का आकार ही सफलता का पैमाना नहीं है। बड़े पंडाल, आकर्षक सजावट, भव्य प्रकाश व्यवस्था और प्रायोजकों की भागीदारी तभी सार्थक हैं, जब श्रद्धालु सुरक्षित वातावरण में दर्शन कर सकें। प्रशासन को अनुमति देते समय सुरक्षा मानकों की जांच करनी चाहिए और आयोजन के दौरान भी उनकी निगरानी करनी चाहिए। यदि भीड़ नियंत्रण से बाहर हो रही हो, तो किसी भी दबाव से मुक्त होकर प्रवेश रोकने या आयोजन अस्थायी रूप से बंद करने का निर्णय लिया जाना चाहिए। सुरक्षा संबंधी नियमों को औपचारिकता मानने की प्रवृत्ति समाप्त करनी होगी।

मीडिया और नागरिक समाज की भी इसमें भूमिका है। दुर्घटना के समय अपुष्ट तस्वीरों, मृतकों की गलत संख्या और सनसनीखेज दावों को प्रसारित करने के बजाय विश्वसनीय सूचना को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अफवाहें राहत और बचाव के काम को बाधित कर सकती हैं। वहीं, दुर्घटना के बाद मीडिया का दायित्व केवल घटनास्थल के दृश्य दिखाना नहीं, बल्कि जांच के निष्कर्षों और सुरक्षा सुधारों पर भी नजर रखना है। जब तक जवाबदेही तय नहीं होती और व्यवस्था में वास्तविक बदलाव नहीं आता, तब तक सार्वजनिक विमर्श को जीवित रखना जरूरी है।

मां दुर्गा की आराधना शक्ति, साहस और अन्याय के विरुद्ध संघर्ष का संदेश देती है। दुर्गा पूजा का उत्सव जीवन, सामुदायिक एकता और सांस्कृतिक उल्लास का उत्सव है। यदि इसी उत्सव में श्रद्धालुओं की जान चली जाए, तो हमें अपनी व्यवस्थाओं पर गंभीर आत्ममंथन करना चाहिए। आस्था के नाम पर जोखिम को स्वीकार नहीं किया जा सकता। श्रद्धालु प्रशासन पर भरोसा करके अपने परिवार के साथ घर से निकलते हैं। उस भरोसे की रक्षा करना राज्य, आयोजकों और समाज की साझा जिम्मेदारी है।

चोरबागान की घटना में जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके दुख की भरपाई संभव नहीं है। लेकिन उनकी पीड़ा को केवल शोक संदेशों और मुआवजे की घोषणाओं तक सीमित कर देना भी अन्याय होगा। इस त्रासदी की निष्पक्ष जांच हो, जिम्मेदारी तय हो और उसके निष्कर्षों के आधार पर सुरक्षा व्यवस्था में ठोस सुधार किए जाएं। आने वाले हर बड़े आयोजन में इन सुधारों की परीक्षा होनी चाहिए।

उत्सव की सफलता भीड़ की विशालता से नहीं, लोगों की सुरक्षा से तय होती है। मां के दर्शन के लिए निकला कोई श्रद्धालु अपने घर लौटते समय जीवन की सबसे बड़ी त्रासदी लेकर न लौटे–यही किसी भी सभ्य समाज, संवेदनशील प्रशासन और जिम्मेदार आयोजन व्यवस्था की असली कसौटी है।

संपादकीय

वास्तविकताओं से परे

सियासत की अंकतालिका में हिमाचल का नागरिक समाज जिन मुद्दों का मुरीद हो रहा है, वहां प्रदेश की वित्तीय स्थिति घायल व अपाहिज हो चुकी है। आश्चर्य यह कि नागरिक समाज न तो संघर्ष की सतह पर खड़ा हो पाता है और न ही प्रदेश के किरदार में जगह ढूंढ पाता है, लिहाजा इसे आती जाती सरकारों से सियासी खुराक चाहिए। राजनीति यहां पांच साल की खुराक में नागरिक समाज की औकात बता देती है और जहां रीढ़ विहीन मिन्नतें दरबारी बन जाती हैं। समाज केंचुआ प्रवृत्ति को भांपते हुए सियासी मुद्दों की कौन सी समीक्षा करेगा। थोड़ा सा फर्क सोशल मीडिया के कारण जरूर आया है और इसीलिए हकीकत के सामने ह्यमुखौटेह्न बेपर्दा होने लगे हैं। अभी हाल ही में जिलों की नई वकालत में प्रदेश के पुराने सारे संदर्भ और परिस्थितियां गुम होने लगी हैं, तो ताजुब्ब नहीं होना चाहिए कि समाज दिन में सपने देखकर अपने अंधेरों को गुमराह करने लगा है। आश्चर्य यह है कि समाज पंचायत जैसी इकाई की कार्यपद्धति में अप्रासंगिक होते हुए भी, यह मनोकामना करता है कि सरकार कुछ नए स्तंभ बनाए, घोषणाओं की मशहूरी करे या ऐसी खुशखबरी सुनाए जो वास्तविकताओं से परे स्वप्र नगरियों का उदय जैसा है। ऐसी ही स्वप्र नगरी से इस बार चादर हटाई तो सामने नए जिलों के सपनों के आगे जनता भीख मांगती नजर आएगी। आप जितनी गिनती कर सकते हैं, उतने जिले उकेर दो। कम से कम सोशल मीडिया के तलबगार तो कह रहे हैं कि हर विधानसभा क्षेत्र में कम से कम एक नया जिला निकल आए। यानी आगामी चुनाव की जीत-हार के लिए कोई न कोई जिला चाहिए। कभी नया स्कूल खोलकर वोट आते थे, फिर मतों ने नए कालेज खोले।

मतदाता की ख्वाहिशें बढ़ीं तो विश्वविद्यालयों के परिसर राजनीति के टुकड़ों में बंट गए या चुनाव की हथेलियों पर मेडिकल कालेज रख दिए गए। देखना यह है कि अब जबकि कई शिक्षण संस्थान अप्रासंगिक हो गए, तो वोटर के मन का सौदा कैसे करें। हमारे विभाग और विभागीय मंत्री हर बार मतदाता से होली खेलते हुए इतने ही नए कार्यालय, सरकारी होटल, बस डिपो, डिस्पेंसरियां, पशु औषधालय खोल चुके हैं कि अब शतरंज का मोहरा किसे बनाया जाए। जाहिर है इस खेल का माहिर आम नागरिक नहीं होता। इसलिए एक नया रूपजाल सामने आया, वरना जिस प्रदेश के कंधों पर एक लाख करोड़ के करीब कर्ज हो, उसको नए जिलों की तालियां अभिशप्त ही करेंगी। जाहिर है हिमाचल पर चढ़ा सारा ऋण सियासी प्राथमिकताओं की वजह से आज भयावह स्थिति तक पहुंच गया है। हमारे यहां सरकारी कर्मचारी व पेंशनभोगी करीब साढ़े चार से पांच लाख के करीब हैं, लेकिन इसकी राजनीतिक गणना से प्रदेश का सत्तर फीसदी बजट अर्पित हो रहा है। शेष तीस प्रतिशत बजट के हवाले से अगर आर्थिक सांसें लेनी हैं, तो फैसलों को फूंक-फूंक कर कदम उठाने होंगे। इतना ही नहीं निजी क्षेत्र में रोजगार या स्वरोजगार-व्यापार में करीब 25 लाख लोग हैं जो जीडीपी की दर को आसरा दे रहे हैं। हिमाचल के कितने ही लोग शराब पी कर राज्य को कर प्रदान कर रहे हैं। शायद दो चार जिले बढ़ा कर हमें शराब की बिक्री तो बढ़ानी ही पड़ेगी। आश्चर्य यह भी कि हिमाचल एकमात्र ऐसा राज्य है जो एक भी आई टी या ज्ञान पार्क नहीं बना पाया। करीब पांच सालों से चैतडू आई टी पार्क खंडहर में तबदील हो रहा है। विश्वविद्यालय के जदरांगल परिसर को तीस करोड़ नहीं मिल रहे। बेशक वर्तमान सरकार ने कुछ कड़े आर्थिक फैसले लिए और इनकी वजह प्रदेश हित में रही, लेकिन बंद दरवाजों के पीछे नई खिड़कियों के ताले टूट जाएं, तो सारी मेहनत बेकार होगी। इस समय सोशल मीडिया की बहस में वो आवाजें सुनी जानी चाहिएं जो नए जिलों की परिकल्पना को आर्थिक बिंदुओं से तोल रही हैं या कुछ दिन पहले स्वयं मुख्यमंत्री ने सरकारी कर्मचारियों से जुड़े मसलों पर हाईकोर्ट के कान में कहा था कि न्याय की कसौटी में प्रदेश की बजटीय स्थिति नजरअंदाज नहीं होनी चाहिए। हमारा नागरिक समाज बबूल के पेड़ों से आम खाने की उम्मीद कर रहा है।

सामाजिक सुरक्षा का कवच और समावेशी विकास का उजाला

ललित गर्ग

किसी राष्ट्र की प्रगति का वास्तविक मूल्यांकन केवल उसकी आर्थिक विकास दर, विशाल औद्योगिक परियोजनाओं, आधुनिक तकनीक, विदेशी निवेश और ऊंची प्रति व्यक्ति आय से नहीं किया जा सकता। विकास की सार्थकता तब सिद्ध होती है, जब समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति को भी जीवन की अनिश्चितताओं से सुरक्षा मिले, श्रमिक को अपने भविष्य के प्रति विश्वास हो, वृद्धावस्था अभाव का पर्याय न बने और बीमारी किसी परिवार को आर्थिक संकट के गर्त में न धकेल दे। सामाजिक सुरक्षा इसी मानवीय विकास का आधार है। यह केवल सरकारी सहायता की व्यवस्था नहीं, बल्कि नागरिकों के सम्मान, आत्मविश्वास, आर्थिक स्थिरता और सामाजिक न्याय का ऐसा आधारस्तंभ है, जिस पर एक सशक्त एवं समावेशी राष्ट्र का निर्माण होता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने पिछले वर्षों में जनकल्याणकारी योजनाओं के विस्तार के माध्यम से सामाजिक सुरक्षा को व्यापक बनाने की दिशा में अनेक कदम उठाए हैं। इन पहलों ने करोड़ों लोगों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक, स्वास्थ्य, खाद्य और सामाजिक सहायता से जोड़ने में भूमिका निभाई है। हालांकि, बदलती आर्थिक परिस्थितियों और विशाल श्रमबल की आवश्यकताओं को देखते हुए अभी इस दिशा में बहुत कुछ किया जाना शेष है।

अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन (आईएलओ) की 2026 की रिपोर्ट के अनुसार, भारत में सामाजिक सुरक्षा का दायरा वर्ष 2015 के 19 प्रतिशत से बढ़कर 64.3 प्रतिशत यानी 94 करोड़ से अधिक नागरिकों तक पहुंच गया है। यह विस्तार बताता है कि सामाजिक संरक्षण अब देश की विकास संबंधी प्राथमिकताओं का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। लेकिन सामाजिक सुरक्षा की सफलता का आकलन केवल लाभार्थियों की संख्या से नहीं होना चाहिए। वास्तविक प्रश्न यह है कि कितने लोगों को आवश्यकता के समय पर्याप्त सहायता मिलती है, कितने परिवार बीमारी और बेरोजगारी के संकट से उबर पाते हैं तथा कितने श्रमिक बुढ़ापे में सम्मानपूर्वक जीवन जीने की स्थिति में हैं। योजनाओं की व्यापकता के साथ उनकी पर्याप्तता, गुणवत्ता और निरंतरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण है।

भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में सामाजिक सुरक्षा का महत्व इसलिए भी अधिक है, क्योंकि यहां श्रमबल का बड़ा हिस्सा असंगठित क्षेत्र से जुड़ा है। उपलब्ध श्रम संबंधी आंकड़ों के अनुसार, देश के कुल श्रमबल में लगभग 87 प्रतिशत हिस्सेदारी असंगठित क्षेत्र की है। खेतों में काम करने वाले किसान-मजदूर, निर्माण श्रमिक, घरेलू कामगार, रेहड़ी-पटरी वाले, छोटे दुकानदार, दैनिक वेतनभोगी और विभिन्न सेवाओं से जुड़े कामगार देश की अर्थव्यवस्था को गति देते हैं। लेकिन इनमें से बड़ी संख्या के पास नियमित वेतन, भविष्य निधि, पेंशन, स्वास्थ्य बीमा और दुर्घटना सुरक्षा जैसी सुविधाएं नहीं हैं। रोजगार मिलने और छिनने के बीच उनका जीवन अक्सर अनिश्चितता से घिरा रहता है। ऐसे में सामाजिक सुरक्षा को केवल संगठित क्षेत्र तक सीमित रखना पर्याप्त नहीं है। इसकी पहुंच उन हाथों तक भी सुनिश्चित करनी होगी, जो देश की उत्पादन व्यवस्था और सेवा अर्थव्यवस्था को अपने श्रम से संचालित करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार ने जनधन खातों, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण, आधार आधारित पहचान और डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना के माध्यम से सरकारी सहायता को लाभार्थियों तक पहुंचाने के लिए एक व्यापक व्यवस्था विकसित की है। प्रधानमंत्री जनधन योजना ने बैंकिंग सुविधाओं से वंचित लोगों को औपचारिक वित्तीय व्यवस्था से जोड़ने में योगदान दिया है। प्रत्यक्ष लाभ अंतरण ने अनेक योजनाओं में बिचौलियों की भूमिका कम करने और सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का मार्ग प्रशस्त किया है। इन व्यवस्थाओं ने सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के क्रियान्वयन को अधिक पारदर्शी बनाने की संभावनाएं मजबूत की हैं।

स्वास्थ्य सुरक्षा सामाजिक संरक्षण का सबसे संवेदनशील पक्ष है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना ने पात्र परिवारों को अस्पताल में भर्ती होकर उपचार कराने के लिए स्वास्थ्य सुरक्षा उपलब्ध कराने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। 70 वर्ष और उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना योजना के माध्यम से स्वास्थ्य कवरेज के दायरे में लाने की पहल ने वृद्धावस्था में चिकित्सा संबंधी चिंताओं को कम करने का प्रयास किया है। फिर भी सार्वजनिक स्वास्थ्य पर व्यय बढ़ाने, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों को सशक्त बनाने, ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने और दवाओं तथा जांच की लागत कम करने की आवश्यकता बनी हुई है। गंभीर बीमारी के कारण किसी परिवार की वर्षों की बचत समाप्त हो जाना या उसे कर्ज लेने के लिए विवश होना सामाजिक सुरक्षा की अपूर्णता को उजागर करता है। स्वास्थ्य सुविधाएं तभी प्रभावी सुरक्षा कवच बनेंगी, जब उपचार की उपलब्धता के साथ उसकी वहनीयता भी सुनिश्चित होगी।

आर्थिक सुरक्षा के क्षेत्र में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना और प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना जैसी पहलें अलग-अलग वर्गों की आवश्यकताओं को संबोधित करती हैं। पीएम-किसान के माध्यम से पात्र किसान परिवारों को प्रत्यक्ष आर्थिक सहायता मिलती है। अटल पेंशन योजना असंगठित क्षेत्र के लोगों को वृद्धावस्था में नियमित आय की व्यवस्था से जोड़ने का प्रयास करती है। जीवन ज्योति बीमा और सुरक्षा बीमा योजनाएं क्रमशः जीवन बीमा तथा दुर्घटना बीमा के माध्यम से परिवारों को संभावित आर्थिक संकट से बचाने में सहायक हैं। प्रधानमंत्री पोषण शक्ति निर्माण योजना, जिसे पीएम-पोषण के नाम से जाना जाता है, विद्यालयों में बच्चों को पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने के माध्यम से पोषण और शिक्षा से जुड़े सामाजिक उद्देश्यों को आगे बढ़ाती है।

श्रमिकों की दीर्घकालिक आर्थिक सुरक्षा की दृष्टि से कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) का दायरा बढ़ाने संबंधी कदम भी महत्वपूर्ण हैं। उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार, 17 सितंबर 2026 से अनिवार्य सामाजिक सुरक्षा के लिए मासिक वेतन सीमा 15,000 रुपये से बढ़ाकर 25,000 रुपये किए जाने का प्रावधान है। यदि इसका क्रियान्वयन निर्धारित स्वरूप में होता है, तो लगभग 51 लाख अतिरिक्त कर्मचारी अनिवार्य भविष्य निधि व्यवस्था के दायरे में आ सकते हैं। यह बदलाव उन कर्मचारियों के लिए विशेष महत्व रखता है, जिनका वेतन बढ़ने के कारण वे पुरानी सीमा के बाहर रह जाते थे। भविष्य निधि में नियमित अंशदान से सेवानिवृत्ति के लिए बचत का आधार तैयार होता है, जबकि लागू प्रावधानों के अनुसार पेंशन और बीमा संबंधी सुविधाएं भी परिवार को आर्थिक सहारा प्रदान कर सकती हैं। हालांकि, इस विस्तार के साथ कर्मचारियों की वर्तमान हाथ में आने वाली आय, नियोक्ताओं की लागत और छोटे उद्यमों की वित्तीय क्षमता के बीच संतुलन बनाना भी आवश्यक होगा।

सामाजिक सुरक्षा के विस्तार में ई-श्रम पोर्टल एक महत्वपूर्ण माध्यम बनकर उभरा है। बदलती अर्थव्यवस्था ने सामाजिक सुरक्षा के सामने नई चुनौतियां भी खड़ी की हैं। गिग और प्लेटफॉर्म अर्थव्यवस्था में काम करने वाले डिलीवरी कर्मियों, कैब चालकों तथा अन्य सेवा प्रदाताओं को रोजगार के अवसर तो मिलते हैं, लेकिन उनकी आय, कार्य-अवधि और भविष्य की सुरक्षा अक्सर अनिश्चित रहती है। इसी प्रकार महिलाओं, प्रवासी श्रमिकों, दिव्यांगों और वृद्ध नागरिकों की जरूरतें एक जैसी नहीं हैं। महिला श्रमिकों के लिए मातृत्व लाभ और सुरक्षित कार्यस्थल, प्रवासी श्रमिकों के लिए राज्य की सीमाओं से परे भी उपलब्ध रहने वाली सुविधाएं तथा निर्माण श्रमिकों के लिए कल्याणकारी योजनाओं तक सरल पहुंच सुनिश्चित करना आवश्यक है। सामाजिक सुरक्षा का ऐसा लचीला मॉडल विकसित होना चाहिए, जिसमें व्यक्ति के नियोक्ता, कार्यस्थल अथवा निवास स्थान बदलने पर भी उसके अधिकार बाधित न हों।

इसके साथ ही वृद्धावस्था और विधवा पेंशन की राशि को महंगाई के अनुरूप अधिक पर्याप्त बनाने, सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय बढ़ाने और असंगठित श्रमिकों के लिए योगदान आधारित पेंशन तथा बीमा विकल्पों को सरल एवं सुलभ बनाने पर विशेष ध्यान देना होगा। पंचायतों, नगर निकायों और साझा सेवा केंद्रों को सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के प्रसार तथा पंजीकरण में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। विकसित भारत का स्वप्न तभी साकार होगा, जब आर्थिक विकास के साथ सामाजिक संवेदनशीलता और मानवीय गरिमा भी समान गति से आगे बढ़ें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में सामाजिक सुरक्षा का विस्तृत होता दायरा इस दिशा में एक महत्वपूर्ण नीतिगत परिवर्तन को रेखांकित करता है। लेकिन अगला चरण केवल योजनाओं के विस्तार का नहीं, बल्कि उनके प्रभावी क्रियान्वयन, पर्याप्त वित्तीय संसाधनों और अंतिम व्यक्ति तक वास्तविक लाभ पहुंचाने का होना चाहिए। सामाजिक सुरक्षा पर होने वाला व्यय सरकारी खजाने पर बोझ नहीं, बल्कि स्वस्थ, उत्पादक और आत्मविश्वासी समाज के निर्माण में निवेश है। जब श्रमिक को भविष्य की चिंता से राहत मिलेगी, किसान को संकट में सहारा मिलेगा, वृद्ध को सम्मानपूर्ण जीवन और गरीब परिवार को बीमारी के समय उपचार का भरोसा मिलेगा, तभी विकास की उपलब्धियां जनजीवन में सार्थक परिवर्तन ला सकेंगी। यही समावेशी विकास की वास्तविक कसौटी और एक सशक्त, संवेदनशील तथा आत्मनिर्भर भारत की आधारभूमि है।

(यह लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

संक्षिप्त समाचार

यमन के अदन एयरपोर्ट पर फिर हमला; उड़ान भरने को तैयार विमान के पास गिरी मिसाइलें

साना, एजेंसी। यमन के बंदरगाह शहर अदन के हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात दो मिसाइलें गिरने से हड़कंप मच गया। पुलिस ने हमले के लिए ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों को जिम्मेदार ठहराया है। मिसाइलें यमनिया एयरवेज के एक विमान से करीब 500 मीटर दूर गिरीं। उस समय विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। हमले से घबराए यात्रियों में चीख-पुकार मचने के बाद उनको तुरंत सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं है। यमन के रणनीतिक बंदरगाह शहर अदन के हवाई अड्डे पर शुक्रवार रात दो मिसाइलें गिरीं। पुलिस के अनुसार, यह पिछले 10 दिनों से भी कम समय में हवाई अड्डे पर दूसरा मिसाइल हमला है। इससे पहले 7 अक्टूबर को भी यहां दो मिसाइलें दागी गई थीं। उस घटना में भी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिली थी। इस बार हमले के दौरान यमनिया एयरवेज का एक विमान उड़ान भरने की तैयारी कर रहा था। यमन सरकार के सूचना मंत्री के अनुसार, मिसाइलें विमान से लगभग 500 मीटर दूर गिरीं। एक अधिकारी ने बताया कि विमान में सवार यात्रियों को तत्काल सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया।

अमेरिका में गैर-कानूनी रूप से मतदान करने के आरोपी में भारतीय नागरिक गिरफ्तार

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के मिनेसोटा में 2024 के आम चुनाव में अमेरिकी नागरिक होने का झूठा दावा करके वोट करने के आरोप में एक भारतीय नागरिक को गिरफ्तार किया गया है. अमेरिका के होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने शुक्रवार को यह जानकारी दी. आरोपी की पहचान मुकेशकुमार सोमाभाई चौधरी के रूप में की गई है. अमेरिकी जांच अधिकारियों ने चौधरी पर वोटिंग में जानबूझकर गलत जानकारी देने और वोट देने के लिए रजिस्टर करने या वोट देने के लिए नागरिकता का झूठा दावा करने का आरोप लगाया है. होमलैंड सिक्योरिटी विभाग के मुताबिक, अगर चौधरी को दोषी पाया जाता है, तो उसे हर मामले में ज्यादा से ज्यादा पांच साल जेल की सजा हो सकती है. चार्जशीट के मुताबिक, चौधरी ने 5 नवंबर, 2024 को एक वोटर सिग्नेचर सर्टिफिकेट पर साइन किया था, जैसा कि मिनेसोटा कानून के तहत आम चुनाव में वोट देने के लिए जरूरी है. दस्तावेज में उसे यह शपथ लेने या पुष्टि करने की जरूरत थी कि वह एक अमेरिकी नागरिक है. जांच अधिकारियों का आरोप है कि वह नागरिक नहीं था और उसने जानबूझकर वोट देने के लिए झूठी घोषणा की. होमलैंड सिक्योरिटी इन्वेस्टिगेशन के स्पेशल एजेंट ट्रैविस पिकार्ड ने कहा, 'सिर्फ अमेरिकी नागरिक ही मतदान कर सकते हैं, और वोट डालने के लिए नागरिकता का झूठा दावा करना एक गंभीर अपराध है. हम अपनी चुनाव प्रणाली की अखंडता की रक्षा के लिए अपने कानून लागू करने वाले दूसरे अधिकारियों के साथ काम करना जारी रखेंगे.' ष्ठ।॥स् सचिव मार्कवेन मुलिन ने कहा, 'अमेरिकी चुनावों में मतदान करने वाले विदेशी नागरिकों के लिए हमारा संदेश स्पष्ट है: हम आपको ढूंढ लेंगे, आपको गिरफ्तार करेंगे और आपको आपराधिक मामलों और निर्वासन सहित परिणामों का सामना करना पड़ेगा।

लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी से वियतनाम की चिंता बढ़ी, क्षेत्रीय सुरक्षा पर मंडराया खतरा

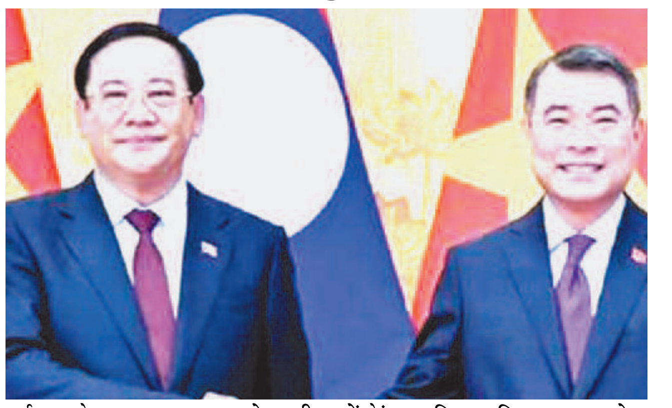

विएंतियाने , एजेंसी। लाओस में चीन की बढ़ती सैन्य मौजूदगी ने दक्षिण-पूर्व एशिया में क्षेत्रीय सुरक्षा और शक्ति संतुलन को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। खास तौर पर वियतनाम के लिए यह घटनाक्रम महत्वपूर्ण है, क्योंकि वह लंबे समय से लाओस को अपनी पश्चिमी सीमा पर रणनीतिक सुरक्षा के लिहाज से अहम सहयोगी मानता रहा है। चीन की बढ़ती सैन्य गतिविधियों, लाओस में नेतृत्व परिवर्तन और बीजिंग पर बढ़ती आर्थिक निर्भरता के बीच हनोई के सामने अपने पारंपरिक प्रभाव को बनाए रखने की चुनौती खड़ी हो रही है। लोवी इंस्टीट्यूट के विशेषज्ञ हंटर मार्स्टन ने पिछले सप्ताह कहा था कि वियतनाम को पहले से ही चारों ओर से घिरने की आशंका है, क्योंकि चीन दक्षिण चीन सागर में कृत्रिम द्वीपों और सैन्य ठिकानों को लगातार मजबूत कर रहा है।

चीन के सैन्य केंद्र के बाद वियतनाम-लाओस की अहम बैठक : 8 अक्टूबर को वियतनाम के प्रधानमंत्री ले मिन्ह हंग ने लाओस के नवनियुक्त प्रधानमंत्री सलेमक्से कोम्मासिथ से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने अपने देशों के बीच लंबे समय से चले आ रहे विशेष संबंधों को दोहराया। हालांकि, इस बैठक का महत्व इसके समय को लेकर अधिक है। यह मुलाकात चीन के राष्ट्रीय रक्षा मंत्रालय की ओर से लाओस के बान केउन हवाई अड्डे पर संयुक्त सैन्य सहायता और प्रशिक्षण केंद्र खोलने की घोषणा के करीब एक सप्ताह बाद हुई। इसके अलावा, यह लाओस की नेशनल असेंबली द्वारा सलेमक्से को प्रधानमंत्री चुने जाने के कुछ ही दिनों बाद आयोजित की गई। उन्होंने सोनेक्से सिफानडोन की जगह ली है, जिन्हें अब नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया गया है।

बीजिंग का कहना है कि इस केंद्र का उद्देश्य लाओस की वायु सेना के पायलटों को प्रशिक्षण देना है और इसका इस्तेमाल किसी तीसरे देश को निशाना बनाने के लिए नहीं किया जाएगा। हालांकि, विशेषज्ञों के मुताबिक, केंद्र की वास्तविक भूमिका का आकलन उसके आधिकारिक नाम से नहीं, बल्कि वहां तैनात सैन्यकर्मियों, उपकरणों और भविष्य में उसकी गतिविधियों के आधार पर किया जाएगा। उपलब्ध सैटेलाइट तस्वीरों में वहां हल्के लड़ाकू विमान और सहायक वाहन दिखाई देने की बात सामने आई है। ऐसे में यह देखना महत्वपूर्ण होगा कि आने वाले समय में केंद्र का विस्तार किस हद तक होता है और वहां सैन्य पहुंच तथा तैनाती से जुड़े नियम क्या रहते हैं।

लाओस में नेतृत्व परिवर्तन से हनोई की चिंता : लाओस में सत्ता परिवर्तन भी वियतनाम के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। पूर्व प्रधानमंत्री सोनेक्से सिफानडोन के परिवार के वियतनाम के साथ लंबे समय से करीबी संबंध रहे हैं। उनके पिता और लाओस के पूर्व राष्ट्रपति खामते सिफानडोन को वियतनामी नेतृत्व एक पुराने मित्र के रूप में देखता था। अप्रैल 2025 में खामते के निधन के बाद लाओस ने पांच दिन के राष्ट्रीय शोक की घोषणा की थी, जबकि वियतनाम में दो दिन का शोक मनाया गया था। यह दोनों देशों के बीच ऐतिहासिक और राजनीतिक संबंधों की गहराई को दर्शाता है।

हालांकि, सोनेक्से का प्रधानमंत्री पद छोड़ना अपने आप में यह संकेत नहीं है कि लाओस की राजनीति में वियतनाम का प्रभाव समाप्त हो रहा है। उन्हें नेशनल असेंबली का अध्यक्ष बनाया जाना बताता है कि वह अब भी देश की सत्ता व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।

इसी तरह, नए प्रधानमंत्री सलेमक्से कोम्मासिथ की नियुक्ति को भी सीधे चीन समर्थक गुट की जीत के रूप में देखना जल्दबाजी होगी। उनके राजनयिक करियर में रूस और ऑस्ट्रेलिया में शिक्षा प्राप्त करना तथा पश्चिमी देशों के साथ संबंधों से जुड़े दायित्व निभाना शामिल रहा है।

आर्थिक जरूरतें बदल रही हैं लाओस की रणनीति : विश्लेषण के मुताबिक, लाओस की विदेश नीति में बदलाव को समझने के लिए उसकी आर्थिक परिस्थितियों पर ध्यान देना जरूरी है। देश को निवेश, बुनियादी ढांचे के विकास और आर्थिक स्थिरता की जरूरत है। ऐसे में उसकी सरकार उन देशों के साथ समझौते करने के लिए तैयार हो सकती है, जो इन जरूरतों को पूरा करने में सक्षम हैं।

वियतनाम के लिए चिंता की बात यह है कि लाओस की नीतियों में पारंपरिक राजनीतिक और वैचारिक निकटता के मुकाबले आर्थिक लाभ को अधिक महत्व दिया जा सकता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि लाओस चीन के प्रति पूरी तरह राजनीतिक रूप से झुक गया है। बल्कि, आर्थिक दबाव और विकास की जरूरतें उसके रणनीतिक विकल्पों को प्रभावित कर सकती हैं।

भारत के प्रदर्शनों पर अमेरिका की नजर: छह सांसदों ने रूबियो को लिखा पत्र

वॉशिंगटन, एजेंसी। भारत में छात्र प्रदर्शनों के दौरान कथित तौर पर जरूरत से ज्यादा बल प्रयोग और प्रदर्शनकारियों की निगरानी के आरोपों को लेकर अमेरिका के छह डेमोक्रेटिक सांसदों ने विदेश मंत्री मार्को रूबियो से हस्तक्षेप करने की मांग की है। सांसदों ने रूबियो से अगले सप्ताह भारत दौरे के दौरान भारतीय अधिकारियों के सामने इन मुद्दों को उठाने का आग्रह किया है।

इन सांसदों में प्रामिला जयपाल, इल्हान उमर, जिम मैकगवर्न, रशीदा तलीब, एलेनोर होम्स नॉर्टन और जीसस गार्सिया शामिल हैं। उन्होंने शुक्रवार को रूबियो को लिखे पत्र में दिल्ली और भारत के अन्य हिस्सों में छात्र प्रदर्शनों के दौरान कथित दमन, गलत तरीके से हिरासत में लेने और अत्यधिक बल प्रयोग को लेकर चिंता जताई।

सीजेपी प्रदर्शन और मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ आंदोलन का जिक्र : सांसदों ने अपने पत्र में कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शनों और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर जारी प्रदर्शनों का उल्लेख किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इन प्रदर्शनों के दौरान सुरक्षा बलों की कार्रवाई में जरूरत से ज्यादा बल का इस्तेमाल किया गया। पत्र में सांसदों ने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और शांतिपूर्ण तरीके से एकत्र होने का अधिकार अमेरिका और भारत, दोनों की लोकतांत्रिक पहचान का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने रूबियो से भारतीय सरकार के सामने इन मुद्दों को उठाने का अनुरोध किया।

अमेरिकी सांसदों ने भारतीय राजनयिक मिशनों पर भी लगाए आरोप : छह सांसदों ने अमेरिका में भारतीय दूतावास और अन्य शहरों में स्थित भारतीय वाणिज्य दूतावासों पर प्रदर्शनकारियों की निगरानी के लिए फोटोग्राफर तैनात करने का आरोप भी लगाया। उनका दावा है कि अमेरिका में कॉकरोच जनता पार्टी के समर्थन में प्रदर्शन करने वालों पर नजर रखी गई और उन्हें डराने की कोशिश की गई। सांसदों ने रूबियो से इन आरोपों की गहन जांच कराने की मांग की।

उन्होंने यह भी कहा कि शांतिपूर्ण तरीके से अभिव्यक्ति और सभा की स्वतंत्रता का इस्तेमाल करने के कारण भारतीय या अंतरराष्ट्रीय कानूनों के उल्लंघन में हिरासत में लिए गए लोगों की रिहाई का मुद्दा उठाया जाना चाहिए। इसके अलावा, उन्होंने अमेरिकी सरकार से यह आकलन करने का आग्रह किया कि क्या भारत की ओर से अमेरिका में लोगों को डराने या परेशान करने की लगातार घटनाएं हुई हैं। सांसदों ने इस संदर्भ में अमेरिकी आर्म्स एक्सपोर्ट कंट्रोल एक्ट के तहत भारत की हथियार खरीद से जुड़ी पात्रता की समीक्षा करने की भी मांग की। पत्र में प्रामिला जयपाल ने भारत में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने मसौदा मतदाता सूची से 13 करोड़ मतदाताओं के नाम हटाए जाने को लेकर चिंता जताई और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रति समर्थन व्यक्त किया।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव केटी जकारिया सिर्फ पांच दिन में पद से बाहर

वाशिंगटन , एजेंसी। केटी जकारिया अब व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव नहीं रहेंगी। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, उन्होंने इस पद पर सिर्फ पांच दिन काम किया, जो माना जा रहा है कि इस पद पर किसी भी व्यक्ति का सबसे छोटा कार्यकाल है। सीएनएन ने राष्ट्रपति के सलाहकारों के हवाले से बताया कि डोनाल्ड ट्रंप ने उन्हें पद से हटा दिया। वहीं, एनबीसी न?यूज ने एक वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी के हवाले से कहा कि जकारिया को 'नई भूमिका' दी जा रही है, जिसकी घोषणा बाद में की जाएगी। यह खबर उस दिन सामने आई जब ट्रंप ने व्हाइट हाउस से रवाना होने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि उन्होंने जकारिया से पूछा था कि क्या वह इस पद पर बने रहना चाहती हैं।

ट्रंप ने कहा, 'केटी के साथ मीडिया ने बहुत बुरा व्यवहार किया है, बहुत ही अनुचित तरीके से। मैंने अभी उनसे इस बारे में बात की है।' उन्होंने बताया कि 'मैंने उनसे कहा, 'केटी, अगर तुम यह काम नहीं करना चाहतीं तो तुम्हें यह करने की जरूरत नहीं है।' उन्होंने कहा, 'यह उम्मीद से कहीं ज्यादा मुश्किल है।' मैंने कहा, 'ट्रंप की दुनिया में आपका स्वागत है।' अब मैं उन्हें खुद फैसला करने दूंगा। जकारिया ने 12 अक्टूबर को यह पद संभाला था। वे पहले एक कंजर्वेटिव कमेंटेटर और 'ट्रंप मीडिया एंड टेक्नोलॉजी ग्रुप' में वरिष्ठ संचार सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने 13 अक्टूबर को अपनी पहली प्रेस ब्रीफिंग की थी। ट्रंप ने 8 अक्टूबर को उन्हें करोलिन लीविट की जगह नियुक्त किया था, जिन्होंने अगस्त के अंत में पद छोड़ दिया था।

उनकी पहली ब्रीफिंग 15 मिनट से भी कम समय चली। उसमें उन्होंने बताया था कि ट्रंप ने किम्बर्ली गिलफॉयल से ग्रीस में अमेरिकी राजदूत का पद छोड़ने को कहा है। हालांकि, वह यह नहीं बता सकीं कि अमेरिका ने यूक्रेन के साथ खुफिया जानकारी साझा करना बंद किया है या नहीं।

इंडोनेशिया : बाली में पेट्रोल-डीजल खत्म!, पंपों पर लगे 'क्षमा करें, ईंधन उपलब्ध नहीं है' के बोर्ड

डेनपासार (इंडोनेशिया) , एजेंसी। इंडोनेशिया के बाली द्वीप पर ईंधन की कमी के बाद पेट्रोल पंपों के बाहर वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। पर्यटन पर निर्भर इस द्वीप पर पेट्रोल-डीजल खरीदने आए लोगों को 'क्षमा करें, ईंधन उपलब्ध नहीं है' के बोर्ड देखने को मिले। पेट्रोल की कमी की समस्या केवल बाली नहीं बल्कि इंडोनेशिया के 11 प्रांतों में है। पश्चिमी सुमात्रा में इंतजार का समय 2 से 3 घंटे तक पहुंच गया और बैंटन में मेराक-तंगेरांग हाईवे पर डीजल के लिए लगी कतारें लगभग एक किलोमीटर लंबी थीं। आचे, रियाउ, पश्चिमी कालीमंतन, दक्षिणी सुलावेसी, उत्तरी सुलावेसी और योग्याकार्ता में डीजल या पर्टालाइट पूरी तरह खत्म हो गए। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि यह कमी ईंधन की सप्लाई कम होने या वैश्विक ऊर्जा बाजारों में किसी उथल-पुथल के कारण नहीं, बल्कि स्थानीय स्तर पर वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) की समस्याओं की वजह से हुई है। ऊर्जा और खनिज संसाधन मंत्रालय में तेल और गैस विभाग के महानिदेशक, लाओडे सुलेमान ने कहा, 'यह पूरी तरह से वितरण से जुड़ी समस्या है। एक ईंधन टैंकर आने में देरी हो गई थी, लेकिन अब वह पहुंच चुका है और 24 घंटे ईंधन की सप्लाई जारी है।' सुलेमान ने बताया कि बाली आ रहे एक ईंधन टैंकर में अनलोडिंग (ईंधन उतारने) की तैयारी के दौरान तकनीकी खराबी आ गई, जिससे द्वीप के मुख्य ईंधन टर्मिनलों तक सप्लाई पहुंचने में देरी हुई। इसके अलावा समुद्र में तेज लहरों और खराब मौसम के कारण डेनपासार के सांगगरन टर्मिनल और पूर्वी बाली के मांगगिस टर्मिनल तक भी ईंधन की खेप पहुंचने में देरी हुई। इंडोनेशिया के तेल और गैस महानिदेशक के अनुसार अब ईंधन की आपूर्ति के लिए होने वाली निविदाओं (टेंडर्स) में बहुत कम लोग हिस्सा ले रहे हैं। इस वजह से सरकार को उन देशों से सीधे ईंधन मंगाना पड़ रहा है, जिनके पास अतिरिक्त स्टॉक है, और इसके लिए उन्हें ज़्यादा कीमत चुकानी पड़ रही है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद, इंडोनेशिया के ईंधन आयात के 25% स्रोत खत्म हो गए। समस्या तब बढ़ी जब सरकारी सब्सिडी वाले 'पर्टालाइट' पेट्रोल की भारी मांग देखी गई, जो बिना सब्सिडी वाले ईंधन की तुलना में काफी सस्ता है। ईंधन की कमी की आशंका से घबराए वाहन चालकों ने जरूरत से ज्यादा खरीदारी (पैनिक-बाइंग) शुरू कर दी जिससे कुछ गैस स्टेशनों पर सप्लाई पर और अधिक दबाव पड़ गया। कई गैस स्टेशनों पर कर्मचारियों ने 'क्षमा करें, ईंधन उपलब्ध नहीं है' के बोर्ड लगा दिए, जबकि ड्राइवर और मोटरसाइकिल सवार बंद स्टेशनों के बाहर नई सप्लाई आने का इंतजार करते रहे।

मुख्यमंत्री ने डॉ0 राम मनोहर लोहिया राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालय के पांचवें दीक्षान्त समारोह को सम्बोधित किया

प्रथम पृष्ठ का शेष

सम और विषम परिस्थितियों में विचलित हुए बिना निर्णय लेने की क्षमता शिव से प्रेरणा लेती है। हृदय कृष्ण जैसा होना चाहिए, जिनके मन में गरीब के प्रति भी संवेदना हो। कर्म और वचन की सामर्थ्य भगवान राम जैसी होनी चाहिए, जो मर्यादा का उल्लंघन न होने दें। प्रत्येक विधिवेत्ता में शिव जैसा मस्तिष्क, कृष्ण जैसा हृदय और राम जैसी कर्म तथा वचन की सामर्थ्य होनी चाहिए। इन गुणों को आत्मसात करने वाला व्यक्ति सही दिशा में आगे बढ़कर अपने जीवन के लक्ष्यों को प्राप्त कर सकता है। मुख्यमंत्री जी ने 16 मई, 2014 का उल्लेख करते हुए कहा कि 30 वर्ष के बाद देश में किसी एक दल को पूर्ण बहुमत प्राप्त हुआ और श्री नरेन्द्र मोदी जी प्रधानमंत्री बने। प्रधानमंत्री जी ने सुधारों की प्रक्रिया को आगे ब?ते हुए कानून को बोझ के बजाय सुविधा का माध्यम बनाने का कार्य किया। अप्रासंगिक हो चुके 1,500 से अधिक कानून समाप्त किए गए। जन विश्वास अधिनियम के माध्यम से 42 कानूनों के 183 प्रावधानों में छोटी-छोटी चूकों को अपराध की श्रेणी से बाहर किया गया। दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता लागू हुई और 'वन नेशन, वन टैक्स' के रूप में जी0एस0टी0 आया। 'एक देश में एक विधान, एक निशान और एक प्रधान' की व्यवस्था को साकार करने की दिशा में जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 समाप्त किया गया, जिस पर सर्वोच्च न्यायालय ने भी अपनी मुहर लगाई। नारी शक्ति वन्दन अधिनियम पारित हुआ। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सुधार का अर्थ केवल नए कानून बनाना नहीं है, बल्कि जिन पुराने कानूनों की सार्थकता समाप्त हो चुकी है, उन्हें हटाना भी सुधार की प्रक्रिया का महत्वपूर्ण हिस्सा है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा शुरू की गई इस सुधार प्रक्रिया के परिणाम आज देश के सामने हैं। वर्ष 2013 में दुनिया भारत को 'फ्रेजाइल फाइव' अर्थात पांच सबसे नाजुक अर्थव्यवस्थाओं में गिनती थी। उस समय भारत की अर्थव्यवस्था को लेकर अनिश्चितता थी और निवेश की सुरक्षा पर भी सवाल उठते थे। पिछले 12 वर्षों में भारत ने 'फ्रेजाइल फाइव' से निकलकर दुनिया की शीर्ष पांच अर्थव्यवस्थाओं में स्थान बनाया है। आज भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और उसने वैश्विक स्तर पर अपना विश्वास स्थापित किया है। किसी मुकदमे में जीत जितनी महत्वपूर्ण होती है, किसी देश और सरकार के लिए जनता तथा दुनिया का विश्वास जीतना भी उतना ही महत्वपूर्ण होता है। जब भारत 'फ्रेजाइल फाइव' से 'टॉप फाइव' बन सकता है, तो विकसित भारत का संकल्प भी साकार किया जा सकता है। इसी विश्वास के साथ वर्ष 2047 के मुकदमे को आगे ब?ना होगा। मुख्यमंत्री जी ने उत्तर प्रदेश की स्थिति में आए परिवर्तन का उल्लेख करते हुए कहा कि आज से 10 वर्ष पहले प्रदेश में निवेश की बात करना भी लोगों को अविश्वसनीय लगता था। लोग कहते थे कि जहां व्यक्ति की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं है, वहां निवेश की सुरक्षा की बात कैसे हो सकती है;। जहां कनेक्टिविटी नहीं है, वहां निर्यात कैसे ब?ेगा; जहां प्रभावी नीतियां नहीं हैं, वहां निवेशकों को प्रोत्साहन कैसे मिलेगा। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश को 'बीमारू' राज्यों की श्रेणी में रखा जाता था। संसद की विभिन्न बहसों में भी यह धारणा दिखाई देती थी कि सब कुछ सम्भव है, लेकिन उत्तर प्रदेश में सुधार नहीं हो सकता। प्रदेश में परिवर्तन लाने के लिए यथास्थितिवादी सोच के सामने झुकने के बजाय दृढ़ इच्छाशक्ति के साथ कार्य किया गया। मुख्यमंत्री जी ने स्वच्छ भारत अभियान का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री जी ने 02 अक्टूबर, 2014 को अभियान की शुरुआत की और स्वयं झा? उठाकर स्वच्छता का संदेश दिया। हर घर में शौचालय निर्माण का अभियान भी आगे बढ़ाया गया। इससे पहले ग्रामीण क्षेत्रों में खुले में शौच के कारण लोगों को कठिनाइयों का सामना करना प?ता था और नारी गरिमा भी प्रभावित होती थी। उस समय सवाल उठाए जाते थे कि क्या हर घर में शौचालय बनाना और स्वच्छता का लक्ष्य प्राप्त करना सम्भव होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 से पहले के ढाई वर्षों में स्वच्छता और शौचालय निर्माण के लक्ष्य की दिशा में अपेक्षित कार्य नहीं हुआ था। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश का मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें याद है कि तत्कालीन केन्द्रीय मंत्री और बाद में देश के उपराष्ट्रपति बने श्री एम0 वेंकैया नायडू जी का फोन आया था। उन्होंने उत्तर प्रदेश में शौचालय निर्माण की धीमी गति पर चिंता जताते हुए पूछा कि यह कार्य कब तक पूरा हो सकता है। मुख्यमंत्री जी ने उन्हें आश्वस्त किया कि 2 अक्टूबर, 2018 तक शौचालय निर्माण का कार्य पूरा करने का प्रयास किया जाएगा और जो थो?ा-बहुत शेष रहेगा, उसे 26 जनवरी, 2019 तक पूरा कर लिया जाएगा। श्री नायडू जी ने इसके सत्यापन के लिए बाहर से थर्ड पार्टी नियुक्त करने की बात कही। उत्तर प्रदेश में तीन करोड़ से अधिक घरों में शौचालयों का निर्माण कराया गया। 2 अक्टूबर, 2018 को दिल्ली में आयोजित समारोह में उत्तर प्रदेश का नाम सबसे पहले लिया गया और प्रदेश को स्वच्छता के क्षेत्र में प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। उस समय सम्बन्धित केन्द्रीय मंत्री ने इसे चमत्कार बताया। यह चमत्कार नहीं, बल्कि लोगों के घरों में शौचालय बनवाने और निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने का परिणाम था। थर्ड पार्टी सत्यापन में भी निर्माण की पुष्टि हुई। यह अभियान नारी गरिमा की रक्षा और गम्भीर बीमारियों से मुक्ति के उद्देश्य से भी जुड़ा था। मुख्यमंत्री जी ने पूर्वी उत्तर प्रदेश में इन्सेफेलाइटिस से होने वाली बच्चों की मौतों का उल्लेख करते हुए कहा कि वह इस बीमारी के विरुद्ध सड़क से संसद तक संघर्ष करते रहे थे। विशेषज्ञों से जानकारी मिली कि शुद्ध पेयजल और स्वच्छता सुनिश्चित होने तथा खुले में शौच से मुक्ति मिलने पर इस बीमारी को समाप्त करने में बड़ी सहायता मिल सकती है। वर्ष 2019 में प्रधानमंत्री जी ने बताया कि उत्तर प्रदेश ने इन्सेफेलाइटिस पर विजय प्राप्त कर ली है। पहले मध्य जुलाई से मध्य नवम्बर के बीच इस बीमारी से हर वर्ष 1,200 से 1,500 बच्चों की मौत होती थी और लोग असहाय बने रहते थे, जबकि अब इन्सेफेलाइटिस से होने वाली मौतों की संख्या शून्य हो गई है। परिवर्तन लाने के लिए ज?ता और यथास्थितिवादी सोच से बाहर निकलना आवश्यक है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में पहले 'रूल ऑफ माफिया' की स्थिति थी, जिसे समाप्त कर 'रूल ऑफ लॉ' की स्थापना की गई। प्रयागराज में एक माफिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वह जिस जमीन पर पैर रख देता था, उसे अपनी मान लेता था और कानून उस पर प्रभावी नहीं होता था। उत्तर प्रदेश अब 'रूल ऑफ माफिया' से मुक्त हुआ है और यहां वास्तविक अर्थों में कानून का शासन लागू हुआ है। इसी परिवर्तन के परिणामस्वरूप प्रदेश 'बीमारू' राज्य की श्रेणी से निकलकर भारत की शीर्ष तीन अर्थव्यवस्थाओं में शामिल हुआ है और राजस्व अधिशेष वाला राज्य बना है। अब उत्तर प्रदेश की उपलब्धियों पर पहले की तरह प्रश्न खड़े नहीं किए जा सकते। उन्होंने युवा विधिवेत्ताओं से इस व्यवस्था के सजग प्रहरी के रूप में कार्य करने का आह्वान किया। कानून की सबसे ब?ी पूंजी उसकी धाराएं नहीं

NAME CHANGE
I, SURESH CHANDRA SHARMA R/O VILLAGE-MILIK, NEW TEHSEEL, VTC ARRANA, ALIGARH, UTTAR PRADESH-202138, HAVE CHANGED MY NAME TO SURESH CHAND SHARMA

NAME CHANGE
I, UBAID S/o KASHA FUDDUJA R/o H.No.47, Vikram Enclave Shalimar Garden, Sahibabad, PO: Sahibabad, District Ghaziabad, UP-201005 have changed my name to UBAID SYED.

Public Notice
It is for general information that I, Rajju Pal S/O Prabhu Pal, R/o C-545, Gali No. 6, Prahalad Colony, Baraula, Sector- 49, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301 declare that name of my wife has been wrongly written as Madhuri in my minor daughter namely Varsha Pal aged 16 years in her School Record. The actual name of my wife is Madhuri Pal, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I, AKSHAT JAISWAL S/O SUNIL KUMAR R/O Laural Project Flat No-112, Plot No-45/46, 3 Shah Beri, Friends Enclave, Shah Beri, PO : Chhipyana Dist Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201009 declare that name of my father has been wrongly written as SUNIL JAISWAL in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of father is SUNIL KUMAR, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that, I NONGMAITHEM SUSHIMA SINGH S/o NONGMAITHEM MANAO SINGH R/o CHAURA SADATPUR, SECTOR 22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as N.SUSHIMA SINGH and N. ROMA DEVI in my minor daughter namely NONGMAITHEM LINTHOI DEVI aged 15 years in her School record. The actual name of mine and my wife is NONGMAITHEM SUSHIMA SINGH and NONGMAITHEM ROMA DEVI, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that I, AKSHAT JAISWAL S/O SUNIL KUMAR R/O Laural Project Flat No-112, Plot No-45/46, 3 Shah Beri, Friends Enclave, Shah Beri, PO : Chhipyana Dist Gautam Buddha Nagar Uttar Pradesh -201009 declare that name of my father has been wrongly written as SUNIL JAISWAL in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of father is SUNIL KUMAR, which may be amended accordingly.

Public Notice
It is for general information that, I NONGMAITHEM SUSHIMA SINGH S/o NONGMAITHEM MANAO SINGH R/o CHAURA SADATPUR, SECTOR 22, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh-201301, declare that name of mine and my wife has been wrongly written as N.SUSHIMA SINGH and N. ROMA DEVI in my minor daughter namely NONGMAITHEM LINTHOI DEVI aged 15 years in her School record. The actual name of mine and my wife is NONGMAITHEM SUSHIMA SINGH and NONGMAITHEM ROMA DEVI, which may be amended accordingly.

Public Notice
I, RONGLO MORYELZO, S/o RONGLO RONGHEI MARING, R/o Khangshim Village, P.O. Pallel, District Chandel, Manipur-795135, declare that my father's correct name is RONGLO RONGHEI MARING and my mother's correct name is KHALING MOISHELDAR MARING. Their names were incorrectly recorded in my educational certificates, Birth Certificate and Aadhaar Card. This declaration is made to correct their names in all relevant documents.

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री रवीण कुमार/श्रीमती अरुला देवी, श्री अशोक कुमार से फ्लैट नंबर स्न-3, तृतीय तल, पिछला/दक्षिणी भाग, बिना छत के अधिकारों सहित, जिसका क्षेत्रफल 178.08 वर्ग मीटर है, जो संपत्ति संख्या 204 (पुरानी) एवं 399 (नई), स्थित हवेली हैदर कुली, चांदनी चौक, दिल्ली-110006 का हिस्सा है, क्रय करने का इरादा रखते हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री भगवान सहाय थे, जिन्होंने दिनांक 16.09.1967 के विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति अर्जित की थी। दुर्भाग्यवश, श्री भगवान सहाय एवं श्रीमती चंद्रवती का देहांत हो गया तथा वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए- (1) श्री किशन लाल (पुत्र), (2) श्री रवि दत्त (पुत्र), (3) श्री जय देव शर्मा (पुत्र), (4) श्रीमती भगवती देवी (पुत्री), (5) श्रीमती जग रानी गौर (पुत्री) एवं (6) श्रीमती सावित्री देवी (पुत्री)। श्री किशन लाल ने दिनांक 06.09.2001 के त्याग विलेखों (दस्तावेज संख्या 3966 एवं 3967) के माध्यम से अपना हिस्सा श्री रवि दत्त शर्मा के पक्ष में त्याग दिया। दुर्भाग्यवश, श्रीमती भगवती देवी का दिनांक 12.01.2003 को देहांत हो गया तथा वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गई- (1) श्री विजय प्रकाश (पुत्र), (2) श्रीमती संतोष कुमारी शर्मा (पुत्री), (3) श्रीमती पुष्पा शर्मा (पुत्री), (4) श्रीमती कांता गौतम (पुत्री) एवं (5) श्रीमती उमा शर्मा (पुत्री)। श्री जय देव शर्मा ने दिनांक 03.09.2004 के पंजीकृत सामान्य मुख्तारनामा (Registered General Power of Attorney) के माध्यम से अपना हिस्सा श्री अशोक कुमार शर्मा के पक्ष में हस्तांतरित किया। इसके पश्चात, श्री अशोक कुमार शर्मा ने दिनांक 10.09.2004 के त्याग विलेख के माध्यम से अपना हिस्सा श्री रवि दत्त शर्मा के पक्ष में त्याग दिया। इसके अतिरिक्त, (1) श्री विजय प्रकाश, (2) श्रीमती संतोष कुमारी शर्मा, (3) श्रीमती पुष्पा शर्मा, (4) श्रीमती कांता गौतम, (5) श्रीमती उमा शर्मा, (6) श्रीमती सावित्री देवी एवं (7) श्रीमती जग रानी गौर ने दिनांक 10.09.2004 के एक त्याग विलेख तथा दिनांक 17.09.2004 के दो त्याग विलेखों के माध्यम से अपने-अपने हिस्से श्री रवि दत्त शर्मा के पक्ष में त्याग दिए। दुर्भाग्यवश, स्वर्गीय श्री रवि दत्त कौशिक का दिनांक 20.06.2007 को देहांत हो गया तथा वे अपने पीछे निम्नलिखित कानूनी उत्तराधिकारी छोड़ गए- (1) श्रीमती शांति देवी, (2) श्री लक्ष्मण दत्त शर्मा, (3) श्रीमती कृष्णा शर्मा एवं (4) श्री अशोक कुमार। इसके पश्चात, श्रीमती शांति देवी, श्री लक्ष्मण दत्त शर्मा एवं श्रीमती कृष्णा शर्मा ने दिनांक 13.02.2008 के त्याग विलेख के माध्यम से अपने-अपने हिस्से श्री अशोक कुमार के पक्ष में त्याग दिए। उक्त संपत्ति के प्रस्तावित क्रय हेतु वित्तीय सहायता बजाज हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड, शाखा कार्यालय- गुरुग्राम, हरियाणा से प्राप्त की जानी है। यदि किसी व्यक्ति को उक्त संपत्ति के संबंध में किसी प्रकार का अधिकार, हक, हित, दावा, आपत्ति, भार, बंधक अथवा अन्य कोई तृतीय-पक्ष हित हो, तो वह इस सार्वजनिक सूचना के प्रकाशन की तारीख से 07 दिनों के भीतर अपने दावे/आपत्ति की सूचना संबंधित दस्तावेजों सहित प्रस्तुत कर सकता है। उक्त अवधि के पश्चात प्राप्त किसी भी दावे या आपत्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।
[अश्वनी कुमार], अधिवक्ता
चेंबरसंख्या-122,तहसीलपरिसर,गाजियाबाद,उत्तरप्रदेश
ईमेल- kumarw®wvashwani@gmail.com

सार्वजनिक सूचना
आम जनता को सूचित किया जाता है कि श्री प्रहलाद सिंह के पुत्र श्री मुकेश, भारत नगर, पहाड़गंज, दिल्ली-110055 (वार्ड नंबर XV) में स्थित निर्मित संपत्ति (संख्या 5274, क्षेत्रफल 22 वर्ग गज यानी 18.39 वर्ग मीटर) के मालिक है। यह स्वामित्व उन्हें श्री ज्ञान चंद के पुत्र श्री प्रहलाद सिंह द्वारा 23.02.2021 को निष्पादित और दस्तावेज़ संख्या 829 के तहत विधिवत पंजीकृत रजिस्टर्ड GPA (रक्त संबंध के आधार पर) से प्राप्त हुआ है। इसके बाद, श्री मुकेश ने अपनी पत्नी श्रीमती पूजा के पक्ष में एक गिफ्ट डीड (उपहार विलेख) निष्पादित की है, जिससे श्रीमती पूजा उक्त संपत्ति (MPL संख्या 5274, क्षेत्रफल 22 वर्ग गज यानी 18.39 वर्ग मीटर, वार्ड नंबर XV, भारत नगर, पहाड़गंज, दिल्ली-110055) की मालकिन बन गई हैं। इस संपत्ति के लिए SMFG इंडिया होम फाइनेंस कंपनी लिमिटेड से फाइनेंस लिया गया है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति का इस संपत्ति पर कोई दावा, अधिकार, हक या कोई विवाद है, तो कृपया इस सूचना के 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए पते पर लिखित रूप में सूचित करें।
Rahul Raj, Advocate,
SG Associates (Law Firm)
B-01, Plot no. 20,
Koushambhi near HDFC Bank, U.P.
E-MAIL:sgassociatespl@gmail.com,
Ph: 8130309204

PUBLIC NOTICE
My Client MUKESH DEVI W/o Late Sh. Jasveer Singh, R/O B-1049 MIG Flats, East of Loni Road, Nand Nagri, North east Delhi – 110093, has served all relations and debarred her elder son Mayank Kashyap from all of her movable and immovable properties. With the immediate effect and hereafter he shall have no right, title, interest or claim whatsoever in my properties henceforth. Any person dealing with him in regard to my all properties shall be doing so at their own risk and cost and I will not be held responsible for any act or dealing done by him.
MAYANK & ASSOCIATES ADVOCATES & LEGAL CONSULTANTS
OFFICE AT : F-424, LAWYERS CHAMBER BLOCK KARKARDOOMA COURT DELHI – 110032
+91-8851597040 E-mail : mayankyadav8851597040@gamil.com

जानकारी

स्ट्रेच मार्क्स से पाना है छुटकारा तो यूं करें कॉफी का इस्तेमाल

शरीर में पड़े स्ट्रेच मार्क्स के निशान देखने में गंदे लगते हैं। अक्सर ऐसे निशान गर्भावस्था के दौरान, वजन घटाने से या वजन बढ़ने के कारण पड़ते हैं। इन निशानों की वजह से कई बार हम अपने मन पसंदीदा कपड़े भी नहीं पहन पाते। इन निशानों को मिटाने के लिए महंगी-महंगी क्रीमों का इस्तेमाल करते हैं। कई बार इन कैमिक्ल युक्त क्रीमों का इस्तेमाल करने से कई बार साइड-इफैक्ट हो जाते हैं। ऐसे में कुछ घरेलू चीजों को अपनाकर आसानी से ही स्ट्रेच मार्क्स के निशानों को दूर किया जा सकता है।

कोको बटर और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को दूर करने के लिए कोको बटर और कॉफी का इस्तेमाल करें। 1 चम्मच कॉफी लें। अब इसमें 1 चम्मच पिघला हुआ कोको बटर मिलाएं। जब यह अच्छे से मिल जाए तो इस पेस्ट को प्रभावित क्षेत्र पर लगाएं। 10 मिनट के लिए इसको ऐसा ही रहने दें। फिर हल्के गर्म पानी से इसको धो लें। हफ्ते में कम से कम 4 बार इस प्रक्रिया को दोहराएं। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

बादाम पाउडर, नारियल तेल और कॉफी

1 चम्मच कॉफी ले इसको अच्छे से पीस लें। फिर इसमें आधा चम्मच बदाम पाउडर और 3 चम्मच नारियल तेल मिलाकर मिक्स करें। इस पेस्ट से 10 मिनट के लिए स्ट्रेच मार्क्स वाली जगह पर लगाएं। हफ्ते में 2 बार ऐसा करें। कुछ ही दिनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

जैतून तेल, नींबू और कॉफी

स्ट्रेच मार्क्स को साफ करने के लिए जैतून तेल, नींबू और कॉफी का भी इस्तेमाल कर सकते हैं। 1 चम्मच पीसी हुई कॉफी में, 1 चम्मच जैतून का तेल, आधा चम्मच नींबू का रस मिलाकर अच्छे से मिक्स करें। अब इस पेस्ट 20 मिनट के लगाने के बाद गर्म पानी से धो लें। लगातार ऐसा करने से कुछ ही महीनों में फर्क दिखाई देने लगेगा।

छोटे-छोटे बच्चों और युवाओं को इसलिए लग जाता है चश्मा

आंखें हमारे शरीर का एक अहम हिस्सा होती हैं। इसकी मदद से हम पूरी दुनिया को देखते हैं। इनका स्वस्थ होना बेहद आवश्यक है, लेकिन आजकल लोगों की गलत आदतों का प्रभाव उनकी आंखों पर पड़ा है। जिसके कारण छोटे-छोटे बच्चों को चश्मा लगाने से लेकर समय से पहले अंधेपन या कम दिखाई देना जैसी समस्याएं होती हैं, लेकिन आपको ऐसी किसी भी परेशानी का सामना न करना पड़े इसके लिए आप कुछ आसान उपाय अपना सकते हैं-

आहार का ख्याल: आपके बेहतर स्वास्थ्य के लिए जरूरी है कि आपका आहार पौष्टिक एवं संतुलित हो। फिर चाहे बात आंखों की ही क्यों न हो। आहार आपकी आई हेल्थ पर भी अपना प्रभाव डालता है। बहुत से अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि एंटी-ऑक्सीडेंट युक्त आहार का सेवन करने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक कम हो जाती है। इसलिए आप अपने आहार में मौसमी फल एवं सब्जियां अवश्य शामिल करें। इसके अतिरिक्त खट्टे फल, हरी पत्तेदार सब्जियां और मछली आपकी आंखों के स्वास्थ्य को बेहतर बनाती हैं।

नजर रखें स्क्रीन टाइम: आजकल चाहे बच्चे हों या बड़े, अपना अधिकतर समय टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने ही बिताते हैं, जिसके कारण उनकी आंखों पर बुरा प्रभाव पड़ता है। इसलिए अपनी आंखों को सेहतमंद बनाए रखने के लिए आप अपने स्क्रीन टाइम पर भी पैनी नजर रखें। कोशिश करें कि आप घंटों टीवी, कंप्यूटर या फोन के सामने न रहें। वहीं अगर आपका काम ऐसा है कि आपको घंटों कंप्यूटर के सामने बैठना होता है तो एकटक स्क्रीन को न देखें, बल्कि बीच-बीच में अपनी पलकें झपकते रहें।

आई वियर भी है जरूरी: जिस तरह आप घर से बाहर निकलते समय अपनी स्किन की रक्षा करने के लिए सनस्क्रीन का इस्तेमाल करते हैं। ठीक उसकी तरह, आंखों की रक्षा करने के लिए आई वियर यानी सनग्लासेज भी अवश्य पहनें। बहुत लंबे समय तक आपकी आंखों के सूरज की हानिकारक यूवी किरणों के संपर्क में आने से मोतियाबिंद होने की संभावना काफी हद तक बच जाती है। इसलिए आप एक अच्छे सनग्लासेज पहनकर अपनी आंखों की रक्षा तो कर ही सकते हैं।

व्यायाम का सहारा

आपकी लाइफ चाहे कितनी भी बिजी क्यों न हो, लेकिन अपनी दिनचर्या में कुछ वक्त व्यायाम को अवश्य दें। दरअसल, जब आप व्यायाम नहीं करते तो आपका वजन बढ़ने लगता है। साथ ही इससे आपको टाइप 2 डायबिटीज और कार्डियोवेस्कुलर बीमारी होने की संभावना काफी हद तक बढ़ जाती है। यह बीमारियां आगे चलकर अंधेपन का कारण बनती हैं। इसलिए आप प्रतिदिन व्यायाम के जरिए अपने वजन को नियंत्रण में रखें। इसके अतिरिक्त आप कुछ विशेष प्रकार की आई एक्सरसाइज भी कर सकते हैं और अपनी आंखों को तंदुरूस्त रख सकते हैं।

आंखों के बचाव के तरीके

- ☞ लगातार रोजाना दो से तीन घंटे कंप्यूटर पर कार्य करने से व्यक्ति में कंप्यूटर विजन सिंड्रोम के लक्षण देखने को मिल सकते है। कुछ सावधानियां बरतकर कंप्यूटर विजन सिंड्रोम से बचाव किया जा सकता है।
- ☞ आंखों को सुरक्षित रखने के लिए कंप्यूटर, आईपैड, स्मार्टफोन से दूरी के साथ ही लाइफस्टाइल में बदलाव जरूरी है। तभी अधिकतर सीवीएस के लक्षणों को नियंत्रित किया जा सकता है।
- ☞ जिस कमरे में कंप्यूटर हो उसमें उचित प्रकाश होना जरूरी है, ज्यादा तेज रोशनी भी नहीं होनी चाहिए एवं प्रकाश व्यक्ति के पीछे से होना चाहिए, सामने से नहीं।
- ☞ जब भी कंप्यूटर के पास बैठें तो हर 20 मिनट के गैप में 20 सेकंड के लिए स्क्रीन से नजरें हटा लें और 20 फुट दूर किसी फिक्स्ड प्वाइंट पर फोकस करें।
- ☞ आइज मूवमेंट आंखों को बेहतर करने में लाभकारी है। ऑफिस या घर पर मॉनिटर को कुछ इस तरह सेट करें कि आंखें मॉनिटर के टॉप लेवल पर हों।
- ☞ कंप्यूटर डिवाइस का कंट्रास्ट या ब्राइटनेस लेवल को सेट करें या एंटीग्लेयर कवर और कंप्यूटर ग्लास फिट कराएं।
- ☞ बेहतर लेंस का प्रयोग करें या एंटी ग्लेयर (चौंध रहित) चश्मा पहने एवं चौंध रहित स्क्रीन का प्रयोग करना चाहिए।
- ☞ जब कभी भी स्क्रीन के सामने घंटे भर से अधिक बैठे हों तो ड्राई आईज से बचने के लिए पलकें, धीरे-धीरे झपकाएं। साथ ही, सीवीएस से बचने के लिए स्मॉल ब्रेक्स और हेल्दी लाइफस्टाइल भी जरूरी है।
- ☞ आंखों के लिए कंप्यूटर विजुअल चैलेंज हो सकता है पर जब परहेज के साथ इस्तेमाल किया जाए तो पर्मानेंट डैमेज कभी नहीं होने देता। आंखों में जब भी अच्छा सा महसूस न हो तो डॉक्टर से तुरंत संपर्क करें।

सुझाव

गायब हो जाएंगे मस्से

ये करें उपाए

बदसूरती पर दाग की तरह होते हैं मस्से। पर, इन मस्सों से छुटकारा पाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप कॉस्मेटिक सर्जन के क्लीनिक के ही चक्कर लगाएं। कुछ बेहद आम बातों को ध्यान मे रखकर भी आप इन मस्सों से छुटकारा पा सकती हैं। कोई खूबसूरत चेहरे की कामना करता है, लेकिन इस खूबसूरत चेहरे पर जब कोई दाग, मुहांसे या मस्से इत्यादि हों तो चेहरा एकदम बिगड़ सा जाता है। मस्सों से निजात पाने के लिए आज युवा हर उपाय अपनाने को तैयार रहते हैं। हालांकि मस्से सिर्फ चेहरे पर ही नहीं, बल्कि गर्दन, हाथ, पीठ, चिन, पैर इत्यादि कहीं पर भी हो सकते है। मस्सों को दूर करने के लिए कई तरह की क्रीम भी बाजार में मिल जाती हैं, लेकिन आपकी जानकारी के लिए बता दें कि इस तरह की क्रीम्स बहुत ज्यादा असरकारक नहीं होती।

ऐसे होते हैं मस्से

दरअसल, मस्से पिगमेंट कोशिकाओं के समूह होते हैं, जो काले-भूरे रंग के होते हैं। आमतौर पर यह नुकसानदायक नहीं होते, लेकिन समय पर इनका इलाज न कराया जाए तो ये कैंसर का रूप ले सकते हैं। कुछ मस्से आनुवांशिक होते हैं तो कुछ अधिक धूप में रहने के कारण हो जाते हैं। कुछ मस्से ऐसे होते हैं, जो उत्पन्न होकर अपने आप समाप्त हो जाते हैं। मस्से के काटने या फोड़ने पर इनके शरीर के अन्य हिस्सों में होने की आशंका बनी रहती है। कभी-कभी मस्से का वायरस एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति की त्वचा पर आकर उसकी त्वचा पर भी मस्से बना देते हैं।

यह है उपचार

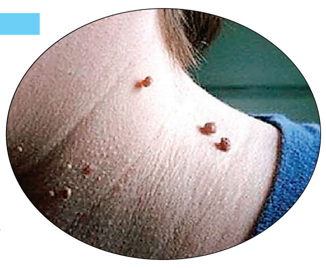

- बी कॉम्पलेक्स, विटामिन ए, सी, ई युक्त आहार के सेवन से मस्सों को दूर किया जा सकता है।
- साफ-सफाई का खास ध्यान रखना चाहिए और किसी दूसरे का तौलिया आदि इस्तेमाल नहीं करनी चाहिए।
- मस्से पर आलू की फांक रगड़ें या केले के छिलके के भीतरी भाग को रगड़ें।
- मस्सा खत्म करने के लिए एक अगरबत्ती जला लें और अगरबत्ती के जले हुए गुल को मस्से का स्पर्श कर तुरंत हटा लें। ऐसा 8-10 बार करें, इस उपाय से मस्सा सूखकर झड़ जाएगा।
- कुछ खट्टे सेब लेकर उनका जूस निकालें और उसको दिन में कम से कम तीन बार मस्से की जगह पर लगाएं। नियमित रूप से लगाने पर आप पाएंगे कि मस्से धीरे-धीरे झड़ रहे हैं और तीसरे सप्ताह तक यह बिल्कुल खत्म होते दिखेंगे।
- एक प्याज को लेकर उसके रस को दिन में एक बार नियमित रूप से लगाना प्रभावकारी होगा।
- बेकिंग सोडा और अरंडी के तेल को रात में मस्सों पर लगाकर सोने से मस्सों को दूर करने में मदद मिलती है।
- हालांकि मस्सों के इलाज की तकनीक हर व्यक्ति के लिए अलग-अलग होती है, लेकिन आमतौर पर होने वाले मस्सों पर यदि लहसुन का रस हर दिन लगाया जाए तो मस्से दूर हो जाते हैं। आप फूलगोभी के रस को प्रतिदिन मस्सों पर लगा सकती हैं।
- हर सुबह और रात मस्सों पर शहद लगाएं।
- मस्सों से छुटकारा पाने के लिए पोटैशियम बहुत लाभदायक है। पोटैशियम सेब, केला, अंगूर, आलू, मशरूम, टमाटर, पालक आदि में होता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। कर भला तो हो भला वाली कहावत याद रखें। किसी को हानी पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। कर्ज तथा रोगों से मुक्ति भी संभव है। इच्छित कार्य सफल होंगे। शुभांक-5-6-8

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए। विरोधी नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेगा। अपने काम को प्राथमिकता से करें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। शुभांक-6-7-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): शनैः-शनैः स्थिति पक्ष की बनने लगेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। सुखद समय की अनुभूतियां प्रबल होगी। लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। शुभांक-2-6-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): मध्याह्न से ही आशाएं बलवती होंगी। महत्त्वपूर्ण कार्यों को आज ही निबटा लें उसके बाद समय व्ययकारी सिद्ध होगा। भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। इच्छित कार्य सफल होंगें। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-6-7-9

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। माता पक्ष से विशेष लाभ। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। यात्रा का परिणाम मिल जाएगा। शुभांक-4-6-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): अपने काम पर पैनी नजर रखिए। स्वास्थ्य लाभ में समय और धन व्यय होगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का बना रहेगा। समय पक्ष का बना रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे। शुभांक-4-6-8

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): कहीं रुका हुआ पैसा वसूलने में मदद मिल जाएगी। व्यर्थ प्रपंच में समय नहीं गंवाकर अपने काम पर ध्यान दीजिए। पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। शुभांक-1-5-7

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): अपने काम को प्राथमिकता से करें। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते है। कोई प्रिय वस्तु या नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। पुराने मित्र से मिलन होगा। अपने हित के काम सुबह-सबेरे निपटा लें। शुभांक-5-6-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे): धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। कामकाज की व्यस्तता से सुख-आराम प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूतियां होगी। समय पक्ष का बना रहेगा। शुभांक-2-6-8

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी): परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। आलस्य का त्याग करें। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार दोस्तों के साथ सांझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। शुभांक-5-6-9

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा): पूर्व नियोजित कार्यक्रम सरलता से संपन्न हो जाएंगे। जोखिम से दूर रहना ही बुद्धिमानी होगी। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। मित्र से मिलन होगा। शुभांक-3-8-9

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची): भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे है। शुभांक-3-5-6

काकुरो पहेली - 2621

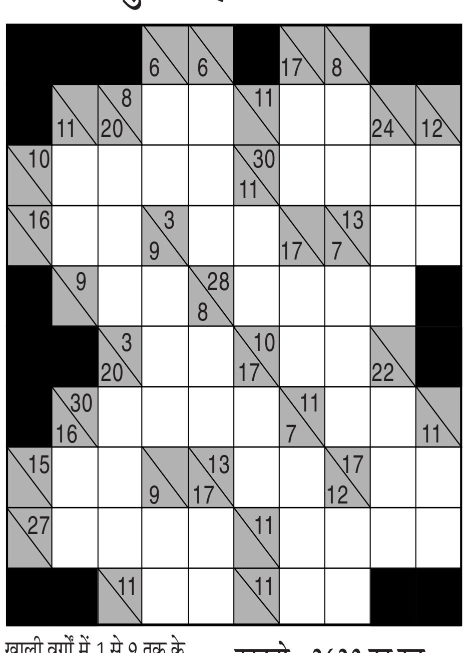

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

1+2 = 3
1+3 = 4
7+9 = 16
8+9 = 17

काकुरो - 2620 का हल

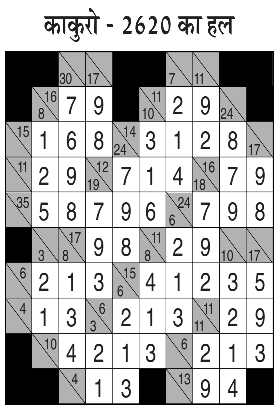

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

कवि (पत्नी से), "तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।"

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2621

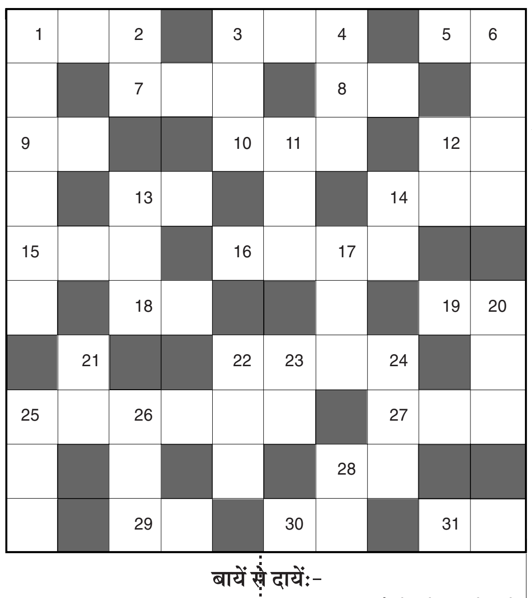

बायें से दायें:-

१. अनिल, रेखा की 'तू मेरा मखना' गीत वाली फिल्म-३
३. 'किसीसे तुम प्यार करो' गीत वाली अक्षय, लारा, प्रियंका की फिल्म-३
५. 'सुबह सुबह जब' गीत वाली फिल्म-२
७. राजकुमार, मीनाकुमारी की 'चलो दिलदार चलो' गीत वाली फिल्म-३
८. मंगेशकर बहनों लता, आशा, उषा की चौथी बहन का नाम क्या हैं?-२
९. अमिताभ, जया की 'आए तुम याद मुझे' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'परदेसी तो हैं परदेसी' गीत वाली फिल्म-३
१२. देवआनंद, निम्मी की 'ओ रूपनगर के सौदागर' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मैं ने तुझसे प्यार' गीत वाली विनोद खन्ना, भानुप्रिया की फिल्म-२
१४. राजकपूर, मीनाकुमारी की 'ऐ चाँद जहाँ वो जाए' गीत वाली फिल्म-३
१५. 'घर आजा परदेसी' गीत वाली सनी, अमीषा की फिल्म-३
१६. अजय देवगन, मनीषा, करिश्मा की एक फिल्म-४
१८. 'जलता है जिया' गीत वाली सुनील दत्त, रीनाराय, आशा की फिल्म-२
१९. सनी, सलमान, करिश्मा, तब्बू की 'यारा ओ यारा' गीत वाली फिल्म-२
२२. 'तारे हैं बारती' गीत वाली अनिल, तब्बू, पूजा बत्रा की फिल्म-४
२५. मनीष, मनीषा की 'तू दीवाना पागल मेरा' गीत वाली फिल्म-३,३
२७. 'लड़की है क्या' गीतवाली फिल्म-३
२८. 'मेरे खयालों की' गीत वाली फिल्म-२
२९. 'सूर्यवंशी' में नायिका कौन थी-२
३०. सनी, जूही की 'जादू तेरी नजर' गीत वाली फिल्म-२
३१. 'जब कोई बात' गीतवाली फिल्म-२

ऊपर से नीचे:-

१. 'रात कली इक ख्वाब में आई' गीत वाली फिल्म-२,२,२
२. फिल्म 'आर या पार' की नायिका-२
३. शाहरूख, माधुरी की 'बड़ी मुश्किल है' गीत वाली फिल्म-३
४. 'तुम भी चलो हम भी चलें' गीत वाली अमिताभ, सायरा की फिल्म-३
६. राजेश खन्ना, राखी की 'छोड़दे जवानी में उदासी' गीत वाली फिल्म-४
११. 'तेरी चाहत में' गीत वाली फिल्म-१,२
१२. नसीरूद्दीनशाह, पूजा की 'आज हमने दिल का हर फैसला' गीत वाली फिल्म-२
१३.'बहारों फूल बरसाओ' गीतवाली फिल्म-३
१४. अमिताभ, शशि, शत्रुघ्न, राखी, परवीन, बिंदिया की फिल्म-२
१७. जीतेंद्र, हेमा की 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीत वाली फिल्म-३
२०.फिल्म 'शोला और शबनम' नायिका कौन थी?-३
२१. फिल्म 'गुनाह' की नायक कौन था-२
२२. जीतेंद्र, लीना की 'कभी खोले ना तिजोरी का' गीत वाली फिल्म-३
२३. 'मझे तेरे जैसी लड़की' गीत वाली डिनो और बिपाशा की फिल्म-२
२४. अक्षय, करीना की 'यार बदल ना जाना' गीत वाली फिल्म-३
२५. 'फूलों सा चेहरा तेरा' गीत वाली फिल्म-३
२६. राजेश, धर्मेन्द्र, वहीदा की 'हमने देखी है' गीत वाली फिल्म-३
२८.'मैं कुड़ी अनजानी' गीत वाली सनीदेओल, सुष्मिता सेन की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 2620

सूडोकु -2621

9		2		4	1	7		
1						6		
5	7	3	2				4	
				9	4	8		
4		7				9		6
		5	8	3				
	3				6	5	9	1
		6						7
		9	1	8		2		4

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -2620 का हल

5	4	9	1	8	3	2	6	7
1	2	6	4	9	7	3	5	8
3	8	7	5	2	6	1	4	9
8	7	1	3	4	2	6	9	5
9	5	3	6	1	8	7	2	4
2	6	4	7	5	9	8	1	3
4	3	5	2	7	1	9	8	6
6	9	2	8	3	4	5	7	1
7	1	8	9	6	5	4	3	2

शब्द पहेली - 2621

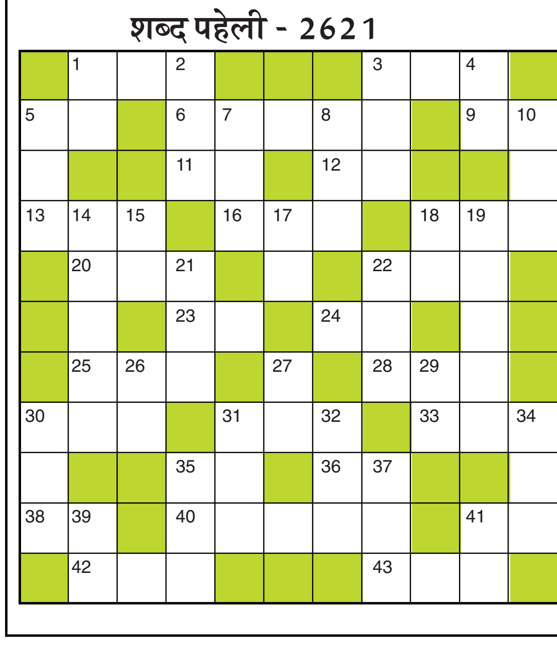

बाएँ से दाएँ

1.सेवक,दास-3
3.निवास करना-3
5.खुजली-2
6.परोपकारी-5
9.प्याला,जाम-2
11.टोंटी,नलका-2
12.आनंद,जूस-2
13.प्रतिज्ञा,शपथ-3
16.सिमरन,सुमरन-3
18.सुअर-3
20.पेन,लेखनी-3
22.कमल,जलज-3
23.क्रोध,गुस्सा-2
24.पाश,फंदा-2
25.शोषण करना-3
28.गौरव,प्रशंसा-3
30.सूत कातने का साधन-3
31.गौरव-3
33.देवर्षि-3
35.अंधकार-2
36.यमराज-2
38.अलमस्त-2
40.सलाह देने वाला-5
41.बीता दिन-2
42.रसदार-3
43.इंद्रियों को जीतने वाला-3

ऊपर से नीचे

1.उर्वरक-2
2.विशाल,श्रेष्ठ-3
3.धनवान,संपन्न-3
4.घ्राणेद्रिय,इज्जत-2
5.दैत्य,असुर-3
7.मायाजाल-3
8.उद्धार,पार लगाना-3
10.शरण,आश्रय-3
14.चूर-चूर,ढहा-5
15.टोंटी,नलका-2
17.युद्ध,संग्राम-2
18.दूल्हा-2
19.राजपुत्र-5
21.मद्रास का समुद्र तट-3
22.नीले रंग का बहुमूल्य रत्न-3
26.मित्र,दोस्त.मीत-2
27.हूर,अप्सरा
29.मेहंदी-2
30.शीर्ष,पराकाष्ठा-3
31.इसमें पौधा लगाते हैं-3
32.पीहर,नैहर-3
34.युक्तिवाद,पैरवी-3
35.टब,परात,तगारी-3
37.इच्छा-3
39.परत,तह-2
41.कदर,सम्मान-2

शब्द पहेली -2620 का हल

मिशन शक्ति 6.0 में यूपी पुलिस का कमाल, सात दिन में पांच राज्यों से खोज निकाले 32 लाख के गुम मोबाइल

एजेंसी

लखनऊ। योगी सरकार के मिशन शक्ति 6.0 अभियान के पहले ही सप्ताह में उत्तर प्रदेश पुलिस ने तकनीक आधारित पुलिसिंग और जनशिकायतों के निस्तारण में बड़ी कामयाबी हासिल की है। इसी क्रम में कासगंज पुलिस ने महज सात दिनों के भीतर करीब 32 लाख रुपये कीमत के गुम मोबाइल फोन बरामद कर 120 लोगों को बड़ी राहत पहुंचाई है। खास बात यह है कि इन मोबाइलों की तलाश केवल उत्तर प्रदेश तक सीमित नहीं रही। पुलिस ने तकनीकी संसाधनों की मदद से मध्य प्रदेश, राजस्थान, दिल्ली और हरियाणा तक गुम मोबाइलों का पता लगाया और उन्हें बरामद कर उनके वास्तविक स्वामियों को सौंप दिया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में पुलिसिंग को आधुनिक तकनीक से जोड़ने और आमजन की शिकायतों पर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की दिशा में कासगंज पुलिस की यह उपलब्धि मिशन शक्ति 6.0 के शुरुआती सप्ताह की महत्वपूर्ण सफलता बनकर सामने आई है। मिशन शक्ति 6.0 की शुरुआत 11 अक्टूबर को हुई थी। अभियान के पहले सप्ताह में कासगंज पुलिस ने गुम मोबाइल फोन की बरामदगी के लिए विशेष अभियान चलाया।

ज्ञानेश कुमार इस्तीफा दें, राम मंदिर ट्रस्ट का पुनर्गठन कर बनाया जाए 'रामालय ट्रस्ट': दिग्विजय सिंह

भोपाल/इंदौर। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं पूर्व राज्यसभा सांसद दिग्विजय सिंह ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने और उनके त्यागपत्र की मांग की है। साथ ही राम मंदिर ट्रस्ट में परिवर्तन कर 'रामालय ट्रस्ट' का गठन करने का प्रस्ताव रखा है। उन्होंने कहा कि इसमें विभिन्न पीठों के शंकराचार्य, रामानंद संप्रदाय के संत, निर्मोही अखाड़े और गोरखनाथ मठ के प्रतिनिधियों को शामिल किया जाना चाहिए। यह बात पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने इंदौर प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में कही। उन्होंने बताया कि वे विजयादशमी पर 20 अक्टूबर से उज्जैन के महाकाल मंदिर से अयोध्या के श्रीराम मंदिर तक 'सत्य सनातन स्वाभिमान यात्रा' प्रारंभ करेंगे। लगभग 930 किलोमीटर की यह जन-जागरण यात्रा ओरछा स्थित रामराजा मंदिर से होते हुए उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों से गुजरकर अयोध्या पहुँचेगी। इस शांतिपूर्ण यात्रा का ध्येय वाक्य 'यतो धर्मस्ततो जयः' (जहाँ धर्म, सत्य और न्याय है, वहाँ विजय है) होगा।

मंत्री रेखा आर्य बोलीं- ऑडियो शत-प्रतिशत असली, आय से अधिक संपत्ति की जांच कराने की चुनौती

देहरादून। उत्तराखंड की महिला सशक्तीकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्य ने दावा किया कि उनकी ओर से सार्वजनिक किया गया ऑडियो पूरी तरह असली है और उसमें किसी तरह की छेड़छाड़ या कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) का इस्तेमाल नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि मामले में प्राथमिकी दर्ज है और उन्हें उत्तराखंड पुलिस की निष्पक्ष जांच पर भरोसा है। कैबिनेट मंत्री आर्य आज अस्पताल में पत्रकारों से बातचीत में अपने पति से जुड़े विवाद, सार्वजनिक किए गए ऑडियो और अपने खिलाफ लगाए जा रहे आरोपों पर पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि उनके पति के व्यवहार में बदलाव दिखाई देने के बाद उनके मन में सवाल उठने लगे थे कि ऐसा क्यों हो रहा है? इसके बाद पड़ताल करने पर संबंधित ऑडियो सामने आई। उन्होंने कहा कि ऑडियो सुनने के बाद उन्हें लगा कि यह मामला लोगों के सामने आना चाहिए, ताकि सभी को पता चल सके कि एक व्यक्ति अपनी पत्नी के प्रति किस तरह की बातें कर रहा है।

कांग्रेस को रामलीला मैदान में एक नवंबर को रैली करने की मिली अनुमति

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने कांग्रेस को एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की अनुमति दे दी है। इसके लिए अनापत्ति प्रमाण पत्र (एनओसी) भी जारी कर दिया गया है। मध्य जिले के पुलिस उपायुक्त रोहित राजबीर सिंह के मुताबिक कांग्रेस ने एक नवंबर को रामलीला मैदान में रैली आयोजित करने की योजना बनाई है और इसके लिए आवश्यक एनओसी प्राप्त करने को लेकर पुलिस से संपर्क किया था। निर्धारित प्रदर्शन स्थल पर रैली आयोजित करने को लेकर 25 अक्टूबर से तीन नवंबर तक की अवधि तक के लिए एनओसी जारी किया गया है। उन्होंने बताया कि रैली के दौरान कानून-व्यवस्था बनाए रखने, यातायात का सुचारु संचालन सुनिश्चित करने और आयोजन को व्यवस्थित तरीके से संपन्न कराने के लिए जरूरी इंतजाम किए जा रहे हैं।

हमारी सांस्कृतिक कलाएं और परंपराएं जीवन में भर देती हैं उत्साह : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

विजयवाड़ा उत्सव में शामिल हुए मप्र के मुख्यमंत्री, श्रद्धालुओं को बाबा महाकाल और ओंकारेश्वर ज्योतिर्लिंग दर्शन के लिए किया आमंत्रित

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि विविधता से भरी भारतीय संस्कृति में दक्षिण की संस्कृति और परंपराएं हम सभी को रोमांचित करती हैं। हमारी सांस्कृतिक कलाएं और परंपराएं जीवन में उत्साह और उमंग भर देती हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. यादव शनिवार देर शाम आंध्र प्रदेश प्रवास के दौरान विजयवाड़ा में आयोजित विजयवाड़ा उत्सव में सहभागिता कर श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का आंध्र प्रदेश सरकार और टूरिज्म डिपार्टमेंट की ओर से आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम में 'दक्षिण का वैभव' थीम पर कलाकारों के विभिन्न समूहों ने मनमोहक सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने माँ कनक दुर्गा और भगवान मल्लिकार्जुन स्वामी के चरणों में नमन करते हुए कहा कि विजयवाड़ा उत्सव का यह द्वितीय वर्ष है। नवरात्रि का पर्व चल रहा है। मां दुर्गा हमें सुख और समृद्धि का आशीर्वाद देती है।

विजयवाड़ा उत्सव का वैभव ऐसा है कि आज भगवान इंद्र भी इसे आशीर्वाद दे रहे हैं। बारिश की बूंदें उत्सव के आनंद और उमंग को बढ़ा देती हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ कृष्णा नदी के किनारे स्थित विजयवाड़ा विजय की धरती है। मध्यप्रदेशवासियों की ओर से हर कार्य में आपकी विजय की कामना करता हूं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मध्य प्रदेश के निवासियों की ओर से आंध्र प्रदेश के नागरिकों को विजयदशमी पर्व की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि देश भर में विजयवाड़ा उत्सव का वैभव बढ़ता जा रहा है। उन्होंने विजयवाड़ा उत्सव के आयोजकों को भव्य आयोजन के लिए बधाई दी। उन्होंने कहा कि विजयवाड़ा उत्सव में 4 से 5 हजार कलाकार अपने विभिन्न सांस्कृतिक नृत्य और कलाओं की प्रस्तुति दे रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि माँ कृष्णा नदी के किनारे स्थित यह पर्वतीय क्षेत्र हीरा खनन के लिए भी प्रसिद्ध है। बताया जाता है कि यहीं से प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा निकला था, जो तत्कालीन ब्रिटिश शासकों के हाथों में चला गया।

इमरान खान ने एफआरआरओ के 'लीव इंडिया नोटिस' को बॉम्बे हाई कोर्ट में दी चुनौती

एजेंसी

मुंबई। फिल्म अभिनेता इमरान खान ने फॉरेनर्स रीजनल रजिस्ट्रेशन ऑफिस (एफआरआरओ) की ओर से जारी 'लीव इंडिया नोटिस' (एलआईएन) को बॉम्बे उच्च अदालत में चुनौती दी है। इस नोटिस में उन्हें 28 अक्टूबर तक भारत छोड़ने का निर्देश दिया गया है। अभिनेता ने नोटिस को असंवैधानिक बताते हुए इसे रद्द करने की मांग की है। इमरान खान के वकील ने शनिवार मीडिया को बताया कि आज उनके मुवक्किल की ओर से उच्च अदालत में रिट याचिका दायर की गई है। यह नोटिस 14 अक्टूबर को जारी की गई है और

इसमें आरोप लगाया गया है कि अभिनेता ने 10 अक्टूबर को अगस्त क्रांति मैदान के पास मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञान कुमार के खिलाफ हुए विरोध प्रदर्शन में शामिल होकर इमिग्रेशन एंड फॉरेनर्स एक्ट (आईएफए) का उल्लंघन किया। इसी मामले में एफआरआरओ ने इमरान खान को कारण बताओ नोटिस भी जारी किया था। इसमें कहा गया है कि उनके स्पष्टीकरण और संबंधित दस्तावेजों की समीक्षा के आधार पर नागरिकता अधिनियम, 1955 की धारा 7ड(ई) के तहत उनका ओवरसीज सिटिजन ऑफ इंडिया (ओसीआई) पंजीकरण रद्द किया जा सकता है। 44 वर्षीय अभिनेता ने अदालत से मांग की है कि उनकी याचिका पर अंतिम फैसला आने तक लीव इंडिया नोटिस के अमल पर तत्काल रोक लगाई जाए। याचिका में अंतरिम राहत की मांग करते हुए अधिकारियों को उनके खिलाफ किसी भी तरह की कठोर कार्रवाई करने से रोकने की अपील की गई है। इसमें देश से निर्वासित करने (डिपोर्टेशन) और लुक आउट सर्कुलर (एलओसी) जारी करने जैसे कदमों पर रोक लगाने की मांग भी शामिल है।

केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने मप्र के अशोकनगर में युवाओं से किया सीधा संवाद

'युवाओं से सीधा संवाद किया और उनके विचारों, सपनों तथा आकांक्षाओं को करीब से जाना।'

एजेंसी

भोपाल। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अशोकनगर के अशोका गार्डन में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में युवाओं से सीधा संवाद किया। सिंधिया कार्यक्रम के आकर्षण के केंद्र रहे। अपने सहज और आत्मीय अंदाज में उन्होंने युवाओं से सीधा संवाद किया और उनके विचारों, सपनों तथा आकांक्षाओं को करीब से जाना। युवाओं के बीच देश मे यूथ आइकन के रूप में विशेष पहचान रखने वाले सिंधिया की मौजूदगी ने कार्यक्रम में उत्साह और ऊर्जा का संचार किया। संवाद, संगीत और जोश के संग युवा शक्ति, नए विचारों और नए भारत के संकल्प की झलक दिखी। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने पूरे जोश और उमंग के साथ सहभागिता की। वहीं, बैंड की शानदार प्रस्तुति ने समां बांध दिया। सिंधिया भी संगीत की इस प्रस्तुति से मंत्रमुग्ध नजर आए और उन्होंने कलाकारों के उत्साहवर्धन के साथ कार्यक्रम का आनंद लिया। रॉक बैंड की टीम तथा वंश शुक्ला एवं नमन द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी गई। युवाओं के सवालों, विचारों और सपनों से

जुड़े युवा संवाद का माहौल युवाओं की ऊर्जा, रचनात्मकता और नए विचारों से सराबोर रहा। युवाओं के साथ सिंधिया का यह संवाद उनके प्रति आत्मीय जुड़ाव और उनकी प्रतिभा, सोच एवं आकांक्षाओं को महत्व देने का एक जीवंत उदाहरण बना। कार्यक्रम में आते ही सिंधिया रैंप पर चले। सभी ने उनका उत्साह से स्वागत किया। इस दौरान उन्होंने युवा आदित्य यादव,रिमशा खान,दिव्यास यादव,स्मिता योगी,श्रुति यादव सहित अन्य युवाओं से संवाद किया एवं उनके प्रश्नों का जवाब दिया। कार्यक्रम में कलेक्टर सांकेत मालवीय, पुलिस अधीक्षक राजीव कुमार मिश्रा, भाजपा जिला अध्यक्ष आलोक तिवारी, पूर्व विधायक जजपाल सिंह जज्जी, लड्डूराम कोरी, जिला पंचायत सदस्य शीला जाटव,जनप्रतिनिधि एवं बडी संख्या में युवा उपस्थित रहे। इससे पहले केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने ग्राम पंचायत सेहराई में आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न शासकीय जनकल्याणकारी योजनाओं के पात्र हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया।

विपक्षी दल लोकतंत्र और भीड़तंत्र के बीच का फ़र्क भूल चुके हैं : अनुप्रिया पटेल

एजेंसी

रायबरेली। केंद्रीय स्वास्थ्य राज्य मंत्री और अपना दल (एस) की अध्यक्ष अनुप्रिया पटेल ने विपक्षी गठबंधन पर तीखा हमला बोला है। रायबरेली में मीडिया से बातचीत के दौरान उन्होंने कहा कि विपक्षी दल लोकतंत्र और भीड़तंत्र के बीच का फर्क भूल चुके हैं। अनुप्रिया पटेल प्रतापगढ़ में अपना दल (एस) के संस्थापक डॉ. सोने लाल पटेल के 17वें परिनिर्वाण दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में शामिल होने जा रही थीं। उन्होंने दिल्ली में विपक्षी दलों की ओर से किए जा रहे प्रदर्शनों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि चुनावी हार से हताश विपक्ष अराजकता का रास्ता अपना रहा है। केंद्रीय मंत्री ने विपक्षी दलों के विरोध प्रदर्शनों को लेकर सवाल उठाते हुए कहा कि राजनीति में जनता का समर्थन हासिल करने के लिए सही दिशा और जनसेवा जरूरी है। उसके पास न तो कोई स्पष्ट नेता है, न नीति और न ही कोई ठोस एजेंडा। उन्होंने कहा कि चुनावी हार के बाद विपक्ष को अपनी रणनीति पर विचार करना चाहिए, लेकिन इसके बजाय वह अराजकता का रास्ता अपना रहा है। केंद्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल ने कहा कि लोगों के दिलों में जगह उपद्रव के जरिए नहीं, बल्कि जनसेवा के माध्यम से बनाई जाती है। राजनीतिक दलों को जनता की समस्याओं पर ध्यान देना चाहिए और अपने काम

के आधार पर लोगों का विश्वास जीतना चाहिए। दिल्ली में विपक्षी दलों के प्रदर्शनों का जिक्र करते हुए उन्होंने विरोध की राजनीति पर सवाल उठाए। अनुप्रिया पटेल ने एनडीए सरकार के विकास कार्यों का भी उल्लेख किया। उन्होंने दावा किया कि जनता का भरोसा एनडीए के साथ है और सरकार विकास के मुद्दे पर आगे बढ़ रही है।

मप्र के मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री चंद्रबाबू नायडू से की सौजन्य भेंट

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आंध्र प्रदेश की एक दिवसीय यात्रा के दौरान वहां के मुख्यमंत्री एन. चंद्राबाबू नायडू से अमरावती के मुख्यमंत्री निवास में सौजन्य भेंट की। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का पुष्प-गुच्छ से स्वागत किया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नायडू को मध्य प्रदेश में संचालित विकास कार्यक्रमों के संबंध में जानकारी दी और आंध्र प्रदेश में हुई मुलाकातों के बारे में भी बताया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि वर्ष 2027 में मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट का आयोजन हो रहा है। उन्होंने

विभिन्न राज्यों के उद्योगपतियों से म.प्र. में निवेश के लिये उन प्रदेशों के शहरों में जाकर भेंट की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुख्यमंत्री नायडू को बताया कि म.प्र. में निवेश के लिये आंध्र प्रदेश के उद्योगपतियों और निवेशकों से हुई चर्चा सुखद रही है।

अधर्म, अत्याचार व आतंक का अंत ही न्याय, शांति एवं निर्भय समाज की स्थापना का आधारः मुख्यमंत्री

अर्थशक्ति बनकर उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति दे रही है नारी शक्तिः सीएम

एजेंसी

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शारदीय नवरात्र की सप्तमी तिथि पर मां कालरात्रि के स्वरूप की आराधना की। इसके महत्व पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया अकाउंट 'एक्स' पर लिखा कि दुष्टों, असुरों और रक्तबीज जैसी तामसिक शक्तियों का संहार कर धर्म की स्थापना एवं भक्तों को अभय प्रदान करने वाली मां कालरात्रि का दिव्य स्वरूप हमें संदेश देता है कि अधर्म, अत्याचार व आतंक का अंत ही न्याय, शांति एवं निर्भय समाज की स्थापना का आधार है। मुख्यमंत्री ने पिछली सरकार को आईना दिखाते हुए बताया

कि वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में रक्तबीज रूपी माफिया, दंगाइयों और अपराधियों के आतंक से उत्पन्न भय एवं अराजकता के अंधकार ने बहन-बेटियों की सुरक्षा, शिक्षा व स्वावलंबन की राह में गंभीर बाधाएं खड़ी कर दी थीं। वहीं विगत 9.5 वर्षों में डबल इंजन सरकार की अपराध और अपराधियों के प्रति जीरो टॉलरेंस नीति ने इन आसुरी शक्तियों का दमन कर प्रदेश में कानून का राज एवं भयमुक्त वातावरण की स्थापना की है। मुख्यमंत्री ने लिखा कि मिशन शक्ति, इंटीग्रेटेड 1090 हेल्पलाइन, महिला बीट पुलिसिंग और सेफ सिटी परियोजना जैसी पहलों ने बहन-बेटियों के लिए घर की चौखट से लेकर सड़क, शिक्षण संस्थानों व कार्यस्थलों तक सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित किया है। पुलिस रिस्पॉन्स टाइम का वर्ष 2016 के 65 मिनट से घटकर मात्र 5 मिनट रह जाना, प्रदेश में कानून-व्यवस्था की तत्परता और महिला सुरक्षा के प्रति सरकार की प्रतिबद्धता का स्पष्ट प्रमाण है। मुख्यमंत्री ने प्रदेश में सुरक्षा के माहौल का जिक्र किया, कहा कि सुरक्षा के इसी विश्वास से प्रेरित होकर आज महिलाएं नाइट शिफ्ट में भी निडर होकर कार्य कर रही हैं। महिला श्रम बल भागीदारी का 12 प्रतिशत से बढ़कर 36 प्रतिशत से अधिक होना इस बात का प्रमाण है कि प्रदेश की नारी शक्ति, अर्थशक्ति बनकर उत्तर प्रदेश के आर्थिक विकास को नई गति दे रही है। सीएम ने लिखा कि कृषि, उद्योग, सेवा और उद्यमिता सहित विभिन्न क्षेत्रों में नारी शक्ति की बढ़ती भागीदारी ने प्रदेश की विकास यात्रा को नई ऊर्जा दी है। यही भागीदारी उत्तर प्रदेश की जीएसडीपी और प्रति व्यक्ति आय में हुई तीन गुना वृद्धि की यात्रा में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रही है।

151 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने आईपीएस प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा किया, पासिंग आउट परेड संपन्न

एजेंसी

हैदराबाद। भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के 78वें बैच के परिवीक्षाधिकारियों की पासिंग-आउट परेड हैदराबाद स्थित सरदार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस अकादमी में आयोजित की गई। इसी के साथ उनके बुनियादी प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा हुआ।

केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन दीक्षांत परेड के मुख्य अतिथि थे और उन्होंने परेड का निरीक्षण किया। अकादमी में कुल 151 अधिकारी प्रशिक्षुओं ने अपने प्रशिक्षण का पहला चरण पूरा किया, जिनमें 135 आईपीएस प्रोबेशनर और नेपाल, भूटान तथा मालदीव के 16 विदेशी अधिकारी प्रशिक्षु शामिल हैं। परिवीक्षाधिकारियों ने पुलिसिंग, आपराधिक जांच, फोरेंसिक विज्ञान, आंतरिक सुरक्षा, सार्वजनिक व्यवस्था, अपराध विज्ञान, पुलिस प्रबंधन, मानवाधिकार और नए आपराधिक कानूनों के क्रियान्वयन में गहन प्रशिक्षण प्राप्त किया। प्रशिक्षण कार्यक्रम में कानून प्रवर्तन के समक्ष आ रही नई चुनौतियों पर भी ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें साइबर अपराध, क्रिप्टोकरेंसी से जुड़े धोखाधड़ी के मामले, डार्कनेट संचालन, वित्तीय अपराध,

मादक पदार्थों की तस्करी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और ड्रोन से जुड़े खतरे शामिल हैं।

प्रशिक्षुओं को तेलंगाना के ग्रेहाउंड्स, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) और सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) सहित विशेष पुलिस और सुरक्षा संगठनों से संबद्ध कर व्यावहारिक अनुभव प्रदान किया गया। उन्होंने भीड़ प्रबंधन, चुनावी ड्यूटी और प्रमुख सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था से जुड़े मैदानी अभ्यासों में भी भाग लिया।

केरल की बेटी का सीएम योगी को भावुक पत्र, मेरे विवाह पर आइए

एजेंसी

लखनऊ। कभी अपनी आंखों में आने वाले आंसुओं को कमजोरी समझने वाली केरल की अरुंधति के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक सीख जिंदगी का नजरिया बदलने वाली बन गई। बचपन में योगी के एक वीडियो से उन्होंने समझा कि भावुक होना कमजोरी नहीं, बल्कि अपनी भावनाओं को स्वीकार करने का साहस है। वर्षों बाद भी यह सीख उनके जीवन का हिस्सा बनी हुई है। अब जब अरुंधति विवाह कर अपने जीवन के नए अध्याय की शुरुआत करने जा रही हैं, तो उन्होंने अपने प्रेरणास्रोत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को हाथ से लिखकर दो पेज का पत्र भेजा है और विवाह में शामिल होकर नवदंपती को आशीर्वाद देने का आग्रह किया है। पत्र में शादी का न्योता है, पर उससे भी ज्यादा है- सीएम के प्रति कृतज्ञता का भाव।अरुंधति ने सीएम योगी को भेजे अपने पत्र में बचपन की उस मनःस्थिति को साझा किया है, जब छोटी-छोटी बातों पर भावुक होकर रो पड़ना उन्हें खुद अपनी कमजोरी लगने लगा था। उनके कुछ दोस्त उन्हें समझाते थे कि मजबूत बनने के लिए भावनाओं पर काबू रखना जरूरी है। धीरे-धीरे उनके मन में भी यह सवाल घर करने लगा कि क्या आसानी से रो पड़ने वाला व्यक्ति कभी मजबूत बन सकता है? क्या अपनी भावनाएं जाहिर करना शर्मिंदगी की बात है? इसी दौरान उनके चचेरे भाई ने उन्हें योगी आदित्यनाथ का एक वीडियो दिखाया। वीडियो में योगी काफी भावुक थे। चचेरे भाई ने समझाया कि योगी जैसा बनो, भावुक होते हुए भी अत्यंत मजबूत। इससे अरुंधति को एक नई दृष्टि मिली। उन्हें यह समझने में मदद मिली कि आंसू किसी व्यक्ति की कमजोरी का प्रमाण नहीं होते। इस अनुभव ने उनके भीतर चल रहे द्वंद्व को बदलने में अहम भूमिका निभाई। जिस भावुकता को वह अपनी कमी मानने लगी थीं, उसे अब वह अपनी सहज मानवीय संवेदना के रूप में देखने लगीं।अरुंधति के लिए इस अनुभव का महत्व केवल उस पल तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने समझा कि मजबूत होने का अर्थ हर परिस्थिति में भावनाओं को छिपाना नहीं, बल्कि मुश्किलों का सामना करते हुए खुद पर भरोसा बनाए रखना है। गिरने के बाद दोबारा खड़े होना, चुनौतियों के बीच आगे बढ़ना और अपनी जिम्मेदारियों को निभाना ही वास्तविक साहस है। अरुंधति ने पत्र में लिखा है-' जब भी मैं खुद पर संदेह करती हूं, आपसे मुझे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती है।'

पैरा एशियन गेम्स का शानदार आगाज, सिमरन और प्रमोद ने की अगुवाई

आइची नागोया। एशियन गेम्स 2026 के शानदार समापन के बाद अब बारी है पैरा एशियन गेम्स की। रविवार को पांचवें एशियाई खेलों की शुरुआत हो गई। उद्घाटन समारोह में भारत की अगुवाई पैरा अथलीट प्रमोद भगत और सिमरन सिंह ने की। दोनों भारतीय दल के ध्वजवाहक थे।

281 सदस्यीय दल को दी है मंजूरी

जापान के आइची-नागोया में आयोजित होने वाले इन खेलों के लिए खेल मंत्रालय ने 168 एथलीटों सहित कुल 281 सदस्यों के भारतीय दल को मंजूरी दी है, जिसमें 98 टीम अधिकारी व सपोर्टिंग स्टाफ और 15 कॉन्टिजेंट स्टाफ शामिल हैं। पिछले साल चीन के हांगझू में हुए संस्करण की तुलना में इस बार दल का आकार काफी छोटा है, जहां भारत ने 303 एथलीट उतारे थे। इस बार पैरा एशियन गेम्स 18 से 24 अक्तूबर तक चलेगा।भारतीय दल में गिरावट की मुख्य वजह ब्लाइंड चेस, पैरा-रोइंग और पैरा-कैनोइंग जैसी स्पर्धाओं का इस बार शामिल न होना है, जिनमें भारत ने पहले हिस्सा लिया था। इसके अलावा, आयोजन समिति की ओर से कई खेलों में कड़े कोटा नियम भी लागू किए गए हैं। उदाहरण के लिए, पैरा एथलेटिक्स में पिछली बार भारत ने 123 एथलीटों का सबसे बड़ा दल भेजा था, जिसे कोटा प्रतिबंधों के कारण इस बार घटाकर 62 कर दिया गया है। कुल 168 एथलीटों में 112 पुरुष और 56 महिलाएं हैं जो 11 अलग-अलग स्पर्धाओं में अपनी चुनौती पेश करेंगे।

इन खिलाड़ियों पर होगी नजर

दो बार के पैरालंपिक चैंपियन सुमित अंतिल पुरुषों की भाला फेंक एफ64 स्पर्धा में अपना खिताब बचाने उतरेंगे। उनके अलावा पैरा-स्पोर्ट्स के अन्य दिग्गज जैसे धरमबीर नैन, प्रवीण कुमार और नवदीप सिंह भी पैरा एथलेटिक्स स्क्वाड का हिस्सा हैं। प्रीति पाल, दीप्ती जीवनजी, निशद कुमार, सचिन सरजेराव खिलारी और होकातो होताझे सेमा जैसे पैरालंपिक पदक विजेता भी प्रबल दावेदार के रूप में नजर आएंगे। शूटिंग दल की अगुवाई दो बार की पैरालंपिक चैंपियन और एशियाई पैरा गेम्स की डिफेंडिंग चैंपियन अवनि लेखरा करेंगी, जो महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में उतरेंगी। पैरा तीरंदाजी में 19 वर्षीय शीतल देवी महिलाओं का कंपाउंड खिताब बचाने के लिए वापसी कर रही हैं। उन्होंने 2023 के संस्करण में मिक्स्ड टीम सहित दो पदक और डबल्स इवेंट में रजत पदक जीता था। पैरालंपिक चैंपियन नितेश कुमार और प्रमोद भगत एक मजबूत पैरा-बैडमिंटन ग्रुप की कमान संभालेंगे, जिसमें सुहास यतिराज, तुलसीमथिया मुरुगेसन और नित्या स्त्रे सुमाथी सिवन जैसे धुरंधर भी शामिल हैं।

एशियाई पैरा गेम्स में भारत का सफर लगातार शानदार रहा है। 2010 में 14 पदकों से शुरू हुआ यह सफर इंचियोन में 33, जकार्ता में 72 और तीन साल पहले 100 का आंकड़ा पार करके 111 तक पहुंचा, जो भारतीय खेल इतिहास का एक स्वर्णिम पल था। इस बार प्रतियोगिताएं 19 अलग-अलग वेन्यू पर खेली जाएंगी, जिसमें नागोया सिटी मिजुहो पार्क एथलेटिक्स स्टेडियम मुख्य एरिना होगा।

संक्षिप्त समाचार

इंटर मियामी की जीत में चमके लियोनल मेसी, दागे दो गोल

न्यूयॉर्क। दिग्गज फुटबॉलर लियोनल मेसी के दो गोल और एक असिस्ट की मदद से इंटर मियामी ने मेजर लीग सॉकर (एमएलएस) मुकाबले में अटलांटा यूनाइटेड को 3-1 से हरा दिया। मेसी ने दोनों गोल करने से पहले टीम के शुरुआती गोल का मौका भी बनाया। पहले हाफ के आखिरी क्षणों में जर्मन बेर्टेरामे ने मेसी और लुईस सुआरेज की मदद से गोल कर इंटर मियामी का खाता खोला। एमएलएस में अपने शुरुआती 26 मुकाबलों में बेर्टेरामे का यह नौवां गोल था। मेसी ने इसके बाद 56वें और 60वें मिनट में लगातार दो गोल दागकर इंटर मियामी की बढ़त 3-0 कर दी। दोनों गोल में बेर्टेरामे ने मदद की अहम भूमिका रही, जबकि मेसी के दूसरे गोल में सुआरेज का भी योगदान रहा। मेसी के नाम अब गोल और मदद मिलाकर

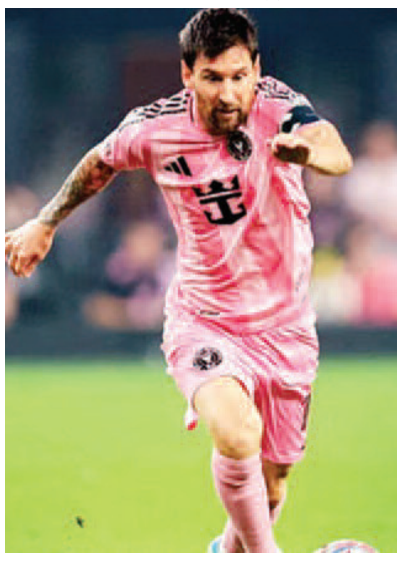

कुल 40 गोल योगदान दर्ज हो चुके हैं। वह लॉस एंजिलिस एफसी के कार्लोस वेला के 2019 में बनाए गए 49 गोल योगदान के रिकॉर्ड से नौ पीछे हैं। इंटर मियामी के इस स्टार खिलाड़ी के पास रिकॉर्ड तोड़ने के लिए चार मुकाबले शेष हैं। इंटर मियामी के गोलकीपर डेने सेंट क्लेयर ने दो बचाव किए, लेकिन 89वें मिनट में फाफा पिकॉल्ट ने पेनाल्टी पर गोल कर टीम को क्लीन शीट हासिल करने से रोक दिया।

हार्दिक का विकल्प ढूंढना मुश्किल

पूर्व भारतीय कप्तान ने किया पांड्या को समर्थन

नई दिल्ली, एजेंसी। पूर्व दिग्गज सुनील गावस्कर का मानना है कि हार्दिक पांड्या की जगह लेना आसान नहीं है ऐसे में भारत को उनके विकल्प तलाशने की कोशिश करने की जगह टीम को ऐसे खिलाड़ियों पर ध्यान देना चाहिए जो अलग-अलग भूमिकाएं निभा सके। उन्होंने गेंदबाजी आक्रमण को मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। गावस्कर ने कहा कि भारत को चार विशेषज्ञ गेंदबाजों के साथ मैच में उतरना चाहिए, जबकि ऐसे ऑलराउंडर खिलाड़ियों को पांचवें और छठे गेंदबाज की भूमिका निभानी चाहिए जो बल्लेबाजी में भी योगदान दे सके। बल्लेबाजी क्रम को लंबा करने के लिए गेंदबाजी की मजबूती से समझौता नहीं करना चाहिए।वेस्टइंडीज के खिलाफ शनिवार रात बंगलूरू में पांचवां और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद गावस्कर ने कहा, हम कभी-कभी हार्दिक पांड्या का विकल्प तलाशने में कुछ ज्यादा ही जुट जाते हैं। उनकी जगह कोई नहीं ले सकता। अगर आपको उनकी क्षमता का खिलाड़ी नहीं मिलता है, तो ऐसे खिलाड़ी के साथ आगे बढ़िए, जो टीम के लिए थोड़ी अलग भूमिका निभा सके।

स्पिन गेंदबाजों का समर्थन करने कहा

गावस्कर ने भारतीय टीम के स्पिन गेंदबाजी विकल्पों की पहचान करने और उन्हें लगातार समर्थन देने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि भले ही इन गेंदबाजों को नियमित रूप से प्लेइंग-11 में जगह न मिले, लेकिन टीम के व्यापक ढांचे में उनकी भूमिका अहम है। उन्होंने कहा, वे नियमित रूप से प्लेइंग-11 का हिस्सा हों या नहीं, लेकिन टीम के बड़े समूह में शामिल हैं।

नमन धीर का दिया उदाहरण

गावस्कर ने नमन धीर का उदाहरण देते हुए कहा कि वह ऐसे खिलाड़ी हैं, जो बल्ले और गेंद दोनों से योगदान देकर अलग भूमिका निभा सकते हैं। उन्होंने कहा, नमन धीर यही काम कर रहे हैं। वह अपने ओवर अच्छी तरह कर रहे हैं और इस मैच में उनकी बल्लेबाजी भी देखिए। इस सीरीज से यह सीख मिलती है कि गेंदबाजी में भारत को कम से कम चार नियमित गेंदबाजों के साथ उतरना चाहिए। पांचवां और छठा विकल्प ऑलराउंडर हो सकते हैं, जो बल्लेबाजी भी कर सकें। नमन धीर बल्लेबाज हैं, लेकिन वह दो-तीन ओवर गेंदबाजी भी कर सकते हैं। अक्षर पटेल ऐसे खिलाड़ी हैं, जो अपने चार ओवर पूरे कर सकते हैं।

गेंदबाजी कमजोर हो सकती है

गावस्कर ने आगाह किया कि बल्लेबाजी क्रम को आठवें नंबर तक बढ़ाने की कोशिश में भारतीय टीम की गेंदबाजी कमजोर हो सकती है। उन्होंने कहा, जब आप आठवें नंबर तक बल्लेबाजी लेकर उतरते हैं, तो अपनी गेंदबाजी को कमजोर कर देते हैं और इसी वजह से आपको हार का सामना करना पड़ता है। हमें गेंदबाजी देखने का मौका ही नहीं मिला। यह देखना दिलचस्प होता कि नौ ओवर के इस मुकाबले में भारतीय गेंदबाज किस तरह प्रदर्शन करते।

रणजी ट्रॉफी: पहली पारी में सस्ते में आउट हुए शुभमन गिल

नई दिल्ली। भारत के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल के लिए रणजी ट्रॉफी में छत्तीसगढ़ के खिलाफ पंजाब की ओर से मैच की शुरुआत बेहद निराशाजनक रही। न्यू चंडीगढ़ में रविवार को खेले जा रहे इस एलीट ग्रुप बी मुकाबले के पहले दिन गिल सिर्फ एक रन बनाकर आउट हो गए। भारत और न्यूजीलैंड के बीच आगामी दो मैचों की महत्वपूर्ण टेस्ट सीरीज से पहले गिल ने घरेलू लाल गेंद के क्रिकेट में खेलने का फैसला किया था और वह इस मुकाबले के लिए अंतिम समय में पंजाब की टीम से जुड़े थे। छत्तीसगढ़ के खिलाफ मैच के 26वें ओवर की पहली गेंद पर विहान मल्होत्रा के आउट होने के बाद दाएं हाथ के बल्लेबाज शुभमन गिल नंबर चार पर बल्लेबाजी करने आए। उन्होंने अपनी पारी की दूसरी गेंद पर एक रन लेकर खाता खोला, लेकिन 27वें ओवर की तीसरी गेंद पर स्पिनर अजय मंडल ने उनकी रक्षात्मक तकनीक को भेदते हुए उन्हें बोल्ड कर दिया। आउट होने से पहले गिल ने पांच गेंदों का सामना किया।इस मैच में गिल बल्ला नहीं चला, लेकिन इस साल अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में गिल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा है। इस वर्ष उन्होंने तीन टेस्ट मैचों की चार पारियों में 50.00 की औसत से 200 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और एक अर्धशतक शामिल है।

वैभव को लेकर बोले अय्यर- इंतजार करना ही पड़ता है

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच खेली गई पांच टी20 मैचों की सीरीज में युवा सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने वैभव को मौका नहीं मिलने की वजह बताई है। बंगलूरू में शनिवार को बारिश की वजह से पांचवां टी20 धुलने के बाद वैभव को सीरीज में मौका नहीं मिलने पर अपनी राय रखते हुए अय्यर ने कहा कि संजू सैमसन, अभिषेक शर्मा और ईशान किशन के टॉप-3 में लगातार अच्छा प्रदर्शन करने की वजह से वैभव को मौका नहीं मिला।

अय्यर ने कहा, मुझे पता है कि वैभव के दिमाग में क्या चल रहा होगा, खासकर जबरदस्त आईपीएल सीजन के बाद। लेकिन आपको कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो शानदार ओपनर हैं, जो लगातार रन बना रहे हैं। मैं बस उनसे कहता रहता हूं कि आपको मौका मिलेगा। सैमसन और अभिषेक ने हमारे लिए विश्व कप जीता है। वे लगातार रन बना रहे हैं। अगर आप अपने प्रोसेस में निरंतरता बनाए रखते हैं और आपका माइंडसेट थोड़ा हल्का है, तो अभी मौका मिलने के बारे में ज्यादा न सोचें।

शानदार रहा वैभव का प्रदर्शन...

सूर्यवंशी ने चार जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया। उन्होंने उस सीरीज में तीन मैचों में साधारण प्रदर्शन किया। जिम्बाब्वे के खिलाफ टी20 सीरीज में वैभव का प्रदर्शन अच्छा रहा था। तीन मैचों में दो अर्धशतकों के साथ 151 रन बनाकर वह प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे थे। इसके बाद अफगानिस्तान सीरीज में उन्हें मौका नहीं मिला था। एशियन गेम्स में श्रीलंका के खिलाफ 21 गेंदों पर 38 और फाइनल में पाकिस्तान के खिलाफ नौ गेंदों पर 15 रन उनके बल्ले से निकले। इसके बाद वैभव को अपने अगले मौके का इंतजार है। वैभव को भारतीय टीम के साथ पांच टी20 मैचों की सीरीज के लिए न्यूजीलैंड दौरे पर जाना है। यह सीरीज 22 अक्तूबर से शुरू हो रही है। देखना होगा कि वैभव को न्यूजीलैंड में मौका मिलता है या नहीं।

श्रेयस को सीरीज बराबरी पर छूटने का मलाल, बोले- अलग हो सकता था नतीजा

बंगलूरू, एजेंसी। भारत और वेस्टइंडीज के बीच बंगलूरू के एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में निर्णायक मैच बारिश के कारण धुल गया, जिसके साथ पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज 2-2 से बराबरी पर खत्म हुई। भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर मानते हैं कि इस सीरीज का नतीजा कुछ और हो सकता था, अगर उनके गेंदबाजों ने दो मुकाबलों में बेहतर गेंदबाजी की होती। बारिश के कारण एम. चिन्नास्वामी स्टेडियम में होने वाला पांचवां और आखिरी मैच रद्द करना पड़ा। नौ-नौ ओवरों के इस मुकाबले में भारत का स्कोर 7.4 ओवर में 118/5 था। अय्यर ने कहा, अगर हमने दूसरे और चौथे मैच में बेहतर गेंदबाजी की होती, तो नतीजा कुछ और हो सकता था। उन्हें (वेस्टइंडीज को) श्रेय देना चाहिए, उन्होंने अच्छी बल्लेबाजी की। पूरी सीरीज में होप ने जिस तरह से बल्लेबाजी की, वह शानदार थी। हार के बाद भी वापसी करने की उनकी क्षमता काबिले तारीफ है। हम जिस तरह से खेलते हैं, उसमें एक आक्रामक मानसिकता होती है।

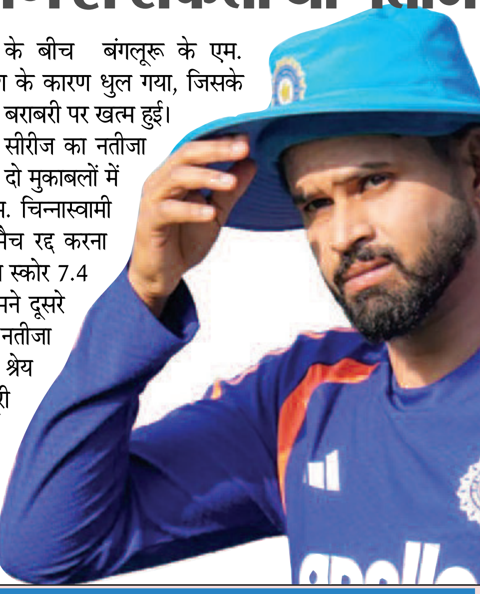

युवा खिलाड़ियों को धैर्य और प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत

15 वर्षीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को भारत की ओपनिंग स्लॉट पहले से भरे होने के कारण अपने मौके का इंतजार करना पड़ रहा है। इस पूरी सीरीज में वैभव को एक अदद मौका नहीं मिल सका। अय्यर ने कहा कि इस युवा खिलाड़ी को धैर्य रखने और अपनी प्रक्रिया पर टिके रहने की जरूरत है। उन्होंने कहा, मैं उनसे बस यही कहता रहता हूं कि आपको मौका जरूर मिलेगा। अगर अपनी प्रक्रिया को लेकर लगातार अच्छा काम करते हो, तो कभी-कभी इंतजार करना पड़ता है। हमारे पास दो बेहतरीन ओपनर हैं, वैभव के साथ हमारी यही बातचीत होती रही है। भारत अब गुरुवार से शुरू होने वाली टी20 सीरीज के लिए सीधे न्यूजीलैंड जा रहा है। इस व्यस्त शेड्यूल को लेकर अय्यर ने कहा, यह किसी आम दिन जैसा ही है। भारत में तो हम लगातार यात्रा करते ही रहते हैं। हम इसे काफी अच्छे से संभाल रहे हैं।मैच बारिश की भेंट चढ़ जाने से वेस्टइंडीज के पास 2002 के बाद भारत में अपनी पहली सीरीज जीतने का मौका हाथ से निकल गया। इससे पहले वे वनडे सीरीज 1-2 से हार गए थे। चार मैचों में दो शतक लगाने वाले वेस्टइंडीज के कप्तान शाई होप को 'प्लेयर ऑफ द सीरीज' चुना गया। उन्होंने कहा कि उनकी टीम सीरीज जीतने के बहुत करीब पहुंच गई थी।

हॉलीवुड की इस बात के मुरीद हुए विद्युत

हाल ही में खास बातचीत में अभिनेता विद्युत जामवाल ने आने वाली फिल्म के किरदार, हॉलीवुड में काम करने के अनुभव, अनुशासन, एआई और अपने अब तक के सफर पर खुलकर बात की।

'स्ट्रीट फाइटर' में धालसिम का किरदार ऑफर हुआ तो पहला विचार क्या था?

मैं धालसिम के कैरेक्टर के बारे में जानता तो था ही। जब मुझे पता लगा कि 'स्ट्रीट फाइटर' की कास्टिंग हो रही है और इस सिलसिले में मुझे फोन किया गया, तो मुझे लग तो रहा था कि यही किरदार होगा। मैं काफी एक्साइटेड था। यह जापानी वीडियो गेम पर आधारित है। धालसिम योगा मास्टर हैं और अपनी योगा की शक्तियों का इस्तेमाल लड़ने के लिए करते हैं। डायरेक्टर ने बताया कि मुझे अपने बाल शेव करने पड़ेंगे। वैसे कैरेक्टर के लिए इसकी जरूरत नहीं पड़ी थी, उन्होंने मास्क भी पहनाया था।

हॉलीवुड में काम करने के अनुभव में सबसे अलग क्या लगा?

अधिकतर चीजें अलग ही हैं। वहां डिसिप्लिन के जो मायने हैं, वो बिल्कुल अलग हैं। वहां टाइम पर आना कोई बड़ी बात नहीं है। वहां टाइम पर ही आना होता है।

किरदार के लिए फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन कितना करना पड़ा?

जब प्रोड्यूसर और डायरेक्टर कास्टिंग कर रहे थे और उन्होंने हिंदुस्तान को देखा तो उन्होंने पूरी हिस्ट्री देखी कि किस आदमी ने अपनी लाइफ में इतना समय इस चीज में बिताया है। हर कैरेक्टर उन्होंने ऑथेंटिक लिया है, जो उनकी रियल लाइफ जैसी है। चाहे वो फिफ्टी सेंट हों, जेसन मोमोआ हों या कोडी रोड्स। सबको उन्होंने उनकी पर्सनालिटी के आधार पर लिया। मैं जैसा हूं, वैसा ही हूं। मुझे कोई अलग से ट्रांसफॉर्म नहीं करना पड़ा। बस मेरे किरदार के लिए बाल उड़ा दिए।

प्रोस्थेटिक लुक तैयार करने में कितना वक्त लगता था?

वैसे, ये जितने भी एक्टर्स हैं हमारी फिल्म में, हर आदमी एक कैरेक्टर में है। उसका जो रूप है, वो वीडियो गेम के आधार पर है। हर आदमी को समय लगता था। हां, मुझे बाकियों से दो घंटे ज्यादा लगते थे। हर दिन तीन-चार घंटे प्रोस्थेटिक मेकअप के लिए लगते थे। मान लीजिए अगर सबका सुबह शूट का कॉल टाइम छह बजे होता था तो मैं चार बजे पहुंच जाता था। लेकिन मुझे कभी इस बात का दुख नहीं हुआ, बल्कि एक्साइटमेंट होती थी।

करीब 15 साल के करियर की इस जर्नी को कैसे डिफाइन करेंगे?

बहुत अच्छी किस्मत। ये जर्नी सिर्फ किस्मत पर आधारित रही है। बाकी सब डिसिप्लिन और हार्डवर्क है। मुझे लगता है किस्मत ने भी साथ दिया।

हॉलीवुड में आपने डिसिप्लिन का जिक्र किया। क्या भारतीय फिल्म इंडस्ट्री में भी इस बदलाव की जरूरत है?

देखिए, डिसिप्लिन जिस तरह से लोग सोचते हैं, डिसिप्लिन सिर्फ टाइम पर आना नहीं है। कचड़े को कचरे के डिब्बे में डालना भी डिसिप्लिन है। क्या वो हिंदुस्तान में चेंज किया जा सकता है? अब देखिए न, चाट की दुकान पर जितना कचरा डिब्बे के अंदर होता है, उससे ज्यादा बाहर होता है। अब वो तब्दीली कहां से लाई जाए, मैं नहीं बता पाऊंगा। हां, लाई जा सकती है। कोशिश की जा सकती है। लेकिन क्या बदलाव आ रहा है? अभी तो नहीं दिख रहा मुझे।

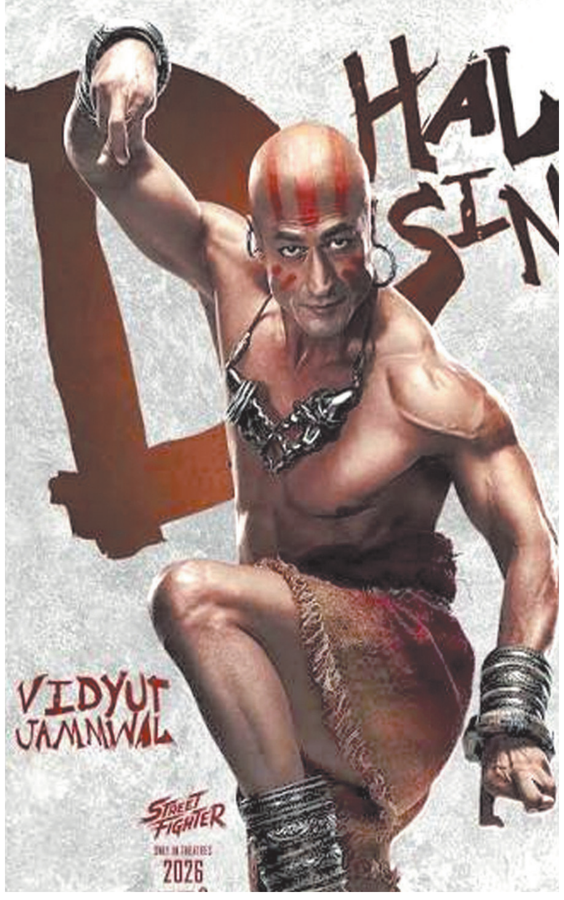

संजय लीला भंसाली संग काम करेंगी करीना, धनुष भी दिख सकते हैं

करीना कपूर और फिल्ममेकर संजय लीला भंसाली लंबे इंतजार के बाद एक प्रोजेक्ट के लिए साथ आने जा रहे हैं। भंसाली प्रोडक्शंस के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म में करीना मुख्य भूमिका में नजर आ सकती हैं। हालांकि, प्रोजेक्ट की कहानी और बाकी कलाकारों को लेकर फिलहाल ज्यादा जानकारी सामने नहीं आई है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, इस फिल्म के निर्देशन की जिम्मेदारी आतिश कपाड़िया को दी गई है। कपाड़िया 'खिचड़ी' जैसी चर्चित सिटकॉम और नेटफ्लिक्स की सीरीज 'चुंबक' के निर्देशन के लिए जाने जाते हैं। बता दें कि करीना को हाल ही में भंसाली के ऑफिस के बाहर भी देखा गया था। इसके बाद दोनों के साथ काम करने की चर्चा और तेज हुई। वहीं करीना फिल्ममेकर एस. मिश्रन की एक माइथो जंगल एडवेंचर फिल्म में काम करने के लिए बातचीत कर रही हैं। चर्चा है कि धनुष भी भंसाली की इस फिल्म में दिख सकते हैं।

क्या दीपिका के समर्थन में उतरीं इशिता दत्ता?

आठ घंटे शिफ्ट वाली मांग पर कहा

पिछले दिनों जब दीपिका पादुकोण फिल्म 'स्पिरिट' से अलग हुईं, तो ऐसी खबरें आईं कि यह फैसला उनकी तरफ से 8 घंटे की शिफ्ट की मांग करने की वजह से लिया गया था। तब से बॉलीवुड में काम के लंबे घंटों को लेकर चर्चा शुरू हो गई है। हाल ही में 'दृश्यम 3' की अभिनेत्री इशिता दत्ता ने दीपिका की मांग का समर्थन किया।

आठ घंटे की शिफ्ट की मांग पर क्या बोलीं इशिता

बातचीत में इशिता ने कहा, 'आठ घंटे की शिफ्ट देना या न देना आपकी निजी पसंद है, इसलिए प्रोडक्शन हाउस मना कर सकता है। मगर इसे लेकर इतना बड़ा मुद्दा बनाना और इसे गलत ठहराने की कोशिश करना गलत है। ऐसे कई कलाकार हैं जो 12-15 घंटे काम करने के लिए तैयार हैं। लेकिन आप किसी दूसरे व्यक्ति की मांग को 'अनुचित' बताकर उसे कमतर नहीं आंक सकते।'

क्या है अभिनेत्री की इच्छा

अभिनेत्री ने आगे कहा, 'जब आप खुद एक बच्चे की मां बनती हैं, तब आपको समझ आता है कि इसमें कितनी मेहनत और समय लगता है। अगर मेरे पास भी ऐसी स्थिति होती जहां मैं मांग रख सकती, तो शायद मैं भी मांगती। मुझे नहीं लगता कि मैं अभी उस मुकाम पर हूं।'

दीपिका कैसे लड़ती हैं अपनी लड़ाइयां

इससे पहले दीपिका पादुकोण ने बातचीत में बॉलीवुड में काम के माहौल और वेतन में समानता को लेकर चल रही बहस पर अपनी बात रखी थी। उन्होंने कहा, 'मैंने कई स्तरों पर ऐसा किया है। यह मेरे लिए कोई नई बात नहीं है। मुझे लगता है कि जहां तक वेतन की बात है, मुझे इससे जुड़ी हर स्थिति का सामना करना पड़ा है। मुझे नहीं पता कि इसे क्या नाम दूं, मगर मैं हमेशा अपनी लड़ाइयां चुपचाप लड़ती आई हूं। पता नहीं क्यों, कभी-कभी ये बातें सार्वजनिक हो जाती हैं, जो मेरे तरीके से अलग है और मेरी परवरिश भी ऐसी नहीं रही है।'

'द पैराडाइज' के बाद अगले प्रोजेक्ट में जुटे राघव जुयाल

एक्टर राघव जुयाल हाल ही में साउथ फिल्म 'द पैराडाइज' में नजर आए थे। फिल्म में राघव ने विलेन का किरदार निभाया था, वहीं एक्टर नानी लीड रोल में थे। अब इसके बाद राघव जुयाल अपनी अगली फिल्म की शूटिंग में जुट गए हैं। दरअसल, राघव जुयाल ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शूटिंग से जुड़ी जानकारी बताते हुए एक पोस्ट शेयर की। इसमें उन्होंने बताया कि वे उनकी अगली फिल्म 'एनी बॉडी कैन ड्रीम' की शूटिंग में लग गए हैं। इसके साथ उन्होंने एक बड़ा और भावुक नोट भी लिखा। राघव ने लिखा, 'आज मैं अपने करियर की सबसे अहम फिल्म की शुरुआत कर रहा हूं। ऐसा इसलिए नहीं कि यह मेरी सबसे बड़ी फिल्म है, बल्कि इसलिए कि 12-13 साल पहले मैंने इसे देखा था, इसके सपने देखे थे और अपने मन में इसे जी भी लिया था।'

लीड रोल में नजर आएंगे राघव

उन्होंने आगे कहा, 'यह फिल्म मेरे लिए इसलिए खास है, क्योंकि यह मुझे फिर से वहीं ले आई है, जहां से मैंने कभी शुरुआत की थी। यह मुझे याद दिलाती है कि जब आप किसी चीज को पाने के लिए लगातार मेहनत करते हैं, उसे अपने सपनों में जीते हैं और हकीकत बनने से पहले ही उस पर विश्वास करते हैं, तो कभी-कभी पूरी कायनात उसे सच करने का रास्ता बना देती है। इस फिल्म को और भी खास बनाने वाली बात यह है कि आज मैं उस फ्रेंचाइजी का मुख्य अभिनेता हूं, जिसमें कभी मैं पीछे खड़े होकर, दूर से सब कुछ देखा करता था।' सपना पूरा होने की बात करते हुए राघव ने लिखा, 'यह वही फिल्म है, जिसका हिस्सा बनने का सपना मैंने वर्षों पहले देखा था और जिस पर मुझे पूरा भरोसा था। अब आखिरकार मेरा यह सपना सच होने जा रहा है। मैं इस फिल्म के लिए अपना सब कुछ लगा दूंगा। यह अब तक की सबसे बेहतरीन डांस फिल्म होगी और मैं इसमें ऐसा प्रदर्शन देने का इरादा रखता हूं, जैसा किसी डांस फिल्म में पहले कभी नहीं देखा गया। कुछ सपने पूरे होने में वर्षों लग जाते हैं। लेकिन जब वे पूरे होते हैं, तो एहसास होता है कि शायद वे सपने कभी हमसे दूर गए ही नहीं थे।

हार्ट कंट्रोलर के साथ म्यूजिक इंडस्ट्री में उतरीं उर्वशी रौतेला

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने अपने ईडीएम (इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक) ट्रैक 'हार्ट कंट्रोलर' के साथ म्यूजिक की दुनिया में कदम रखा, जिसमें उन्होंने मुख्य गायिका और लेखिका की भूमिका निभाई। अपने म्यूजिकल सफर के बारे में बात करते हुए उर्वशी ने बताया कि वह लंबे समय से इलेक्ट्रॉनिक डांस म्यूजिक की ओर आकर्षित रही हैं और अपनी ऑन-स्क्रीन इमेज से हटकर इस जॉनर को आजमाना चाहती थीं। उन्होंने कहा कि यह ट्रैक उनके म्यूजिकल एक्सप्रेशन, भारतीय संस्कृति और परंपरा को एक साथ लाता है। इस बारे में बात करते हुए एक्ट्रेस ने कहा, 'भारत की पहली बॉलीवुड ईडीएम सिंगर बनकर बहुत गर्व महसूस हो रहा है, जिन्हें एक फुल-लेंथ ईडीएम रिकॉर्ड/ट्रैक के लिए लीड वोकलिस्ट के तौर पर पेश किया गया है। किसी बॉलीवुड एक्ट्रेस के लिए यह पहली बार है और बॉलीवुड के इतिहास में भी ऐसा पहली बार हुआ है।'

'दृश्यम 3' की सफलता के बाद करियर में बदलाव चाहते हैं जयदीप

अभिनेता जयदीप अहलावत अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने अपने अभिनय से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। अब अभिनेता को उम्मीद है कि 'दृश्यम 3' की सफलता उनके करियर में अच्छे बदलाव लेकर आएगी। हाल ही में एक बातचीत के दौरान उन्होंने बताया कि वह आगे किस तरह के किरदार निभाना चाहते हैं। बातचीत के दौरान जयदीप अहलावत से पूछा गया कि किसी फिल्म के ब्लॉकबस्टर होने से एक अभिनेता के करियर पर क्या असर पड़ता है। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें अभी नहीं पता कि इससे उनके करियर में क्या बदलाव आएगा, लेकिन उन्हें उम्मीद है कि ये बदलाव अच्छे होंगे। अभिनेता ने कहा, 'ब्लॉकबस्टर सफलता से मेरा करियर किस तरह बदलेगा, मुझे नहीं पता। लेकिन जो भी बदलाव होगा, उम्मीद है कि वह अच्छा होगा। मैं चाहता हूं कि मुझे अच्छे और चुनौतीपूर्ण किरदारों के ऑफर मिलें। मैं यह नहीं चाहता कि मुझसे बार-बार पुलिसवाले का किरदार निभाने के लिए कहा जाए।'

शाहरुख के साथ आएंगे नजर

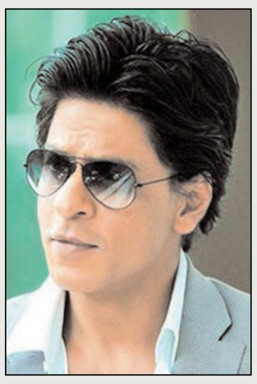

जयदीप अहलावत ने बातचीत के दौरान अपने आने वाले प्रोजेक्ट्स के बारे में भी बताया। उन्होंने खुलासा किया कि वह इस साल शाहरुख खान की फिल्म 'किंग' में नजर आएंगे। इसके अलावा फिलहाल उनकी किसी दूसरी फिल्म की रिलीज तय नहीं है। अभिनेता ने कहा, 'किंग' इस साल शाहरुख खान सर के साथ रिलीज हो रही है। इसके अलावा मेरी कोई और फिल्म रिलीज नहीं हो रही है।'

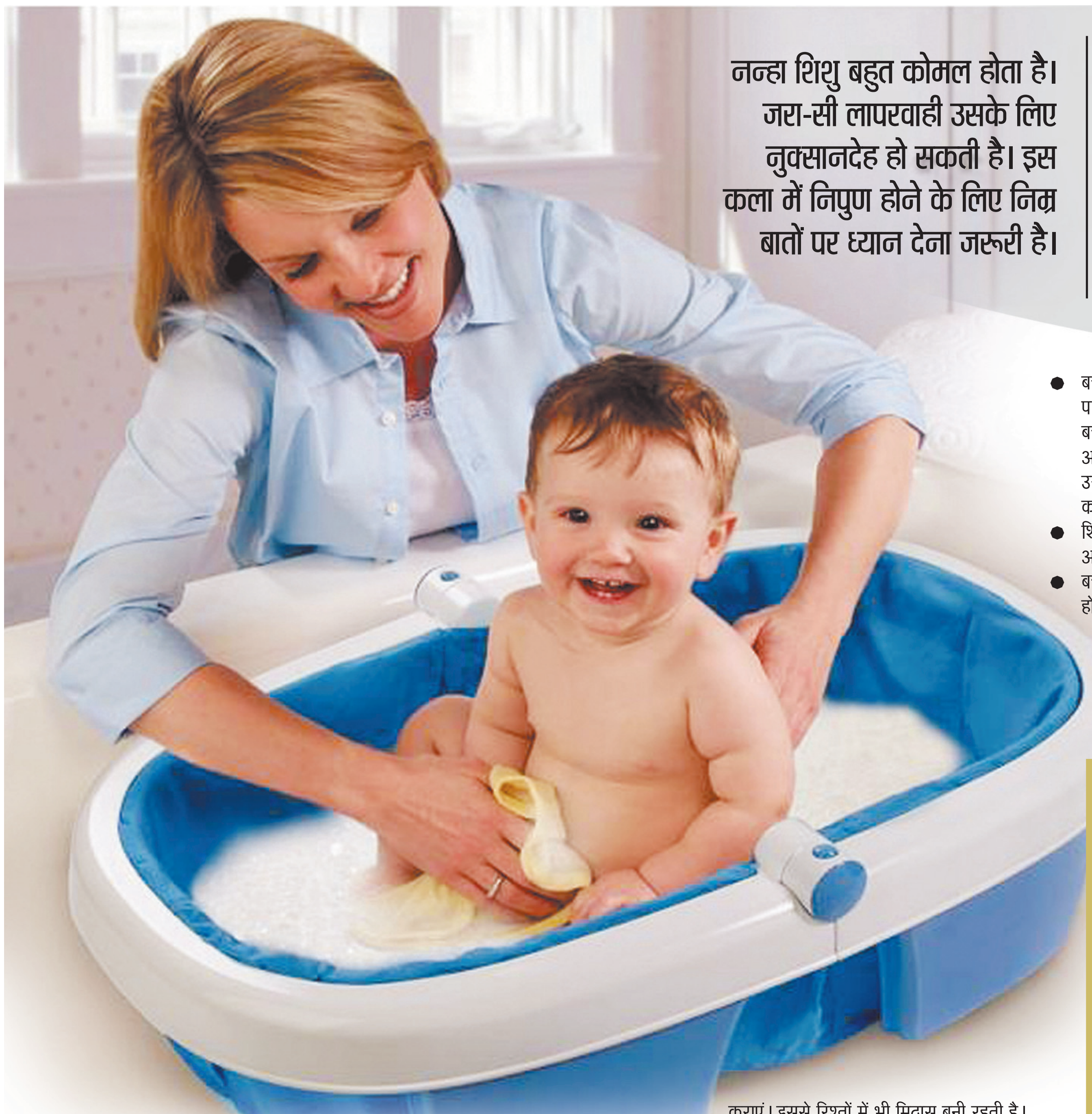

शिशु को नहलाना भी एक कला है

नन्हा शिशु बहुत कोमल होता है। जरा-सी लापरवाही उसके लिए नुक्सानदेह हो सकती है। इस कला में निपुण होने के लिए निम्न बातों पर ध्यान देना जरूरी है।

- बच्चे को नहलाते समय आपकी यही कोशिश होनी चाहिए कि वह पानी से डरने की बजाय स्नान में आनंद व प्रसन्नता का अनुभव करे। बच्चे को टब में बिठा कर नहलाएं। पानी से कलोल करने में उन्हें आनंद आता है, जिसे वे अपनी किलकारियों से प्रकट करते हैं। उसके इस आनंद में आप भी शामिल हों और अपना व अपने बच्चे का आनंद बढ़ाएं।
- शिशु को नहलाना शुरू करने के पहले सभी आवश्यक सामान अपने पास पहले ही रख लें ताकि आपको बीच में उठना न पड़े।
- बच्चे को नहलाने से तभी निश्चित करें, जब आपके पास पर्याप्त समय हो। हड़बड़ी में नहलाने से बच्चा पानी से भय खा सकता है।
- नहलाने से पहले बच्चे के शरीर की तेल से मालिश करें। मालिश करते समय सावधानी बरतें कि हाथ कोमलता से चलें और बच्चों के नाजुक अंगों को कोई झटका न लगे।
- मालिश के कुछ समय बाद ही नहलाना ठीक रहता है। सर्दी में बच्चों को धूप-स्नान देने के बाद ही नहलाना चाहिए। मालिश के बाद नहलाने से बच्चे की त्वचा स्वस्थ होती है। बच्चे की मांसपेशियों को व्यायाम व विश्राम मिलता है और बच्चा तनाव-थकान मुक्त होकर आराम की नींद सोता है।
- नहलाते समय आपके हाथ एकदम साफ हों, नाखून कटे हुए हों। यदि आपके हाथ में चुभने वाली चूड़ी, घड़ी या अंगूठी है तो उसे उतार दें।
- शिशु को न तो दूध पिलाने के एकदम बाद नहलाएं और न ही जब वह बहुत भूखा हो या किसी कारणवश रो रहा हो। स्नान के बाद उसे भली-भांति पोंछ कर मौसम के अनुकूल वस्त्र पहना कर दूध की खुराक दें ताकि पेट भर जाने के बाद ताजगी व प्रफुल्लता से शांति व आराम से देर तक सोता रहे।
- इस प्रकार आपकी थोड़ी-सी सावधानी व सूझ-बूझ बच्चों को स्वस्थ व प्रसन्नचित रखने में सहायक होगी और आप भी अपने साफ-सुथरे लाडले को आराम से सोता, खेलता देख कर खुश रहेंगी।

पॉजीटिव एनर्जी भी जरूरी

किसी भी घर में सुख-शांति बनाए रखने के लिए वास्तु बहुत उपयोगी होता है। वास्तु यह सुनिश्चित करता है कि घर में पॉजीटिव एनर्जी प्रवेश करे और सारी नैगेटिव वेव्स भाग जाएं। जब बात दीवाली की आती है तो वास्तु का महत्व और ज्यादा बढ़ जाता है।

चीजों का स्थान बदल दें

वास्तु के अनुसार घर में रखी कुछ चीजों को इधर से उधर जरूर रखना चाहिए। यदि आप सोफे पर रखा कुशन भी एक सोफे से दूसरे सोफे पर रख दें तो भी आपका काम हो जाएगा। शो-पीस, फ्लावर पॉट या फिर सोफा इत्यादि को एक-दूसरे के स्थान पर बदल कर रख सकती हैं।

नमक के पानी का छिड़काव

यूं तो पोंछा लगाने वाले पानी में नमक डालने से नैगेटिव एनर्जी दूर होती है परंतु आप दीवाली की सफाई के दौरान पानी में नमक मिला कर इसे घर के हर कोने में छिड़कते हैं तो भी यह घर की नैगेटिव एनर्जी को सोख लेता है।

दीवाली हो मीठी-सी

इस दिन आपके घर में चीनी की बिल्कुल भी कमी नहीं होनी चाहिए। यह एक रस्म है जो सुनिश्चित करती है कि आप का पूरा साल मीठा बीते। घर आए मेहमानों का मुंह मिठाई, केक, बिस्कुट या चॉकलेट से अवश्य मीठा कराएं। इससे रिश्तों में भी मिठास बनी रहती है।

मुख्य प्रवेश द्वार

आपके घर का मुख्य प्रवेश द्वार बेहतरीन अवसरों को आप तक पहुंचाने में मदद करता है। इसलिए मेन गेट के सामने कोई अवरोध नहीं होना चाहिए तथा मां लक्ष्मी के स्वागत के लिए दरवाजे के सामने खूबसूरत रंगोली अवश्य बनानी चाहिए।

धन के लिए उत्तर जाइए

घर में उत्तर दिशा को कुबेर का स्थान कहा जाता है। सुनिश्चित करें कि माता लक्ष्मी की मूर्ति यहीं रखी जाए और गणेश जी की मूर्ति उनके दाहिने ओर हो। इसके अलावा मूर्तियों को लाल रंग के वस्त्र पहनाएं तथा उनका पूरा श्रृंगार करें।

बहता हुआ पानी

बहता पानी घर की सारी नैगेटिव एनर्जी को अपने साथ बहा कर ले जाता है। आप भी इन दिनों अपने घर के नॉर्थ-ईस्ट साइड में कोई छोटा-सा झरना लगा सकती हैं।

नौकरी पर परिवार को वरीयता देती महिलाएँ

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था।

डॉक्टर की डिग्री लेकर जॉब कर रही 34 साल की निशा की जिंदगी तब आसान नहीं रह गई जब उनका पहला बच्चा हुआ। उनके इंजीनियर पति और उनके पढ़े लिखे परिवार ने निशा को नौकरी छोड़कर होममेकर बनने की सलाह दी। बच्चे व परिवार की देखभाल के लिए उसे यह कदम उठाना सही लगा। आजकल ज्यादातर महिलाएं अपने परिवार और बच्चे की देखभाल के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। निशा की सैलरी 40 हजार रुपए होते हुए भी उसे यही लगा कि उसे यह फैसला करना पड़ेगा। क्योंकि उसे अपने आस-पास कोई मदद करने वाला नहीं दिखा। ज्यादातर घरों में महिलाएं तभी जॉब कर पाती हैं जब उनके परिवार में उनके बच्चे को संभालने वाला कोई होता है। चाहे वह सास हों या मां या फिर जेठानी-देवरानी। नेशनल सैंपल सर्वे आर्गनाइजेशन की रिपोर्ट के अनुसार जहां 2009-10 में भारत में जहां 47 फीसद महिलाएं होममेकर थीं, वहीं 1999-2000 में इसमें करीब पांच से छह प्रतिशत का इजाफा हुआ है। अब ज्यादातर भारतीय महिलाएं अपने परिवार की देखभाल के लिए अपना कॅरियर और जॉब को छोड़ रही हैं। इसकी सबसे बड़ी वजह है- एकल परिवार। एकल परिवार में महिलाओं को घर-परिवार और नौकरी की दोहरी जिम्मेदारी अकेले ही उठानी पड़ती है। परिवार की जिम्मेदारी बखूबी निभाने में वे चौतरफा दबाव में रहती हैं। कहीं यह मजबूरी में है तो कहीं खुशी से। एक सर्वे के मुताबिक करीब 15 से 17 फीसद महिलाएं सामाजिक व पारिवारिक दबाव में होममेकर रहती हैं। वहीं लगभग सात से दस फीसद महिलाएं घरेलू काम इस वजह से करती हैं कि वे मेड का खर्च नहीं उठा सकतीं। अभी पिछले दिनों जापान से खबर आई है कि वहां भी महिलाएं नौकरी छोड़ कर होममेकर बनना चाहती हैं। यह एक बड़ा बदलाव है। शायद ग्लोबल भी।

पूरे देश में एक लाख गृहणियों पर किए गए अध्ययन में यह बात सामने आई है कि ज्यादातर महिलाएं घर की जिम्मेदारी बखूबी संभालने के लिए अपनी जॉब छोड़ रही हैं। यह सर्वे साठ साल तक की महिलाओं पर किया गया था। हालांकि होममेकर के काम को आजकल कोई महत्व नहीं दिया जाता। देश की छोड़िए घर की इकोनामी प्रॉफिट में भी कभी उनके काम को शामिल नहीं किया जाता। मगर देखा जाए तो आज महिलाओं की जब कोई मदद करने वाला नहीं होता, तो उनके पास कोई विकल्प नहीं बचता।

पिछले दिनों गृहणियों को पति की सैलरी का कुछ हिस्सा उनकी मेहनत के लिए दिए जाने की बात चली पर समय के साथ ठंडी पड़ गई। वैसे भी जिस घर और पति पर एक होममेकर का पूरा अधिकार है तो फिर मेहनताना किस बात का? और अपने इसी घर-परिवार को संभालने के लिए आज ज्यादातर महिलाएं होममेकर की भूमिका निभाना चाहती हैं। घर परिवार की जिम्मेदारी के साथ-साथ महिलाएं अब घर पर रहकर ही छोटे-छोटे काम कर अपनी पॉकेट मनी निकाल लेती हैं। ऐसे में परिवार के साथ-साथ उन्हें इस बात का भी मलाल नहीं रह जाता कि वह जॉब नहीं कर रहीं या उनकी शिक्षा बेकार जा रही है। आजकल की आधुनिक युवा महिलाएं शानदार पेंटिंग बना रही हैं तो घर पर फैशन डिजाइनिंग का काम भी कर रही हैं। कुछ महिलाएं टिफिन से लेकर पापड़-बड़िया तक का कारोबार कर रही हैं। यों काम कोई छोटा-बड़ा नहीं। सबसे अहम यह है कि परिवार पर आप ध्यान दे रही हैं और आप खाली भी नहीं हैं। कुछ न कुछ तो कर ही रही हैं।

फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स से स्टाईलिश बनाएं सपनों का घर

आपके घर को सुंदर और स्टाईलिश बनाने के लिए विश्व की सबसे बड़ी पेंट एवं कोटिंग कंपनी एक्जोनोबल के ब्रांड ड्यूलक्स ने एक ब्रांड कैंपेन के माध्यम से अपने नये ड्यूलक्स वेल्वेट टच कलेक्शन- 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' प्रस्तुत किया है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच-फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स फैशन से प्रेरित हाई-एंड इमल्शन (सजावटी पेंट) की पेशकश है जो आपके घर के वातावरण को फिर से ताजा करके इसे सुंदर, स्टाइलिश एवं 'सिंपली यू' बनाएगा। इस बारे जानकारी देते हुए निदेशक-विक्रय एवं विपणन सजावटी पेंट्स, एक्जोनोबल इंडिया राजीव राजगोपाल ने बताया, ''पिछले तीन दशकों से, ड्यूलक्स वेल्वेट टच भारत का अग्रणी इमल्शन ब्रांड बनकर उभरा है और होम डेकोर के क्षेत्र में इसने अलग जगह बनायी है। 'फैशन ट्रेंड्स फॉर वॉल्स' ब्रांड पोजिशनिंग से कहीं बढकर है। ड्यूलक्स वेल्वेट टच के ब्रांड एम्बेसडर व अभिनेता, निर्देशक, गायक फरहान अख्तर और प्रमुख फैशन डिजाइनर मनीष मलहोत्रा के मुताबिक, ''उनके लिए फैशन कार और कपड़ों से कहीं ज्यादा है। यह उस घर के विषय में भी हो सकता है, जिसमें हम रहते हैं और ड्यूलक्स पिछले कई वर्षों से अपनी वेल्वेट टच श्रृंखला के साथ घरों और उसमें रहने वाले लोगों को उनकी रचनात्मकता प्रस्तुत करने और स्टाइलिश बनने का माध्यम उपलब्ध करा रहा है। यह प्रमुख कारणों में से एक है कि उन्होंने ड्यूलक्स वेल्वेट टच का चयन किया ।

ऐसे बनता है सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व

महिलाएं अपने सौंदर्य को लेकर बहुत सतर्क रहती हैं। लेकिन सौंदर्य सिर्फ त्वचा की देखभाल तक ही सीमित नहीं है। आचरण, आदतें और व्यवहार भी सुंदर और सौम्य व्यक्तित्व के लिए जरूरी हैं। कुछ आदतें जो किसी महिला की छवि गलत बनाती हैं वह इस प्रकार हैं-

- सभ्य, सुसंस्कृत, फैशनेबल दिखने वाली स्त्री जिसका मुख खुलते ही बाह्य आवरण उड़ जाए यानी उसका गलत उच्चारण हो, गंदे और मैले दांत हों।
- खाते-पीते समय मुख की आकृति बेकाबू रहती हो।
- हंसने-मुस्कुराने के अंदाज का अभाव हो।
- बन-बनकर इठलाती-इतराती बोलती हो।
- व्यवहार में शिष्टाचार का अभाव हो। मौके-बेमौके सार्वजनिक स्थलों पर भी व्यवहार व बातचीत के तौर-तरीकों का अभाव हो।
- चपर-चपर कर खाती हो।
- शारीरिक अंग-प्रत्यंगों का संतुलन खोकर उच्छृंखल कदमों की बेताल चाल चलने वाली हो।
- वस्त्रों का सुरुचिपूर्ण चुनाव तथा पहनने-ओढ़ने की कला का अभाव हो।
- मौसम, आयु व अवसर के प्रतिकूल पहनावा हो।
- चेहरे पर उम्र की मार को नकारते हुए बालों को डाई किया हुआ हो।
- खूबसूरत साड़ी में बेजोड़ ब्लाउज को छिपाने का व्यर्थ प्रयास किया गया हो।
- किसी पार्टी में सबसे आगे भीड़ में घुसकर खाना ले रही हों।
- हाथ नचाकर या ताली पीटकर या किसी के कंधे या हाथ पर मारकर बातें कर रही हो।
- बातों में छिछोरे शब्दों का प्रयोग या गाली-गलौज से बातें करने वाली हो।
- ब्लाउज में हुक के स्थान पर पिन का प्रयोग या कंधे पर ढीले ब्लाउज से झांकता ब्रा का स्ट्रैप हो।
- मोटी थुलथुल कमर पर ऊंचा सा ब्लाउज तथा नाभिदर्शना साड़ी पहने हो।
- मोटी-मोटी बांहों पर स्लीवलेस ब्लाउज पहनकर सबके सामने बांहें उठाकर बैठी हो।
- कुर्सी पर एक टांग दूसरी पर रखकर ऐसे बैठी हो कि खुली टांगें भद्दी दिखें।
- जल्दी-जल्दी में लिपिस्टिक पोतने के प्रयासों में दांतों पर दाग लग गया हो।
- सांवले रंग पर बेमेल चटख रंगों के कपड़ों का चुनाव किया गया हो।
- ढलती उम्र में बहुत पतली नुची-खुची भवें रखी गई हों या झुर्रीदार आंखों पर मेकअप या प्रौढ़ावस्था में हैवी मेकअप हो।
- लम्बे नाखून मगर शेप रहित व गंदे मैल भरे हों।
- पुरुषों के बीच बैठकर बेवजह आकर्षण का केन्द्र बनने की कोशिश हो।
- शॉपिंग के समय दुकानदार से बेवजह बहस कर रही हो।
- फैशन की अंधी दौड़ में बहकर चेहरे के शेप के प्रतिकूल सज्जा की हो।